चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय

ढाण्ड-डडवाना (कैथल)

Sessions : 2024-25 to 2025-26

रश्मिका

Our Beacon of Inspiration

Late Ch. Ishwar Singh Ji

05-11-1926 to 11-02-1998

Ex. Speaker, Haryana Vidhan Sabha

Founder of the College
A Man of Indomitable Courage
A Visionary worth Emulating
A Paragon of Virtues
A Heart of Pure Gold

Ch. Tejvir Singh

Ex. MLA, Pundri
President of Governing Body

A Visionary Leader

A Patron of Women's Education

A Pillar of Strength for the College

A Man of Simplicity and Integrity

A Guardian of Student Welfare

चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय, ढांड-डडवाना : एक विराट वटवृक्ष की प्रेरक कहानी

हर महान संस्थान की शुरुआत एक छोटे से बीज से होती है - एक ऐसे बीज से, जिसमें भविष्य की अनंत संभावनाएँ छिपी होती हैं। चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय की कहानी भी ऐसे ही एक स्वप्न, संकल्प और समर्पण की कहानी है।

वर्ष 1993 में दूरदर्शी व्यक्तित्व, शिक्षाप्रेमी एवं समाजसेवी चौधरी ईश्वर सिंह ने इस महाविद्यालय की आधारशिला रखी। उस समय यह केवल एक संस्था की स्थापना नहीं थी, बल्कि ग्रामीण अंचल की बेटियों के भविष्य को प्रकाशमान करने के लिए एक पवित्र संकल्प था। उन्होंने जो छोटा-सा पौधा रोपा, वह केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं था, वह एक ऐसे विराट वटवृक्ष का बीज था, जिसकी छाया में आने वाली पीढ़ियाँ ज्ञान, संस्कार और आत्मविश्वास प्राप्त कर सकें।

समय के साथ यह पौधा निरंतर बढ़ता गया। इसकी जड़ें समाज में गहरी होती गईं और इसकी शाखाएँ दूर-दूर तक फैलने लगीं। प्रारंभिक शिक्षा की सीमाओं को पार करते हुए इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए। बी.ए., बी.कॉम बी. एस. सी से प्रारंभ हुई यह यात्र आगे बढ़कर एम.ए. इंग्लिश, एम. ए. हिस्ट्री, एम.कॉम तथा पीजीडीसीए जैसे पाठ्यक्रमों तक पहुँची, जिससे छात्रओं को अपने सपनों को नई दिशा देने के अवसर प्राप्त हुए। धीरे-धीरे यह संस्थान केवल शिक्षा का केंद्र नहीं रहा, बल्कि एक ऐसा जीवंत परिसर बन गया जहाँ का हर कोना प्रेरणा देता है। हरे-भरे वातावरण में स्थित यह महाविद्यालय आज अपनी युवावस्था में है - ऊर्जा से भरपूर, आत्मविश्वास से ओत-प्रोत और निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर। इसकी गति तेज है, लक्ष्य ऊँचे हैं और संकल्प अटूट है।

आज चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय एक विराट वृक्ष के रूप में हमारे सामने खड़ा है - जिसकी मजबूत जड़ें संस्कारों में, तना शिक्षा में, शाखाएँ ज्ञान और नवाचार में, और फल छात्रओं की सफलताओं में दिखाई देते हैं। इस वृक्ष की छाया में अनगिनत बेटियाँ शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बनी हैं और समाज व राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा रही हैं।

यह कहानी केवल एक महाविद्यालय की नहीं, बल्कि उस स्वप्नदृष्टा चौधरी ईश्वर सिंह के संकल्प की कहानी है, जिन्होंने एक बीज बोया और उसे अपने विचारों, मूल्यों और दूरदृष्टि से सींचा। आज वही बीज एक विशाल वटवृक्ष बनकर समाज को नई दिशा दे रहा है और आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश दे रहा है कि जब संकल्प सशक्त हो, तो एक छोटा-सा बीज भी इतिहास रच सकता है। "यह केवल एक महाविद्यालय नहीं, बल्कि सपनों का वह वटवृक्ष है जिसकी जड़ों में समर्पण, शाखाओं में उपलब्धियाँ और हर पत्ते में भविष्य की नई आशा बसती है।"

प्रो. (डॉ.) संगीता शर्मा
प्राचार्या

नायब सिंह सैनी
Nayab Singh Saini

सत्यमेव जयते

मुख्य मन्त्री, हरियाणा
चण्डीगढ़।
CHIEF MINISTER, HARYANA
CHANDIGARH

Message

It gives me immense pleasure to know that Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand-Dadwana (Kaithal) is publishing its annual college magazine "Rasika", providing a vibrant platform for students to showcase their literary, cultural, and academic talents.

Educational institutions play a vital role in shaping the future of our youth, and such initiatives encourage creativity, critical thinking, and holistic development among students. A college magazine not only reflects the intellectual and cultural spirit of an institution but also nurtures confidence and expression among young minds.

I am confident that "Rasika" will serve as a source of inspiration and motivation for students to strive for excellence and actively participate in academic as well as co-curricular activities.

I extend my best wishes to the Principal, faculty members, editorial team, and students for the successful publication of this magazine and for their continued efforts in promoting education and creativity.

(Nayab Singh Saini)

प्रो॰ सोमनाथ
कुलपति

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
कुरुक्षेत्र - 136119 (भारत)
(राज्य विधान सभा के एक्ट XII द्वारा 1956 से स्थापित)
(A++ ग्रेड, नैक प्रत्यायित)

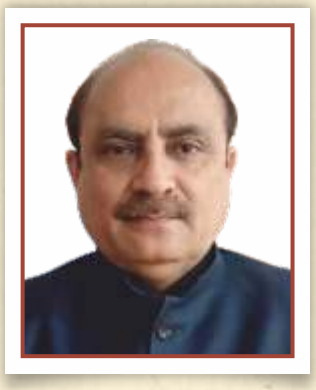

संदेश

नैक द्वारा ए-प्लस-प्लस ग्रेड प्राप्त कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से संबधित चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय, ढांड-डडवाना की वार्षिक पत्रिका रसिका के प्रकाशन के अवसर पर मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। यह पत्रिका न केवल विद्यार्थियों की सृजनात्मक अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है, बल्कि उनके बौद्धिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास का दर्पण भी है। इस प्रकार के प्रयास विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशीलता, विचारों और प्रतिभा को अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्य ज्ञान तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस दृष्टि से ''रसिका'' जैसी पत्रिका विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता का विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह उन्हें अपने विचारों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का अवसर भी प्रदान करती है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निखारने का सुअवसर प्राप्त होगा और वे भविष्य में उच्च आदर्शों को स्थापित करेंगे। मैं इस सराहनीय पहल के लिए महाविद्यालय की प्राचार्या, समस्त संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देता हूँ तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

(सोमनाथ)

ले० (प्रो०) वीरेन्द्र पाल
कुलसचिव

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
कुरुक्षेत्र - 136119 (भारत)
(राज्य विधान सभा के एक्ट XII द्वारा 1956 से स्थापित)
(A++ ग्रेड, नैक प्रत्यायित)

संदेश

नैक द्वारा ए-प्लस-प्लस ग्रेड प्राप्त कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से संबंधित चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका ''रसिका'' के प्रकाशन के अवसर पर मैं अपनी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ। यह पत्रिका विद्यार्थियों के विचारों, भावनाओं एवं रचनात्मकता को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त मंच प्रदान करती है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है।

ऐसी पत्रिकाएँ न केवल विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन में सहायक होती हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह उन्हें नवीन विचारों के प्रति जागरूक करती हैं तथा समाज और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारियों का बोध कराती हैं। साथ ही, यह विद्यार्थियों में अनुशासन, परिश्रम और उत्कृष्टता की भावना को भी विकसित करती हैं।

मुझे आशा है कि ''रसिका'' पत्रिका विद्यार्थियों को निरंतर प्रेरित करती रहेगी और उन्हें अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रोत्साहित करेगी। मैं इस सफल प्रयास के लिए महाविद्यालय की प्राचार्या, संपादक मंडल, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देता हूँ तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

(वीरेन्द्र पाल)

PROF. BRAJESH SAWHNEY
DEAN OF COLLEGES

Kurukshetra University,
Kurukshetra -136 119 (INDIA)
(Established by the
State Legislature Act XII of 1956)
(A++ Grade, NAAC Accredited)

Message

It gives me immense pleasure to learn that Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand-Dadwana (Kaithal) is publishing the latest edition of its annual college Magazine "Rasika".

A College Magazine is much more than a collection of articles; it is a vibrant archive of the creative energy, intellectual depth and evolving perspectives of our youth. In the pursuit of academic excellence, it is equally vital to nurture the literary and cultural talents that allow students to express their individuality and engage with the world around them.

In today's rapidly changing educational landscape, students are expected to be lifelong learners and critical thinkers. Publications like "Rasika" provide a vital platform for young students to find their voices, explore their potential and showcase their achievements in both academic and co-curricular spheres.

I congratulate the Principal, the editorial board and the talented students for their dedicated efforts in bringing out this publication. I am confident that this edition will inspire readers and reflect the high standards of discipline and creativity that the college stands for.

My best wishes to all the students for a bright and successful future. May you continue to strive for excellence and contribute meaningfully to society.

(Prof. Brajesh Sawhney

CH. TEJVIR SINGH
Ex. MLA, Pundri
President, Management Committee
& Welfare Association of Management
of Pvt. Aided Colleges

Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya
Dhand-Dadwana

संदेश

मुझे हमारे चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढांड-डडवाना, कैथल की रचनात्मक उपलब्धियों के रूप में कॉलेज-पत्रिका 'रसिका' के प्रकाशन पर अत्यन्त हर्ष और गौरव की अनुभूति हो रही है। निश्चित ही यह पत्रिका विद्यार्थियों की प्रतिभा, सृजनशीलता और बौद्धिक अभिव्यक्ति का सशक्त मंच बनकर शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक चेतना को समृद्ध करती है।

वर्तमान समय नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा को नवाचार, कौशल विकास, अनुसंधान प्रवृत्ति और व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ने का है। विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है कि वे रचनात्मक चिंतन, तकनीकी दक्षता, नैतिक मूल्यों तथा आत्मनिर्भरता को अपनाकर अपने व्यक्तित्व का समग्र विकास करें और समाज तथा राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। हमारा महाविद्यालय निरंतर उन्नति और उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहे। इसी विश्वास के साथ प्राचार्या डॉ. संगीता शर्मा के नेतृत्व में समस्त शिक्षक एवं गैर-शिक्षक स्टाफ के समर्पित प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय हैं, जो संस्थान की गरिमा और उपलब्धियों को निरंतर समृद्ध कर रहे हैं।

अंत में कॉलेज-पत्रिका 'रसिका' की मुख्य संपादिका श्रीमती वरखा खैंची, संपादक मंडल एवं सभी सहयोगियों को इस महत्वपूर्ण सृजनात्मक प्रयास हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। यह पत्रिका विद्यार्थियों की सृजनशीलता, आत्मविश्वास और साहित्यिक चेतना को निरंतर नई ऊँचाइयों तक ले जाए, इसी मंगलकामना के साथ।

सादर शुभकामनाएँ।

(Ch. Tejvir)

Prof. (Dr.) SANGEETA SHARMA
PRINCIPAL

Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya
Dhand-Dadwana

Message

It gives me immense pleasure to present the latest issue of our college magazine Rasika. Our institution, established by a great visionary Late Ch. Ishwar Singh ji, ex- speaker, Haryana Vidhan Sabha with a noble mission to disseminate quality education to women in educationally starved remote region of Village Dhand situated in district Kaithal in Haryana, stands as a beacon of hope, opportunity, and empowerment for young women. In regions where access to higher education for girls has traditionally been limited, our college plays a transformative role by nurturing talent, building confidence, and shaping responsible citizens of tomorrow under the dynamic leadership of our Hon'ble President Ch. Tejvir Singh Ji, Ex. MLA, Pundri.

The publication of Rasika is not merely an academic exercise; it is a celebration of creativity, expression, and intellectual curiosity. The magazine provides a vibrant platform for our students to articulate their thoughts, share their experiences, and showcase their literary, artistic, and analytical abilities. It reflects the voices of young women who are rooted in rural values yet aspire to achieve excellence at national and global levels. Students from rural backgrounds often possess unique perspectives shaped by simplicity, resilience, and close connection with society. Through this magazine, these perspectives find meaningful expression. The articles, poems, essays, and creative contributions included in this issue highlight the awareness of our students toward social responsibility, women empowerment, environmental sustainability, and cultural heritage. Such efforts not only enhance writing skills but also develop critical thinking and confidence among students. Our college continuously strives to create an environment that encourages innovation, leadership, and holistic development. Rasika is one such initiative that motivates students to participate actively in co-curricular and intellectual activities beyond the classroom.

I sincerely appreciate the dedication and hard work of the editorial board, faculty members, and student contributors who have worked tirelessly to bring out this wonderful issue. Their collective efforts have made this magazine a reflection of the vibrant academic and cultural life of our institution.

My best wishes to the entire college family for this commendable endeavor.

(Dr. Sangeeta Sharma)

Ms. Varkha Khanchi
Chief Editor

Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya
Dhand-Dadwana

Message

As we release this edition of Rasika, we carry forward the vision of our institution's founder, Ch. Ishwar Singh ji — a man whose life was a quiet revolution in rural education and women's empowerment.

Ch. Ishwar Singh ji was not just a political leader; he was also a believer in the transformative power of education, especially for daughters. At a time when rural Haryana saw limited opportunities for girls, he stood firm on the principle that "an educated daughter uplifts the entire family and society." His simplicity, accessibility, and unwavering commitment to social harmony remain the moral compass of our institution even today. The motto "Sanskar aur Samarthaya, Innovation aur Vikas" is not just a slogan on our walls — it is his legacy in action.

Today, under the dynamic leadership of our Hon'ble President Ch. Tejvir Singh Ji, Ex. MLA, Pundri, the college continues to grow with the same spirit of service and progress. His unwavering support, forward looking approach and dedication to student welfare have given new momentum to the institution.

Our college offers a wide spectrum of undergraduate and postgraduate courses designed to balance knowledge with employability:"Arts & Humanities": B.A., M.A. in English and History — building critical thinking and cultural understanding. Commerce :B.Com and M.Com, preparing students for careers in finance, management, and entrepreneurship. Science: B.Sc. with streams in Non-Medical, encouraging scientific temper and research aptitude.Computer Applications: PGDCA, bridging the gap between technology and rural education. Alongside academics, we emphasize skill development in NCC training, NSS, sports, and cultural activities to ensure holistic growth. Our campus is more than classrooms — it's a space where confidence is built, leadership is nurtured, and dreams take flight.

As a Chief Editor, I feel proud that Rasika reflects not just students creativity but also the spirit of our founder. In an era driven by innovation, CISK MV remains rooted in values while reaching for the future. May every student who walks through our gates carry forward Chaudhary Ishwar Singh ji's vision of knowledge with integrity, and service with purpose.

Varkha

(Ms. Varkha Khanchi)

Ms. Bhawna
Co-Editor

Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya
Dhand-Dadwana

Message

It is a moment of immense pride and joy to present the latest edition of our college magazine, "Rasika," which serves as a vibrant chronicle of the intellectual, creative, and social journey at Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand-Dadwana.

Our institution stands as a living tribute to the visionary leadership and noble legacy of our founder, Ch. Ishwar Singh Ji, whose pioneering dream of empowering women through quality education continues to be the North Star guiding our path. We owe a debt of gratitude to our Hon'ble President, Ch. Tejvir Singh Ji (Ex-MLA, Pundri), for his unwavering patronage and commitment to excellence, and to our Worthy Principal, Dr. Sangeeta Sharma, whose dedicated mentorship and progressive outlook provide the foundation for our success.

This edition of Rasika is a beautiful mosaic reflecting the multifaceted growth of our students; it showcases not only insightful student articles and literary expressions but also highlights our dynamic campus life. From the disciplined parades of the NCC and the selfless community service of the NSS to the exuberant energy of our Annual Functions and cultural fests, these pages capture the essence of a holistic education.

As co-editor, I believe this magazine is a testament to the fact that we don't just produce graduates-we nurture confident, socially responsible leaders. I invite you to turn these pages and witness the spirit, talent, and tireless dedication that define our beloved college.

Bhawna

(Ms. Bhawna)

VISION

To provide accessible, affordable and qualitative education to girls of rural area and bring them into the mainstream of national development.

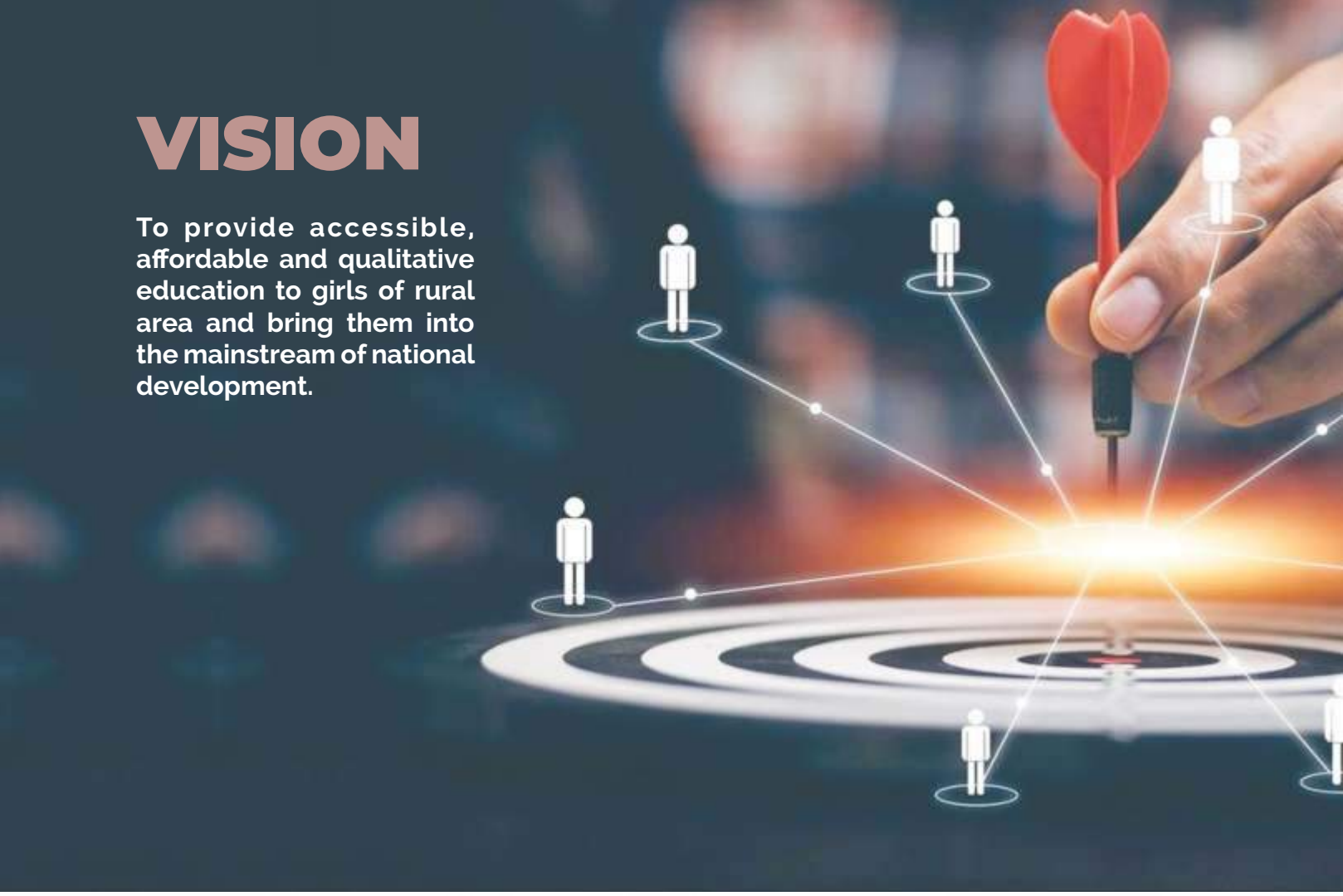

MISSION

- To impart education which can cater the demands of globalization.
- To groom personality of students through extra curricular activities.
- To make them self-reliant by having their skills.
- To instill ethical values by arranging expert talks.
- To awaken the students for shouldering social responsibilities.

PRESIDENTS OF GOVERNING BODY

1993 to till date

Ch. Ishwar Singh
31-03-1993 to 11-02-1998

Sh. Mahavir Singh
12-02-1998 to 19-08-2000

Ch. Tejvir Singh
20-08-2000 to till date

HON'BLE OFFICE BEARERS OF GOVERNING BODY

2024-2027

Ch. Tejvir Singh
Ex. MLA, Pundri
President

Ch. Jeet Singh
Vice-President

Sh. Deshraj
General Secretary

Sh. Jaipal Singh
Treasurer

EXECUTIVE MEMBERS

Sh. Bhagwan Das	Sh. Gyan Singh	Sh. Jagdish Kwatra	Sh. Rishi Pal
Sh. Ram Chander	Sh. Ravinder	Sh. Kanwar Singh	Sh. Pala Ram
Sh. Pawan Kumar	Sh. Ram Karan Foji	Sh. Pritam Singh	

TEACHING FACULTY
(Permanent)

Dr. Anita Chouhan
Associate Professor
Department of Music (I)

Mrs. Anita Bhatia
Librarian

Dr. Sunita Gupta
Associate Professor
Department of Music (V)

Mrs. Anu Dhunna
Associate Professor
Department of Economics

Mrs. Saroj Bala
Associate Professor
Department of Mathematics

Dr. Nishi Tuli
Associate Professor
Department of Commerce

Dr. Meena
Associate Professor
Department of Commerce

Dr. Poonam
Assistant Professor
Department of English

Mrs. Bhawna
Assistant Professor
Department of Commerce

Mrs. Varkha
Assistant Professor
Department of Economics

Mrs. Sonia
Assistant Professor
Department of Political Science

Dr. Manju
Assistant Professor
Department of History

Dr. Kamlesh
Assistant Professor
Department of Sanskrit

TEACHING FACULTY
(S.F.S.)

Ms. Mamta
Department of Physics

Ms. Prachi
Department of Chemistry

Ms. Kavita
Department of Mathematics

Dr. Anita
Department of Commerce

Ms. Anju Tanwar
Department of Commerce

Ms. Sneha
Department of Commerce

Ms. Lalita
Department of Psychology

Ms. Ritu
Department of English

Ms. Himanshi
Department of English

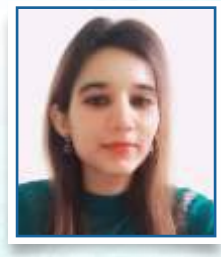

Ms. Komal
Department of English

Ms. Roma
Department of Computer Science

Ms. Pooja
Department of Computer Science

Ms. Pinky
Department of Home Science

Ms. Seema
Department of History

Ms. Sapna
Department of History

Ms. Sukhwinder
Department of Hindi

Ms. Suman
Department of Hindi

Ms. Neha
Department of Physical Education

NON-TEACHING STAFF
(Permanent)

Sh. Ram Kumar
Head Clerk

Sh. Surinder Kumar
Clerk

Mrs. Manju
Clerk

Mrs. Saroj
Tabla Player

Sh. Shanti Prakash
Library Attendent

Mrs. Rama Devi
Peon

Mr. Pardeep
Peon

Sh. Jagdish
Mali

Sh. Mahinder Singh
Chowkidar

Sh. Anil
Chowkidar

Sh. Mahabir Singh
Sweeper

NON-TEACHING STAFF
(S.F.S.)

Mr. Naseeb Singh
Computer Operator

Mr. Sonu
Clerk

Mr. Aadesh
Clerk

Ms. Sunita Rani
Lab Attendant

Ms. Suman Lata
Lab Attendant

Ms. Pinki
Lab Attendant

Ms. Manisha
Library Attendant

Ms. Sunita
Library Restorer

Sh. Gurdeep
Mali

Sh. Pardeep
Chowkidar

Ms. Poonam
Sweeper

ACADEMIC TOPPERS 2023-24

Pinki Devi
Topper, M.A. English

Prachi
Topper, M.Com.

Roma
Topper, P.G.D.C.A.
Gold Medalist KUK

Anamika
Topper, B.Com

Sakshi Devi
Topper, B.Sc.

Divya
Topper, B.A.

ACADEMIC TOPPERS 2024-25

Simran Devi
Topper, M.A. English

Deepali
Topper, M.Com.

Aman
Topper, B.Com.

Renu Taya
Topper, B.Sc.

Jasmine
Topper, B.A.

CO-CURRICULAR CHAMPIONS

Ritu
Best
NSS Volunteer
(Unit-I)

Niral Mehla
Best
NSS Volunteer
(Unit-II)

Meenakshi
Best
NCC Cadet

Reeta
Best Athlete

Tanu
Best Artist

Kamna
Best Singer

Anjali Dahiya
Best Speaker

Aarti
Best Dancer

Abhilesha
Best Actress

ENGLISH SECTION

Hold fast to dreams for if dreams die,
life is a broken winged bird that can not fly.

— **Sylvia Plath**

Faculty Editor :
Dr. Poonam Kairon

Student Editor :
Aparna
M.A. (Eng.) Pre. Year

Contents

Sr. No.	Articles	Contributors	Page No.
1.	Editorial : Where Words Take Root	Dr. Poonam Kairon	3
2.	Women Empowerment In Modern India	Ms. Himanshi Sharma	4
3.	Role of Youth in Nation Building	Ms. Komal	4
4.	Importance of Communication Skills	Mrs. Ritu	5
5.	Social Media : Addiction Or Necessity	Sejal Rani	5
6.	Mental Health Of Students	Kavita	5
7.	Positive Approach	Preeti	6
8.	Your Best	Priksha	6
9.	To A Daughter Leaving Home	Shayna	6
10.	Importance of Books	Khushi	7
11.	It is time	Kavita	7
12.	Nature	Sanjana	8
13.	You are a Flame	Saloni	8
14.	A Mother	Payal	8
15.	Ladies you Deserve to Feel Safe	Anjali	9
16.	Nature	Kalpna	9
17.	Power of Positive Thinking In Success	Muskan	9
18.	Women Empowerment In The 21st Century	Riya	10
19.	Health & Lifestyle	Ishu	10
20.	Mental Health	Kajal Devi	11
21.	Education & Career	Khushi	11
22.	Mental Health Awareness Among Youth	Sahaj Preet	12
23.	Student Life	Ritu	12
24.	Women's Empowerment	Alisha	13
25.	Tree	Riya	13
26.	Nature	Sania	13
27.	Our Motherland	Ekta	14
28.	Respect For The Teacher	Shivani	14
29.	Don't Give Up	Kashish	14
30.	Education System : Learning Vs Marks	Aparna Devi	15
31.	Online Learning Vs Offline Learning	Shivani	15
32.	College Life Vs Reality	Muskan	15
33.	Impact of AI on Students' Future	Arpita	16
34.	Social : Hard Work Vs Work	Rupakshi	16

Editorial : Where Words Take Root

At the edge of open fields and unhurried roads stands a college shaped by earth and effort, silence and song. Here, learning does not arrive detached from life; it grows alongside it. The English section of this magazine is conceived as a modest yet meaningful space where language listens before it speaks, and where thought rises gently from lived experience.

In rural landscapes, stories are not written, first they are lived. They exist in the rhythm of seasons, in the patience of labour, in memories passed from one voice to another. English, when it enters such a space, must learn humility. It must bend, adapt, and absorb. Freed from the burden of imitation, it becomes a vessel capable of carrying local truths into wider currents of understanding. Our pages seek to honour this quiet transformation of language.

The students who write here inherit more than academic syllabi. They inherit fields tilled by generations, values shaped by community, and a deep awareness of interdependence between human life and nature. When such inheritances find expression in English, the language itself is renewed. It acquires texture, depth, and moral weight. The voices that emerge are neither loud nor hurried; they are reflective, grounded, and resonant.

To write in English in a rural setting is also to cross an inner threshold. It is an act of courage a reaching outward without relinquishing the self. Perfection is not the ambition here; presence is. What matters is the honesty of perception, the sincerity of emotion, and the willingness to think. In these pages, language is not polished to impress, but shaped to reveal.

Education, in such a context, is an ethical act. It must widen the mind without narrowing the soul. The English section aspires to uphold this balance. Through poems that listen to the land, essays that question inherited assumptions, and narratives that trace the quiet drama of ordinary lives, it nurtures imagination alongside responsibility. Concerns of justice, dignity, sustainability, and belonging flow naturally from the soil of rural existence and find voice here.

This magazine is born of companionship-between teacher and student, thought and expression, silence and speech. Teachers serve as careful listeners, encouraging the hesitant voice and refining the emerging one. Students, in turn, learn that their experiences are not too small to be spoken, nor too local to matter.

As you turn these pages, read slowly. Allow the words to unfold at their own pace. Within them lie not only exercises in language, but acts of becoming. May this English section stand as a testament that from rural spaces, where life is deeply felt and patiently understood, literature can grow-rooted in the earth, and reaching quietly toward the sky.

Dr. Poonam Kairon
English Department

Women Empowerment In Modern India

Women empowerment is often discussed, but not always practiced in reality. While progress has been made in education, employment, and rights; true equality is still a work in progress. Empowerment is not just about providing opportunities, it is about ensuring respect, safety, and independence in everyday life. Social attitudes, stereotypes, and barriers still limit the full potential of women in many areas. For real change, empowerment must move beyond slogans. It should become a lived reality where women are treated as equals-not just in words, but in actions. In many cases, empowerment is reduced to slogans or symbolic actions rather than real change. True empowerment requires a shift in attitudes- both at the individual and societal level. It involves recognizing women as equal contributors in all fields, from education and workforce to leadership and governance. Education and awareness are key factors in achieving this goal. When women are educated and financially independent, they gain confidence and the ability to stand for their rights. At the same time, society must actively support and respect their choices. Real empowerment will be achieved only when equality becomes a natural part of everyday life, not just a topic of discussion. It is not a favor granted to women, but a fundamental right that must be fully realized.

Ms. Himanshi Sharma
Assistant Professor of English

Role of Youth in Nation Building

The youth of a nation are its strongest driving force. With energy, creativity, and ambition, young people have the power to shape the future However, potential alone is not enough-direction and responsibility are equally important. Nation building is not limited to political participation, it includes contributing through education, innovation, social awareness, and ethical behavior. When young individuals take responsibility for their actions and decisions, they create a ripple effect that strengthens society. The future of any nation lies in the hands of its youth. If guided properly, their efforts can lead to progress, stability, and transformation. Education plays a crucial role in shaping the mindset of youth. It should not only provide knowledge but also instill values such as integrity, discipline, and social awareness. A well-informed and responsible youth population can address challenges like inequality, corruption, and social injustice more effectively. However, one of the major challenges today is the lack of direction. Many young individuals possess ambition but lack clarity about how to channel it. This often leads to frustration or misuse of potential. Therefore, it is essential for the youth to recognize their role and take initiative. The progress of a nation is deeply connected to the actions of its young citizens. With the right mindset and determination, they can drive transformation and create a better future.

Ms. Komal
Assistant Professor of English

Importance Of Communication Skills

Communication skills are not just an added advantage-they are a necessity in today's world. A person may possess deep knowledge, but without the ability to express ideas clearly that knowledge often remains unnoticed. Effective communication builds confidence, strengthens relationships, and opens doors to opportunities. In academic and professional spaces, individuals are constantly judged not only by what they know, but by how well they convey it. Whether it is speaking in a presentation, writing an email, or participating in discussions, communication plays a decisive role. In both academic and professional environments, individuals are constantly evaluated on how effectively they present their ideas. Whether it is participating in discussions, delivering presentations, or writing formal emails, communication plays a decisive role in shaping one's image and credibility. A confident speaker often gains more opportunities than someone equally capable but unable to articulate their thoughts. Moreover, communication is mot limited to speaking alone. It includes listening, understanding, and responding appropriately. Good communication builds relationships, reduces misunderstandings, and creates a positive impression. It allows individuals to influence others, share perspectives, and collaborate effectively. Therefore, developing communication skills is not optional. It is a core skill that determines how successfully a person can translate their thoughts into impact.

Mrs. Ritu
Assistant Professor of English

Social Media : Addiction Or Necessity

A world that fits within our hand,
Where endless voices softly stand,
A swipe, a scroll, a fleeting glance,
And we are lost in its expanse.

Perfect lives in frames displayed,
Yet truths behind them slowly fade,
We chase approval, hearts confined,
While losing touch with our own mind.

A tool it is, yet chains it weaves,
In silent ways, it tricks, deceives,
So use it well, don't drift away-
Or let it steal your self each day

Sejal Rani
M.A. III

Mental Health Of Students

Behind each smile, a storm may grow
A silent pain we seldom show,
With heavy hearts and restless minds,
We chase a peace we rarely find.

Expectations, sharp and deep,
Steal away our fragile sleep,
And in this race, we often hide,
The fears we carry deep inside.

Yet strength begins when we reveal,
The wounds we mask, the truths we feel,
For healing starts the moment we-
Choose care, not just productivity

Kavita
B.A. III

Positive Approach

Teary eyes and a face with a frown,
I was sitting alone at the beach.
Looking at the sand light brown,
Thinking about my life and breach.
Looking at a boy running around,
Playing with his dog, I found.
Sitting beside me, he said,
Your face so sad what made?
Stupid situations of my life,
feels like killing them with a knife.
He said look around for a while,
There is so much for you to smile.
look at the colour balloons,
They teach us something true
They say not everyday is a bright boon,
Grey days will one day get ca sue.
Waves tell you to never stop,
Life is like a beautiful brooch.
One day you will have a positive approach.

Preeti
B.A. Ist

Your Best

If you, always try your best
Then you'll never have to wonder
About what you could have done
If you'd summoned all your thunder.
And if your best
was not as good
As you hoped it would be,
You still could say,
"I gave today
All that I had in me."

Priksha
B.A. III

To A Daughter Leaving Home

When I taught you
at night to ride
a bicycle, loping along
beside you
as you wobbled away
on two round wheels,
my own mouth rounding
in surprise when you pulled
ahead down the curved
path of the park,
I kept waiting
for the thud
of your Crash I
sprinted to Catch up
while you grew
Smaller, more breakable
with distance,
pumping, pumping
for your life, screaming
with laughter,
the hair flapping
behind you like a
handkerchief waving
good bye.

Shayna
B.A. III

Importance of Books

Books are precious source of knowledge that enrich and make human life meaningful. Their importance lies not only in providing information but also in personality development, entertainment, and mental peace. Books offer us an opportunity to understand different aspects of the world and develop new ways of thinking.

The history of books is as old as human civilization. In ancient times, people recorded their experiences and knowledge in the form of books so that future generations could benefit from them. Even today, books provide detailed information on various subjects such as science art, history and literature. Reading a good book gives us new perspectives and ideas enabling us to make correct decisions in our lives.

Books hold special significance in the field of education. They act as guides for students promoting not only knowledge of various subjects but also study habits. Books are not only essential for studying the curriculam but also enhance student's thinking abilities. They expand vocabulary and improve language skills.

Books are important as a means of entertainment. Novels, Stories and poems make our lives exciting and take us on a journey to a new world. Reading provides mental peace and reduces stress. Additionally self help and inspirational books gives us a new energy and inspiration in life.

The importance of books is not just at a personal level, but also for society. They are a heritage of culture, tradition and history. Books help us learn from past mistakes and plan better for the future. They also play a significant role in spreading social change and awareness.

Finally I want to say that books are an integral part of our lives, providing us with opportunity for education, entertainment, and mental development. Respecting them and making them a part of life is beneficial for everyone.

Khushi
B.A. III

It is time

Lost in a mire of rancid discontent. Enslaved in a World of misery and loss Azure sky beckons but we never see what we have had is worth more when its gone.

When are you now, this time that is lost can we ever return to claim it will we ever regret, repent at our cost? Is there a way back

through these endless shadows.

Do you lie with regrets in your mind?

Now that the end is so near?

Do you long to wonder through emerald fields.

Now the strength is gone

And the mind lingers on

Kavita
B.A. III

Nature

I am a human,
I'm tired from cities,
I am going to nature,
to find peace.
Long and shady trees,
and that cool breeze,
made me relax and calm,
and found tree of palm.
The plain ground,
with flora and fauna,
and silence all over the area,
made me feel peace.
The clouds were as light as air,
and blew with the wind,
And the sun set,
was the day's end

Sanjana
B.A. I

You are a Flame

You are a flame that burns with flames of determination, ambition, hardwork, luck, and success.

A burning flame that burns as bright as the Sun.

A flame that inspires people to follow their dreams and achieve great things in life.

You are a flame that burns with greatness.

A golden flame that burns with golden dreams.

A flame that will burn forever. You are a flame that cannot be extinguished.

For you are the fire that inspires. A flame that burns in the hearts of millions

Saloni
B.A. III

A Mother

My mother is the First person who loved me, and her love is the purest form of affection. She is my constant source of encouragement and motivation. Her sacrifices are innumerable, always putting her children's needs first.

She is my best friend, offering comfort and unwavering support. My mother is my first teacher, imparting vital life skills and moral values. She is a pillar of strength for the entire family. Her smile brings happiness and peace. She guides me on the path of righteousness and ethics. My mother manages the household with remarkable care and dedication.

She always ensures everyone has healthy breakfast and delicious meals. Her hard work and resilience inspire me to face life's challenges. She teaches me not to be disheartened by failure but to persevere. Her presence is like a guiding star in my life's journey. A mother's love knows no boundaries or conditions. She is an inspiration, a role medal for her children. She sacrifices her desires to fulfill those of her children-Her entire existence is devoted to the well-being of her children. Life would not be as beautiful or fulfilling without a mother's love. I am forever grateful for her care and priceless affection. My mother is the most beautiful and special in the world to me.

Payal
B.A. Ist

"Ladies you Deserve to Feel Safe"

A woman's brain cannot relax
until she feels physically
and emotionally safe.

A lot of men don't understand
how much energy women expand
checking that they are safe
Providing an environment

Where she can mean that
Part of her brain off
lets her truly settle into
her femininity

Anjali
M.A. III

Nature

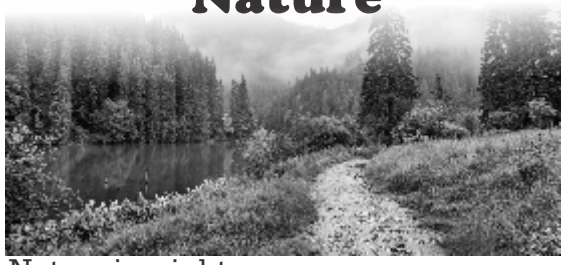

Nature is might,
Nature is strong,
Nature is beauty,
Nature is moody.

Nature is Smart,
Nature is blue,
Nature is green,
Nature is true.

Nature is you,
Nature is me,
Nature will forever be free.

Kalpna
B.A. III

Power of Positive Thinking In Success

Success is not achieved overnight. It is the result of determination, hard work, and above all, the mindset with which we approach life. Among the many factors that shape Success, one of the most powerful is positive thinking. Positive thinking does not mean ignoring problems or living in a world of illusions. It simply means focus on solutions instead of obstacles, believing in possibilities instead of limitations, and seeing challenges as opportunities to grow. History is full of examples where positive thinking has changed destinies. Leaders like Mahatma Gandhi, Nelson Mandela, and APJ Abdul Kalam achieved greatness because they hold on to hope even in the darkest of times.

For Student and Youth, Positive thinking acts as a fuel that keeps them motivated. Exams, failures, and competition often create fear and stress. A negative mind easily gives up, but a positive looks for another way. When Thomas Edison failed hundred of times before inventing the bulb, he famously said, "I have not failed. I've just found 10,000 ways that won't work." That is the essence of positive thinking. Psychologists also agree that positive thoughts improve mental health, reduce stress, and increase focus. When we think positively, our confidence rises, our relationships improve, and our ability to handle challenges becomes stronger. Positive thinking is habit that can be developed.

Practicing gratitude, surrounding ourselves with supportive people, avoiding negative self talk, and believing in one's abilities are simple way to cultivate positivity.

In the end, success is not just about reaching the destination, it is about enjoying the journey with courage, hope, and confidence. Positive thinking is the compass that guides us towards our goals, even when the path seems difficult. It is rightly said, "your thoughts shape your reality-think positive, and success will follow."

Muskan
B.A. III

Women Empowerment In The 21st Century

The 21st century is often called the "Era of women." Across the world, women are breaking barriers, achieving excellence, and proving that empowerment is not just a slogan but a reality. From politics to business, sports to space, women are reaching heights once considered impossible. India too has witnessed a remarkable transformation.

Women are not just homemakers anymore; they are leaders, entrepreneurs, scientists and change makers. Whether it is Kalpana Chawla going to space, Mary Kom ruling the boxing ring, or Nirmala Sitharaman holding the finance ministry, empowered women are redefining success.

Education is the strongest tool of empowerment. An educated woman not only builds her own future but also shapes generations. True empowerment will only come when women have the freedom to choose their path without being judged. Economic independence gives women the confidence to stand on their own feet and take important decisions.

The 21st century has also given women a global platform through digital media. Today a woman sitting in a small town can run her own online business, share her views on social issues, and connect with the world. However, women empowerment is not just the responsibility of women. It requires the support of men, families, and society as a whole. When both genders walk together, progress becomes faster and more meaningful.

The 21st century has opened the doors-now it is up to us ensure women step through them with pride and confidence.

Riya
B.A. III

Health & Lifestyle

Good health is very important for a happy life. A healthy lifestyle includes eating nutritious food, exercising regularly, and getting enough sleep. Drinking plenty of water and avoiding junk food keeps the body strong. Mental health is also important, so we should stay positive, manage stress, and spend time with family and friends. Regular check-ups help in preventing diseases. Healthy habits, like walking, yoga and proper hygiene, improve both body and mind. By taking care of our health and following a balanced lifestyle, we can live a long, energetic and happy life.

Ishu
M.A. Ist

Mental Health

"Mental health is just as important
as physical health, Don't ignore that.
Mental health is vital for our well-being,
It affects how we think, feel and act.
Taking care of our mental health is as
important as caring for our physical health.
It's okay to seek help when we are struggling.
Talking to someone we trust can make a big difference.
Engaging in activities we enjoy and practicing
relaxation techniques can also help.
We should pay attention to our emotions and not ignore them.
Building supportive relationship and setting realistic goals can promote
good mental health.
Remember, it's okay to not be okay sometimes, and seeking
support is a sign of strength.

Kajal Devi
M.A. Ist

Education & Career

Education is very important for every person. It gives us knowledge, skills and confidence to face life. A good education is not only about getting marks or degrees but also about learning how to think, solve problems, and be creative.

Education helps us choose the right career. A career is the work we do to earn a living. To choose a good career, we must know our interests, strengths and what jobs are in demand. Learning new skills, taking part in workshops, and gaining practical experience are very helpful.

Education and Career are connected. Education gives us the tools and a career gives us direction. Focusing on both helps us succeed in life, earn money and make a positive contribution to society.

Khushi
M.A. Ist

Mental Health Awareness Among Youth

In today's fast-paced world, mental health has become as important as physical health especially among youth. Academic pressure, competition, social media influence and uncertain career path offer a silent burden that young people carry with them.

Unfortunately, mental health is still surrounded by stigma. Many parts of society making it difficult for students what they are going through.

The good news is that awareness about mental health is slowly increasing. Schools and colleges are beginning to organize counseling sessions and workshops. Campaigns on platforms like Instagram and you tube also encourage people to speak openly about their struggles. Celebrities and influences sharing their mental health journeys inspire many youngsters to seek help without feeling ashamed.

But awareness must turn into action. Families should create an environment where children feel free to talk about their emotions. Society must learn to treat mental health problems with the same seriousness as physical illnesses.

In the end, mental health awareness is not just about avoiding illness, it is about ensuring that the youth, the backbone of our nation, should remain strong, positive and hopeful for the future.

Sahaj Preet
B.A. III

Student Life

Student life is a unique and transformative journey filled with learning, growth, and memorable experience. It blends academic challenge with personal development, teaching valuable lessons in time management, independence, and perseverance. Beyond the classroom, it offers opportunities to build lifelong friendship, pursue hobbies, and discover passions. It's also a time to dream big, embrace challenges, and lay the foundation for a bright future.

Ritu
B.A. III

Women's Empowerment

"You educate a man, you educate a man,

You educate a woman, you educate a generation."

Women's empowerment can be defined to promoting women's sense of self-worth, their ability to determine their own choices, and their right to influence social change for themselves and others.

It is closely aligned with female empowerment - a fundamental human right that's also key to achieving a more peaceful, prosperous world.

In Western Countries, female empowerment is often associated with specific phases of the women's right movement in history. This movement tends to be split into three waves, the first-Beginning in the 19th and early 20th century where suffrage was a key feature. The second wave of the 1960s included the sexual revolution and the role of women in society.

Third wave, feminism, is often seen as beginning in the 1990s But despite a great deal of progress, women and girls continue to face discrimination and violence in every part of the world.

"A Woman with a voice is, by definition, a strong Woman.

Alisha
M.A. Ist

Tree

Do not cut me,
cried the tree,
Because I give you,
rain free.

In my cool shade
you rest,
eat my fruits
that are the best.

Take in my fresh smell,
Let me live
my life well.

Riya
B.A. III

Nature

Nature is mighty,
Nature is strong,
Nature is beauty,
Nature is moody,
Nature is smart,
Nature is blue,
Nature is green,
Nature is true,
Nature is you,
Nature is you,
Nature is me,
Nature will forever be free

Sania
B.A. III

Our Motherland

The land of diversity,
Where people live in harmony,
Different cultures and customs,
And different castes and religions,
Our history today tells us all
About great leaders and freedom fighter's sacrifice
Who all were protected.
Because they protested
The Himalayas have worn a crown,
Giving birth to some of the greatest rivers.
As well as countless towns.
The atmosphere here is filled with serenity,
creating a nature that is very pretty!

Ekta
B.A. III

Respect For The Teacher

A good education can
Change anyone.
A good teacher can
Change every thing...
You are not just
A Teacher to me.
You are also
an inspiration,
Lucky to have you
as a guide....
'Teachers are the best',
‘'Teachers should be respected..

Shivani
B.A. Ist

Don't Give Up

Don't give up and don't Give in
it's all in the Lord's hands
No matter what you are facing
He is the one Who can.
In any situation
his grace can turn it around
so you can be victorious
as his love does abound.
The beginning and the end he knows
and all that's in between
so but your total trust in him
to him it's all foreseen.
He knows about your struggles
he knows about your pain
Your hardships and your sorrows
And he will help you to reign.
So Don't Give up and don't Give in
Don't quit before it's time
God's Grace will give you power
to make it to the finish line
in his way and time.

Kashish
B.A. III

Education System : Learning Vs Marks

The modern education system often prioritizes marks over meaningful learning Students are trained to memorize information rather than understand concepts. As a result, high scores are achieved, but real knowledge remains limited. This marks-oriented approach creates a narrow definition of success. Intelligence is judged by numbers on a report card rather than by creativity, critical thinking, or problem-solving ability. Students begin to study not out of curiosity, but out of fear-fear of failure, comparison, & expectations. This approach creates a system where success is measured by numbers rather than intellectual growth. Students focus on examinations instead of curiosity, and learning becomes a burden rather than a process of discovery. A shift is needed-from rote learning to critical thinking. from marks to mastery. Education should not just prepare students to pass exams; it should prepare them to face real-life challenges with understanding and confidence. A significant shift is required in this approach. The focus should move from rote learning to conceptual understanding, from competition to curiosity, and from marks to mastery. True education should not just prepare students to pass exams, but to think, analyze, and contribute meaningfully to society.

Aparna Devi
M.A. III

Online Learning Vs Offline Learning

Behind the screen, the lessons flow,
At our own pace, we learn and grow,
Yet silent rooms and muted calls,
Can never match real classroom walls.

The chalk, the board, the rising hand,
Create a bond we understand,
A simple nod, a knowing smile,
Can make each effort feel worthwhile.

Blend both the worlds, don't stand apart,
Let tech assist, but lead with heart,
For knowledge thrives where balance stays,
Not lost in trends, but guided ways.

Shivani
B.A. I

College Life Vs Reality

A canvas bright with dreams untold,
Where freedom shines in shades of gold,
We step inside with hopes so high,
Beneath a vast, uncharted sky.

Yet soon the glitter starts to fade,
Through sleepless nights and plans delayed,
Deadlines knock, and pressure rise,
Truth reveals its sharp disguise.

Between the laughs and silent fears,
We shape our strength through passing year,
For college is not what it seems-
It builds us more than just our dreams.

Muskan
B.A. III

Impact of AI on Students' Future

A mind once driven to explore,
Now finds quick answers at its door,
With codes and cues, the machine replies,
Faster than thought, precise and wise.
It shapes our work, it guides our way,
Transforms the night to working day,
Yet in its ease, a risk we find-
A fading spark of the human mind.
So let it aid, but not define,
The thoughts that make your vision shine,
For tools may lead, but you must see-
The thinker you are meant to be.

Arpita
B.A. I

Success : Hard Work Vs Work

Success is often associated with hard work, but effort alone is not always enough Without direction and strategy, hard work can become inefficient. This is where smart work plays a crucial role. Smart work involves planning, prioritizing, and using resources effectively. In today's fast-paced world, individuals who combine hard work with smart strategies tend to achieve better results. They understand the importance of time management, adaptability, and continuous learning, Instead of repeating the same efforts, they analyze what works and improve their approach. It helps achieve better results in less time without unnecessary effort. However relying only on shortcuts without dedication can also lead to failure. True success lies in the balance between hard work and smart work. When effort is combined with strategy, it leads to consistent growth and meaningful achievement. Therefore, true success lies in maintaining a balance between the two. When hard work is guided by smart thinking, it leads to sustainable growth and meaningful achievement.

Rupakshi
M.A. III

HAWAN CEREMONY

ORIENTATION PROGRAMME

INDEPENDENCE DAY CELEBRATION

REPUBLIC DAY CELEBRATION

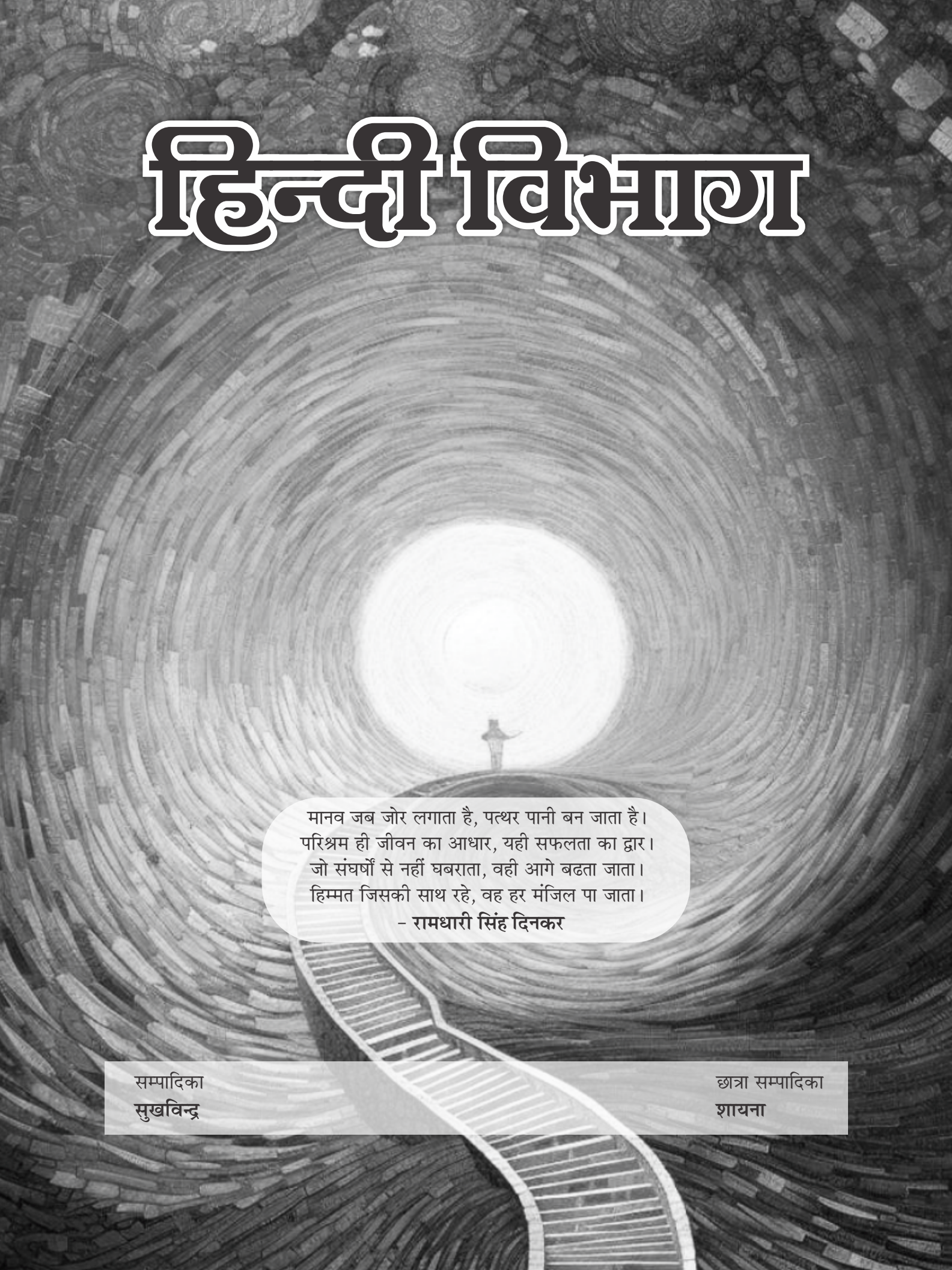

हिन्दी विभाग

मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है।
परिश्रम ही जीवन का आधार, यही सफलता का द्वार।
जो संघर्षों से नहीं घबराता, वही आगे बढता जाता।
हिम्मत जिसकी साथ रहे, वह हर मंजिल पा जाता।
– रामधारी सिंह दिनकर

सम्पादिका
सुखविन्द्र

छात्रा सम्पादिका
शायना

अनुक्रमणिका

क्र. स.	लेख	लेखिका	पृष्ठ स.
1.	सम्पादकीय	सुखविन्द्र	3
2.	संकल्प	शालू	4
3.	सच्ची दोस्ती	खुशबू खातून	4
4.	इतिहास : अतीत का दर्पण, वर्तमान की चेतना और भविष्य....	डॉ॰ मंजू बाला	5
5.	जिंदगी का संघर्ष	तमन्ना	6
6.	जन-जन की भाषा हिंदी	मलकीत	6
7.	जीवन से लगाव	एकता	7
8.	वो बचपन...	निशा	7
9.	मेहनत का फल	अंचल	8
10.	ये शिक्षक कहलाते है	तन्नु	8
11.	स्वास्थ्य जीवन शैली का महत्त्व	कशिश टाया	9
12.	माँ-बाप	अनु	9
13.	विश्वास करो कर्म में	अभिलेषा	10
14.	बलात्कार	नेहा	10
15.	जीवन का लक्ष्य	सीना	11
16.	जन-जन की आत्मा की भाषा	पायल	11
17.	समय का महत्त्व	शिवानी	12
18.	लड़कियाँ	महक	12
19.	मेहनती किसान	वर्षा	13
20.	माँ	प्रिया	13
21.	उड़ान	मलकीत	14
22.	सपनों में रख आस्था	शायना	14
23.	हिन्दी की शादी	रोक्शी मेहला	15
24.	मैं हैरान हूँ	शायना	15
25.	युद्ध और शांति	कोमल	16
26.	आंतकवाद	तनु	16
27.	मोबाइल की लत	लविना	17
28.	सपनों की उड़ान	जानशी	17
29.	जुनून..... उड़ान हौसलों की	सलोनी	17
30.	शिक्षा और संस्कार	अनामिका	18
31.	बुजुर्गो का सम्मान	सेजल	18
32.	भागदौड़ भरी जिंदगी	शीतल	19
33.	बदलता मौसम	आँचल	19
34.	काला टीका	पुनम रानी	20
35.	गाँव और शहर की कहानी	नेहा	20
36.	मेकअप	प्राची	21
37.	ए-आई का असर	आँचल	21
38.	सोशल मीडिया का जादू	कशिश	22
39.	जीवन का सफर	पायल	22
40.	संघर्ष से सफलता तक	शालू	23
41.	मैं आज की नारी हूँ	मनीषा	23
42.	गैस की किल्लत	आँचल	24
43.	महंगाई	रीना	24
44.	फैशन का दौर	काजल	25
45.	माँ	मुस्कान	25
46.	अन्तिम कोशिश	शायना	26
47.	बेटी	संजना	26
48.	जीवन की राह	कशिश	27
49.	उम्मीद की किरण	कोमल शर्मा	27
50.	दोस्ती	शायना	28
51.	गुरू शिष्य की कहानी	आँचल	28

सम्पादकीय

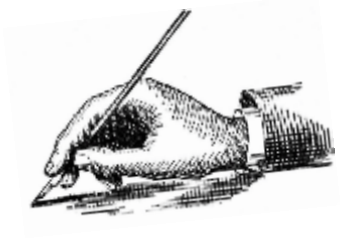

हम एक ऐसी सभ्यता की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ हमारी उंगलियाँ स्क्रीन पर तो बहुत तेजी से चलती हैं, लेकिन किसी का हाथ थामने में हिचकिचाती हैं। आधुनिकता की इस चकाचौंध में हमने बहुत कुछ पाया है- रफ़्तार, सुविधा और तकनीक। लेकिन इस दौड़ में हमने अपनी सबसे कीमती विरासत को पीछे छोड़ दिया है और वह है 'संवेदना'। आज हमारे पास दुनिया भर की सूचनाएँ हैं, पर पास बैठे व्यक्ति के मन की चुप्पी को पढ़ने का समय नहीं हैं। हम 'कनेक्टेड' तो बहुत हैं, पर 'जुड़े'हुए बिल्कुल नहीं। संवेदनाओं का यह अकाल इस सदी का सबसे बड़ा संकट है, जिस पर चर्चा तो कम होती है, लेकिन जिसका प्रभाव हमारे भविष्य को बंजर बना रहा है।

संवेदना वह खुशबू है जो मनुष्य को मिट्टी से जोड़े रखती है। जब हम किसी दूसरे के दुख को देखकर अपनी आँखों में नमी महसूस करते हैं तो वह नमी ही हमें इंसान बनाए रखने की अंतिम गवाही होती है। साहित्य का मूल आधार भी यही है। एक लेखक या कवि जब कुछ रचता है तो वह वास्तव में अपनी संवेदनाओं का विस्तार कर रहा होता है ताकि वह समाज के उन कोनों तक पहुँच सके जहाँ रोशनी नहीं पहुँचती। आज के दौर में हमने 'सहानुभूति' का स्थान 'प्रतिक्रिया' को दे दिया है। संवेदना का अर्थ है-दूसरे के भीतर खुद को महसूस करना। यदि हम किसी के दर्द को केवल एक स्क्रीन के माध्यम से देख रहे हैं और हमारे दिल की धड़कन सामान्य बनी हुई है तो हमें ठहरकर सोचने की जरूरत है कि हम मशीन बनने की कितने करीब पहुँच चुके हैं। तकनीक ने दूरियों को मिटाया जरूर है, लेकिन उसने दिलों के बीच एक अदृश्य दीवार भी खड़ी कर दी है। संवेदनाओं के लुप्त होने का एक बड़ा कारण हमारा अत्यधिक आत्मकेंद्रित होना भी है। हम अपनी ही छोटी सी दुनिया की सफलताओं और विफलताओं में इतने मग्न हैं कि हमें बाहर की दुनिया की लय सुनाई ही नहीं देती। प्रकृति के साथ हमारा जुड़ाव लगभग टूट चुका है।

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य भी केवल सूचनाओं का संग्रह करना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर की संवेदना को जगाए रखना है। यदि एक डिग्री प्राप्त युवा समाज के प्रति संवेदनशील नहीं है तो वह शिक्षा अधूरी हैं। हमें ऐसी पीढ़ी की आवश्यकता है जो न केवल तकनीक में माहिर हो, बल्कि जिसमें करुणा, दया और प्रेम का संचार भी हो। अत:हमें सचेत होना होगा। इससे पहले कि हमारी संवेदनाएँ पूरी तरह विलुप्त हो जाएं और हम केवल मांस-मज्जा के चलते-फिरते रोबोट बन जाएं, हमें ठहरकर अपनी जड़ों की ओर मुड़ना होगा। मनुष्य होना एक सौभाग्य है, लेकिन 'मनुष्यता' बचाए रखना एक निरंतर साधना है।

सुखविन्द्र
हिन्दी विभाग

संकल्प

दृढ है संकल्प तो विकल्प नहीं ढूंढ़ना,
निश्चय जब कर लिया संकल्प नहीं तोड़ना,

खुद पर विश्वास और मन में उमंग हो,
कौशल के साथ अगर साहस का संग हो,
तो किसी भी काम को अधर में नहीं छोड़ना,
निश्चय जब कर लिया संकल्प नही छोड़ना।

रात्रि एक दिन सुबह के साथ आएगी,
अंधकार चीरकर प्रकाश साथ लाएगी,
ठान लिया एक बार मुँह नहीं तू मोड़ना,
निश्चय जब कर लिया संकल्प नही .....तोड़ना।

विचार को विचार कर,
दृष्ट को दुलार कर,
एक बार थामकर हाथ नहीं छोड़ना,
निश्चय जब कर लिया संकल्प नही.....तोड़ना।

शालू
बी.ए. प्रथम वर्ष

सच्ची दोस्ती

दोस्ती कोई सौदा नहीं
ये दिल से दिल का रिश्ता हैं
जो सुख-दुख में साथ निभाए
वही सच्चा मित्र होता हैं।.... !

मुस्कान बाँटे आँसू पोंछे
हर राह में साथ चलें
अँधेरों में दीपक बनकर
जीवन को उजाला दें।.... !

दूरी चाहें कितनी हो जांए
दिलों का फासला न घटें
दोस्ती का ये प्यारा बंधन
हर मुश्किल में साथ रहें।.... !

दोस्ती वो दीपक हैं
जो अँधेरों में चमकता हैं
थकान भरे सफर में भी
मन को हँसाकर बहलाता हैं।.... !

खुशबू खातून
बी.ए. प्रथम वर्ष

इतिहास : अतीत का दर्पण, वर्तमान की चेतना और भविष्य का मार्गदर्शन

इतिहास मानव सभ्यता की सामूहिक स्मृति हैं। यह केवल घटनाओं, तिथियों और शासकों का क्रमबद्ध विवरण नहीं है, बल्कि मानव समाज के बौद्धिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास की गहन व्याख्या करता है। इतिहास हमें यह समझने में सहायता करता है कि मानव ने किन परिस्थितियों में किस प्रकार के निर्णय लिए, उनके क्या परिणाम हुए और उनसे हमें क्या सीख लेनी चाहिए।

इतिहास का अध्ययन हमें अतीत और वर्तमान के बीच एक सेतु प्रदान करता है। किसी भी समाज की वर्तमान स्थिति उसके अतीत के अनुभवों का परिणाम होती है। जब हम प्राचीन सभ्यताओं जैसे सिंधु घाटी, मिश्र, मेसापोटामिया या चीन का अध्ययन करते हैं तो हमें मानव द्वारा किए गए वैज्ञानिक, प्रशासनिक और सांस्कृतिक प्रयोगों की जानकारी मिलती है। इसी प्रकार भारत के वैदिक काल, मौर्य और गुप्त काल, मध्यकालीन सामाजिक-धार्मिक आंदोलनों तथा औपनिवेशिक काल के संघर्षो का अध्ययन हमें यह सिखाता है कि परिवर्तन निरंतर प्रक्रिया है।

भारत का इतिहास विशेष रूप से प्रेरणादायक हैं क्योंकि यहाँ विविध भाषाएँ, धर्म जातियाँ और संस्कृतियाँ एक साथ विकसित हुई हैं। बौद्ध और जैन दर्शन की अहिंसा, भक्ति और सूफी आंदोलनों की समन्वयवादी चेतना तथा स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान विकसित राष्ट्रीय एकता की भावना आज भी हमारे सामाजिक जीवन के लिए मार्गदर्शन है। इतिहास हमें यह भी सीखाता है कि जब समाज में असमानता, अन्याय और दमन बढ़ता है तो परिवर्तन की चेतना स्वभाविक रूप से जन्म लेती है।

आधुनिक युग में, जब तकनीकी विकास अत्यंत तीव्र है और सूचनाएँ क्षणभर में उपलब्ध हो जाती है, इतिहास की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। इतिहास हमें तथ्यों की जाँच, स्त्रोतो के विश्लेषण और आलोचनात्मक सोच की क्षमता प्रदान करता है। हमें किसी भी सूचना को बिना समझे स्वीकार करने के बजाय प्रश्न करने और तर्कसंगत निष्कर्ष निकालने की प्रेरणा देता है।

कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए इतिहास केवल परीक्षा का विषय नहीं है, बल्कि यह उन्हे जिम्मेदार नागरिक बनने में सहायता करता है। इतिहास का विद्यार्थी लोकतंत्र, संविधान, सामाजिक न्याय और मानवधिकारों के महत्व को बेहतर ढंग से समझ पाता है। इतिहास हमें सहिष्णुता, संवाद और शांति के मूल्यों से जोड़ता है जो आज के वैश्विक परिदृश्य में अत्यंत आवश्यक हैं।

एक इतिहास प्राध्यापक के रूप में मेरा दृढ़ विश्वास है कि यदि युवा पीढ़ी इतिहास को केवल याद करने का विषय न मानकर उसे समझने और आत्मसात करने का माध्यम बनाए तो समाज अधिक जागरूक, संवेदनशील और प्रगतिशील बन सकता है। इतिहास हमें यह बोध कराता है कि भविष्य का निर्माण अतीत की गलतियों से सीख लेकर ही किया जा सकता है।

अंततः, इतिहास मानव अनुभवों का ऐसा कोष है, जो हमें न केवल यह बताता है कि हम कहाँ से आए है, बल्कि यह भी दिखाता है कि हमें किस दिशा में जाना चाहिए। यह इतिहास का वास्तविक महत्व और उद्देश्य है।

डॉ॰ मंजू बाला
सहायक प्रोफेसर इतिहास

जिंदगी का संघर्ष

वो आकाश क्या जिसमें तारे ना हो,
वो सागर क्या जिसमें गहराई ना हो,
वो पथ क्या जो पथरीले ना हो,
वो जीवन क्या जिसमें संघर्ष ना हो।

वो सूर्य क्या जिसमें तपन ना हो,
वो चांद क्या जिसमें शीतलता ना हो,
वो बरसात क्या जिसमें बिजली ना हो,
वो जीवन क्या जिसमें प्रकाश ना हो।

वो बाग क्या जिसमें हरियाली ना हो,
वो डाली क्या जिसमें कांटे ना हो,
वो तथ्य क्या जिसमें तर्क ना हो,
वो वस्तु क्या जो संभव ना हो।

वो कहानी क्या जिसका अंत ना हो,
वो पतंग क्या जो आजाद ना हो,
वो कर्म क्या जिसमें लग्न ना हो,
वो जन्म क्या जिसका कोई लक्ष्य ना हो।

तमन्ना
बी.ए. तृतीय वर्ष

जन-जन की भाषा हिंदी

1. हिंदी है भारत की पहचान,
संस्कृति का है इसमें मान।
जन-जन की प्यारी ये बोली
दिल की धड़कन जैसी डोली।
2. 14 सितंबर का दिन है खास,
हिंदी देती हमें विश्वास।
मिल-जुलकर जब बोलें हिंदी
सजती है जीवन की बिंदी।
3. सरल, मधुर और सजीव है,
हर शब्द इसका अतीव है।
भावो को यह पास लाती,
दूरी को भी दूर भगाती।
4. आओ मिलकर कसम ये खाएँ,
हिंदी का मान सदा बढ़ाएँ।
जन-जन की भाषा हिंदी रहे,
जिंदगी में इसकी ज्योति बहे।

मलकीत
बी.ए. द्वितीय वर्ष

जीवन से लगाव

एक व्यक्ति भीख माँगकर अपना गुजारा करता था। उसका वृद्ध शरीर इतना जर्जर हो चुका था कि उसकी एक-एक हड्डी गिनी जा सकती थी। उसकी आँखों की ज्योति लगभग जा चुकी थी और शरीर में कुष्ठ रोग हो गया था। एक युवक रोज उस भिखारी को देखता, उसे देखकर युवक मे मन में घृणा और दया के भाव एक साथ उमड़ते थे। वह सोचता इसके जीने का क्या फायदा? जीवन से इसे इतना लगाव क्यों हैं? ईश्वर इसे मुक्ति क्यों नही दे देते? एक दिन जब उससे नही रहा गया, तो वह भिखारी के पास जाकर बोला, बाबा तुम्हारी इतनी बुरी हालत है, फिर भी तुम जीना चाहते हो और भीख माँगते हो। तुम ईश्वर से यह प्रार्थना क्यों नहीं करते कि वह तुम्हे इस नरकीय जीवन से मुक्त कर दे। इस पर भिखारी कुछ देर तक मौन रहा फिर बोला, बेटा जो तुम कह रहे हो वही बात मेरे मन में भी उठती हैं! मैं ईश्वर से बार-बार यही प्रार्थना करता हूँ। पर वह मेरी सुनता ही नहीं। शायद वह चाहता हैं कि मैं इसी धरती पर बना रहूँ ताकि दुनिया वाले मुझे देखे और समझे कि एक दिन मैं उन्ही की तरह था। लेकिन कभी वह दिन भी आ सकता है जब किसी कारणवश वे भी मेरी ही तरह हो जाए। इसलिए किसी को भी अपने ऊपर किसी भी तरह का अभिमान नही करना चाहिए। इंसान की जिंदगी में सब दिन हमेशा एक से नहीं रहते। युवक भिखारी के शब्दों में छिपी बातो का मर्म समझ गया। उसे लगा कि भिखारी ने उसकी आँखे खोल दी हैं। इसके बाद जीवन भर उसने फिर किसी के जीवन को हेय समझने की गलती नहीं की।

एकता
बी.ए. प्रथम वर्ष

वो बचपन...

एक बचपन का जमाना था,
जिसमें खुशियों का खजाना था...
चाहत चाँद को पाने की थी,
पर दिल तितली सा दिवाना था...
खबर ना थी कुछ सुबह की,
ना शाम का ठिकाना था...
थक कर आना स्कूल से,
पर खेलने का जमाना था...
बारिश में कागज की नाव थी,
हर मौसम सुहाना था...
हर खेल में साथी थे,
हर रिश्ता निभाना था...
क्यो हा गए हम इतने बड़े
इससे अच्छा तो बचपन का जमाना था।

निशा
बी.ए. तृतीय वर्ष

मेहनत का फल

एक समय की बात है, एक गाँव में एक गरीब किसान रहता था। उसके पास बहुत कम जमीन थी और वह बहुत मेहनत करता था। लेकिन उसकी मेहनत के बावजूद उसके पास कभी भी ज्यादा पैसे नहीं होते थे। एक दिन किसान अपने खेत में काम कर रहा था जब उसे एक छोटा सा बीज दिखाई दिया। उसने बीज को उठाया और उसे अपने घर ले गया। उसने बीज को एक बर्तन में पानी में डाल दिया। कुछ दिनों के बाद बीज अंकुरित हो गया। किसान ने बीज को एक गमले में लगाया और वह रोजाना उसे पानी देता था। बीज दिन-प्रतिदिन बड़ा होता गया और उसमें एक सुंदर पौधा उग आया। पौधा बड़ा होकर एक पेड़ बन गया। पेड़ पर बहुत सारे फल लगे। किसान ने फल तोड़े और उन्हें बाजार में बेच दिया। उसने फल बेचकर बहुत पैसे कमाए। किसान बहुत खुश था। उसने सोचा कि यह सब धैर्य के कारण ही हुआ है। उसने हमेशा धैर्य से मेहनत की और अंत में उसे सफलता मिली।

अंचल
बी.ए. प्रथम वर्ष

ये शिक्षक कहलाते है

रोज सुबह मिलते है इनसे,
क्या हमको करना है ये बतलाते है।
ले के तस्वीरें इन्सानों की,
सही गलत का भेद हमें ये बतलाते है।
कभी डांट तो कभी प्यार से,
कितना कुछ हमको ये समझाते है।
है भविष्य देश का जिनमें,
उनका सबका भविष्य ये बनाते है।
है रंग कई इस जीवन में,
रंगों की दुनिया से पहचान ये करवाते है।
खो ना जाए भीड़ में कही हम,
हम को हम से ही ये मिलवाते है।
हार-हार के फिर लड़ना ही जीत है सच्ची,
ऐसा एहसास ये हमको करवाते है।
कोशिश करते रहना हर पल,
जीवन का अर्थ हमें ये बतलाते है।
देते है नेक मंज़िल भी हमें,
राह भी बेहतर हमें ये दिखाते है।
देते है ज्ञान जीवन का,
काम यही सब है इनका,
ये शिक्षक कहलाते है, ये शिक्षक कहलाते है।

तन्नु
बी.ए. द्वितीय वर्ष

स्वस्थ जीवन शैली का महत्त्व

स्वस्थ जीवन शैली व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में लोग अपने स्वास्थ्य को नजर अंदाज कर देते है, जिसका परिणाम विभिन्न बीमारियों के रूप में सामने आता है। स्वस्थ जीवन जीने के लिए नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और सकारात्मक सोच अत्यंत जरूरी है।

वर्तमान समय में जंक फूड, तनाव और बैठकर काम करने की आदतें लोगों को बीमार बना रही है। इसके विपरीत, यदि व्यक्ति सुबह जल्दी उठे, योग और ध्यान करे, पौष्टिक भोजन ले और समय पर सोए तो उसका शारीर और मन दोनों स्वस्थ रह सकते है। एक स्वस्थ व्यक्ति न केवल अपने लिए बल्कि समाज के लिए भी उपयोगी सिद्ध होता है।

स्वस्थ जीवन शैली न अपनाने से मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही है। इसलिए हमें बचपन से ही अच्छे स्वास्थ्य की आदतें डालनी चाहिए।

अत : यह आवश्यक हे कि हम अपने दैनिक जीवन में स्वास्थ को प्राथमिकता दें, ताकि हम एक खुशहाल, सक्रिय और लंबा जीवन जी सकें।

कशिश टाया
बी.ए. तृतीय वर्ष

माँ-बाप

माँ घर का गौरव तो पिता घर का अस्तित्व होते हैं।
माँ के पास अश्रुधारा तो पिता के पास संयम होता हैं।

दोनों समय का भोजन माँ बनाती है तो जीवन भर भोजन की व्यवस्था करने वाले पिता को हम सहज ही भूल जाते है।

कभी लगी जो ठोकर या चोट तो ''ओ माँ'' ही मुहँ से निकलता है। लेकिन रास्ता पार करते कोई ट्रक पास आकर ब्रेक लगाये तो ''बाप रे'' यही मुहँ से निकलता है।

क्योंकि छोटे-छोटे संकटो के लिए माँ है पर बड़े संकटो में पिता ही याद आते है।

पिता एक वट वृक्ष है जिसकी शीतल छाँव में सम्पूर्ण परिवार सुख में रहता है।

अनु
बी.ए. प्रथम वर्ष

विश्वास करो कर्म में

मैं निर्धनता हूँ।
तुम मुझे मिटाना चाहते हों,
या कुछ करके दिखाना चाहते हो।
पर मुझे प्रिय हो,
मैं तुम्हें प्रेम करता हूँ।
इसलिए फटे-पुराने कपड़े पहनता हूँ,
मैं तुम्हारा नसीब हूँ।
इसीलिए तुम्हारे करीब हूँ,
लेकिन तुम चाहो तो कीचड़ में कमल खिला सकते हो।
धरती आकाश मिला सकते हो,
मुझको समझो, श्रम को अपनाओ।
मैं तुम्हारी पाठशाला हूँ,
पढ़कर विश्वास करो कर्म में।
जागो उठो, जमाने को हिला दो,
इस दुनिया से अज्ञान के साथ मुझे भी मिटा दो।
देखो विश्वास तुम्हें राह दिखा रहा है।

अभिलेषा
बी.ए. प्रथम वर्ष

बलात्कार

माँ ने कहा,
रात को घर से
बाहर नहीं जाना।
कभी खिलखिला कर
मत हँसना।
किसी लड़के से
बात मत करना।
परंतु जब बलात्कार हुआ
न तो वह खिलखिला कर
हँस रही थी,
न वह घर के बाहर थी
और समय भी दोपहर का था।

नेहा
बी.ए. प्रथम वर्ष

जीवन का लक्ष्य

वह जीवन भी क्या जीवन है,
जिसमें आशा का नीर नही।
पथ पर आगे बढ़ना ही क्या,
जब लक्ष्य के लिए अधीर नही।

जीवन की कठिन परीक्षा में,
आशा ही एक सफलता है।
जीवन पथ पर आगे बढना,
वही तो जीवन की सुंदरता है।

स्वंय के लिए तो क्या जिए,
कभी औरो के लिए जीना सीखो।
पथिक के पथ प्रदर्शक बनकर,
सबको राह दिखाना सीखो।

द्वेष, दम्भ और प्रसन्नता,
मन से दूर भगाओ तुम।
हृदय की प्रसन्नता ही जीवन है,
इसका सार बनाओ तुम।

सीना
बी.ए. तृतीय वर्ष

जन-जन की आत्मा की भाषा

जन-जन की आत्मा की भाषा,
यही तो है राष्ट्र की अभिलाषा।

भिन्न-भिन्न है रूप और रंग,
फिर भी सब एक साथ,
चलते है एक संग।

कोई हिंदू, कोई मुसलमान,
पर हम सबका एक ही है अरमान।

एक ही बगिया के प्यारे फूल,
मिट्टी अपनी, न भूलें कोई मूल।

अलग-अलग बोलियाँ, अनेक त्यौहार,
पर एक ही है हमारा वतन, यही हमारा प्यार।

एकता की यह डोर न टूटे कभी,
हर दिल में जागे प्यार और रोशनी तभी।

मिलजुल कर सब आगे बढेंगे,
एकजुट होकर, हम देश को सशक्त करेंगे।

हमारी संस्कृति हमारा अभिमान,
एकता ही है भारत की शान।

पायल
बी.ए. प्रथम वर्ष

समय का महत्त्व

समय अमूल्य है। समय का कोई आरम्भ और अंत नहीं है। समय हमेशा आगे की ओर बढ़ता रहता है, वह कभी पीछे मुड़कर नहीं देखता। समय सभी के लिए नि: शुल्क होता है, लेकिन कोई भी इसे कभी भी न तो बेच सकता है, न ही खरीद सकता है। जब समय बीत जाता है तब हमें समय के महत्व का एहसास होता है। समय के दुरूपयोग से दु:ख और दरिद्रता के अलावा कुछ प्राप्त नहीं होता है। मानव जीवन में समय का बहुत महत्व होता है। जो व्यक्ति समय के महत्व को नहीं समझ पाता है, वह कभी भी अपने जीवन को सफल नहीं बना सकता।

वक्त से लड़कर जो अपना नसीब बदल दे,
इंसान वहीं है जो अपनी तकदीर बदल दे।
कल क्या होगा, कभी ना सोचो,
क्या पता कल वक्त खुद अपनी तस्वीर बदल दे.....

शिवानी
बी.ए. प्रथम वर्ष

लड़कियाँ

लड़को से समझदार होती है लड़कियाँ,
माँ- बाप के सुख-दुख में हँसती-रोती है लड़कियाँ।
आएँ कितनी भी मुश्किलें साहस न खोती है लड़कियाँ,
माँ-बाप के बुढ़ापे की लाठी है यदि लड़के,
तो उनकी आंखो की ज्योति है लड़कियाँ।
लड़के तो बिखेरते है, बिखरों को पिरोती है लड़कियाँ।
लड़को की तरह कामयाबी के सपने संजोती है,
फिर क्यो परंपराओ की बेड़ियों से बँधी होती है लड़कियाँ।
लड़के केवल एक, मगर दो घर चलाती है लड़कियाँ।
क्यो फिर भी लड़को के बराबर नहीं, समझी जाती है लड़की।
आखिर क्यो गर्भ में ही मार दी जाती है लड़कियाँ।
उन्हें भी दर्द होता है, वे भी रोती है।
लड़को की तरह, वे भी तो इंसान होती हैं।
लड़का-लड़की एक समान, पूरी शिक्षा-पूरा ज्ञान।

महक
बी.ए. प्रथम वर्ष

मेहनती किसान

एक बार बादलों की हड़ताल हो गई। बादलों ने कहा कि वे इस साल पानी नहीं बरसायेंगें। ये बात जब किसानों ने सुनी तो उन्होंने अपने हल वगैरह बाँध कर रख दिए। लेकिन एक किसान अपने नियमानुसार हल चला रहा था। कुछ बादल थोड़ा नीचे से गुजरे और किसान से बोले, ''क्यों भाई, पानी तो हम बरसाएँगे नहीं, फिर क्यों हल चला रहे हो?'' किसान बोला, ''कोई बात नहीं। जब बरसेगा, तब बरसेगा। लेकिन मैं हल इसलिए चला रहा हूँ कि इस साल मैं कहीं हल चलाना न भूल जाऊँ।'' अब बादल भी घबरा गए कि कहीं हम भी बरसना न भूल जाएँ, तो वे तुरंत बरसने लगे और उस किसान की मेहनत जीत गई। जिन्होंने सब सामान बाँधकर रख दिया था वे हाथ मलते ही रह गए। इसीलिए लगे रहो। भले ही परिस्थितियाँ अभी हमारे विपरीत हो, लेकिन आने वाला समय नि:संदेह हमारे लिए अच्छा होगा।

इससे हमे शिक्षा मिलती है कि कामयाबी उन्हीं को मिलती है जो विपरीत परिस्थितियों में भी मेहनत करना नहीं छोड़ते है।

वर्षा
बी.ए. द्वितीय वर्ष

माँ

माँ तेरी ममता अमृत-सी धारा,
तेरे बिना जीवन सूना और बंजर सारा।

तेरी लोरी में संगीत समाया,
तेरे बिना हर दिल रोया, घबराया।
माँ तू सूरज, माँ तू चाँदनी,
तेरे बिना जग में खुशियाँ अधूरी।

तेरी दुआ से हर राह सँवरती,
तेरी मुस्कान से दुनिया निखरती।
माँ तू उपवन की मधुर सुगंध,
तेरे चरणों में मिलता आनंद।
तेरी ममता से ही जीवन खिलता,
माँ तुझ में ही ईश्वर का रूप दिखता।

प्रिया
बी.ए. तृतीय वर्ष

उड़ान

1. सपनो की डोरी थामे जब इंसान चलता है,
   हर मुश्किल से लड़कर आगे बढ़ता है।
   हौंसलो के पंख उसे ऊँचा उड़ाते है,
   विश्वास की रोशनी रास्ते दिखाती है।
2. अँधेरों की चादर चाहे कितनी गहरी हो,
   सूरज की किरण हर ओर फैली हो।
   जो हिम्मत न हारे, वही जीत पाता है,
   जो ठोकर खाकर उठे, वही मुकाम बनाता है।
3. जीवन की राहें फूलो-सी आसान नहीं होती है,
   काँटो की चुभन भी सफर में शामिल होती है।
   पर मेहनत का फल सदा मीठा होता है,
   हर संघर्ष के बाद सवेरा होता है।
4. रिश्तो की डोर हमें बाँधे रखती है,
   ममता, स्नेह, प्रेम ही ताकत देती है।
   जो साथ निभाए, वही अपना कहलाता है,
   सच्चा रिश्ता हर दिल को भाता है।
5. तो आओ मिलकर नई उड़ान भरें,
   सपनो को साकार करने का प्रण करे।
   हिम्मत और मेहनत से रोशन करें जहाँ,
   नई पीढ़ी को दें उम्मीदो का आसमाँ।

मलकीत
बी.ए. द्वितीय वर्ष

सपनों में रख आस्था

सपनों में रख आस्था, कर्म तू किए जा,
त्याग से ना डर, आलस का परित्याग किए जा।

गलती कर, ना घबरा,
गिरकर फिर हो जा खड़ा।

समस्याओं को रास्तों से निकाल दे,
चट्टान भी हो तो ठोकर से उछाल दे।

रख हिम्मत तूफानों से टकराने की,
जरूरत नहीं है किसी मुसीबत से घबराने की।

जो पाना है, बस उसकी एक पागल की तरह चाहत कर,
करता रह कर्म, मगर साथ में खुदा की इबाबत भी कर।

फिर देख किस्मत क्या-क्या रंग दिखलाएगी,
तुमको तेरी मंजिल मिल जाएगी, मंजिल मिल जाएगी।

शायना
बी.ए. तृतीय वर्ष

हिन्दी की शादी

'Hindi' की शादी हुई.....

'बड़ी मात्रा' में लोग आए.....

पर खाना 'छोटी मात्रा' में था.....

रिश्तेदारों की तरह Grammer कभी समझ में नहीं आई.....

Math वालों ने p- p जोड़कर शगुन दिया.....

Physics वालों ने force लगाया,

Biology वालों ने प्यार समझाया.....

Economics वालों ने बजट बनाया.....

Accounts वालों ने हिसाब लगाया.....

रोक्शी मेहला
बी.ए. द्वितीय वर्ष

मैं हैरान हूँ

मैं हैरान हूँ यह सोचकर,
किसी औरत ने उंगली नहीं उठाई,
तुलसी दास पर, जिसने कहा –
''ढोल, गँवार, शूद्र, पशु, नारी,
ये सब ताड़न के अधिकारी।''

मैं हैरान हूँ
किसी औरत ने
नहीं जलाई 'मनुस्मृति'
जिसने पहनाई उन्हें
गुलामी की बेड़ियाँ।

मैं हैरान हूँ
किसी औरत ने धिक्कारा नहीं
उस 'राम' को
जिसने गर्भवती पत्नी को
परीक्षा के बाद भी
निकाल दिया घर से बाहर
धक्के मार कर।
किसी औरत ने लानत नहीं भेजी
उन सब को, जिन्होनें
'औरत को समझ कर वस्तु'
लगा दिया था दाँव पर,
होता रहा 'नपुंसक' योद्धाओं के बीच
समूची औरत जाति का चीरहरण।

मैं हैरान हूँ यह सोचकर,
किसी औरत ने किया नहीं
संयोगिता–अंबा–अंबालिका के
दिन दहाड़े अपहरण का विरोध
आज तक !

शायना
बी.ए. तृतीय वर्ष

युद्ध और शांति

धधकती धरती, जलता गगन,
क्यों फिर उठा है युद्ध का रण ?
जहाँ कभी थी हँसी की धुन,
आज वहाँ है केवल क्रंदन।

टूटे घर और बिखरे सपने,
आँखो में है दर्द अपने,
माँ की ममता रोती चुपचाप,
बच्चों के मन में डर का ताप।

सीमाओं की ये खींची रेखा,
क्यों बन जाती है मौत की लेखा ?
क्यों मानव से लड़ता,
अपनों का ही खून बहाता ?

विज्ञान, बना है वरदान कभी,
पर क्यों बने विनाश अभी ?
हथियारों की इस अंधी दौड़ में,
खो गया इंसान खुद की खोज में।

आओ मिलकर प्रतिज्ञा लें,
नफरत की दीवारें हम तोड़ें।
शांति का दीप फिर से जलाएं,
प्रेम का संदेश जग में फैलाएं।

कोमल
बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष

आंतकवाद

खामोशी में छुपा हुआ शोर है,
आतंकवाद एक गहरा घाव और है।
नजर नहीं आता, पर डराता है,
हर दिल में खौफ बसा जाता है।

न धर्म इसका, न कोई जात,
फिर भी करता मानवता पर घात।
मासूमों का खून बहाता है,
अपनों को ही रुलाता है।

बमों की आवाज में दब जाती हँसी,
खो जाती है बचपन की हर खुशी।
माँ की गोद सूनी हो जाती,
आँखे बस आँसू ही बरसाती।

पर अँधेरा चाहे कितना भी गहरा हो,
उजाले का रास्ता सुनहरा हो।
हमें मिलकर इस लड़ाई को लड़ना है,
शांति की राह को आगे बढ़ाना है।

तनु
बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष

मोबाइल की लत

हाथों में हर वक्त मोबाइल,
आखों में बस स्क्रीन का जाल।
दुनिया का रिश्ता टूट गया,
वर्चुअल बन गया हर ख्याल।
सुबह उठते ही फोन उठाते,
रात को भी साथ सुलाते हैं।
अपनों से बातें हम करते नहीं ,
ऑनलाइन दोस्त बनाते हैं।
खेलकुद सब भूल गए हम,
हँसी कहीं अब खो सी गई।

एक छोटी सी स्क्रीन के पीछे,
जिंदगी जैसे सो सी गई।
आओ अब ये ठान लें हम,
थोड़ा समय खुद को देगे।
मोबाइल से दूरी बनाकर,
अपनों के संग पल जिएंगे।

लविना
बी.ए. तृतीय वर्ष

सपनों की उड़ान

सपनों के पंख लगाकर
मन आसमान को छू जाता।
छोटी सी चाहत दिल में लेकर,
इंसान बड़ा बन जाता।
रातों की खामोशी में,
कुछ ख्वाब जगमगाते हैं
अंधेरों से लड़ने का साहस,
ये ही हमे सिखाते है।
कभी गिरकर टूट भी जाएं,
तो क्या हुआ, फिर उठना है।
सपनो की राह कठिन सही,
पर हिम्मत से ही चलना है।
हर मंजिल की शुरुआत में,
एक सपना जरूरी है।
बिना सपनों के जीवन में,
हर खुशी अधूरी है।

जानशी
बी.ए. तृतीय वर्ष

जुनून..... उड़ान हौसलों की

जब पूछा चिड़िया से कि कैसे बनाया आशियाना ?
बोली – भरनी पड़ती है उड़ान बार–बार,
और तिनका–तिनका उठाना होता है।
यूँ ही नहीं मिलती राही को मंजिल,
एक जुनून दिल में जगाना होता हैं।

सलोनी
बी.ए. प्रथम वर्ष

शिक्षा और संस्कार

डिग्रियाँ तो बहुतों के पास है,
पर आचरण से पहचान होती है।
संस्कारों की खुशबु से ही,
व्यक्ति की असली शान होती है।

शिक्षा देती है ज्ञान हमें,
संस्कार देते है सही राह।
एक के बिना दूसरा अधूरा,
दोनों से बनती जीवन की चाह।

बड़ो का आदर, छोटों से प्यार,
यही तो सच्चे संस्कार है।
शिक्षा के साथ अगर ये हो,
तो जीवन के के हर रंग साकार है।

आओ मिलकर ये ठान लें,
ज्ञान के संग संस्कार अपनाएँगे।
सिर्फ पढ़े-लिखेंगे ही नहीं,
अच्छे इंसान भी बन जाएंगे।

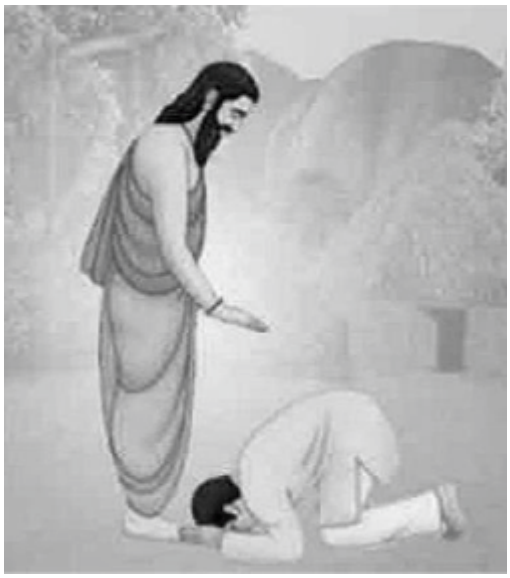

अनामिका
बी.ए. तृतीय वर्ष

बुजुर्गों का सम्मान

घर की छाया होते है बुजुर्ग,
अनुभव का भंडार होते है।
उनके आशीर्वाद के बिना,
जीवन के रंग अधूरे होते है।

चलना आज सिखाया जिन हाथों ने,
आज वही सहारा चाहते है।
जिनकी ऊँगली पकड़कर बढ़े हम,
वो अब हमारा साथ चाहते है।

उनकी बाते भले ही पुरानी हो,
पर उनमें गहरी सीख छुपी है।
जीवन के हर मोड पर उनकी,
सलाह सबसे सच्ची होती है।

ना ठुकराओं उनकी भावनाओं को,
ना उन्हें कभी अकेला छोड़ो।
प्यार व सम्मान देकर,
उनका जीवन भी अपने पन से जोड़ो।

आओ मिलकर ये ठान ले,
बुजुर्गों का मान बढ़ाएँगे,
उनके चेहरे की हर मुस्कान को,
अपना फर्ज समझकर निभाएँगे।

सेजल
बी.ए. तृतीय वर्ष

भागदौड़ भरी जिंदगी

भागदौड़ भरी इस जिन्दगी में,
हर कोई कहीं खोया है।
समय के पीछे दौड़ता इंसान,
खुद से ही अब रोया है।

सुबह से लेकर शाम तक,
बस कामों की कतार है।
सुकून के दो पल भी जैसे,
अब बन गए उधार है।

हँसी कहीं गुम सी हो गई,
चेहरे थके-थके से हैं।
भीड़ में रहते हुए भी लोग,
अंदर से कितने अकेले है।

रिश्तो की गर्माहट घटती,
बातें भी अब कम होती है।
मोबाइल की दुनिया में उलझकर,
दिल की दूरी बढ़ती है।

चलो थोड़ा ठहरें हम,
जिन्दगी को महसूस करें,
अपने और अपनों के संग,
कुछ पल सुकुन के जरूर जिएं।

शीतल
बी.ए. तृतीय वर्ष

बदलता मौसम

बदलता मौसम कुछ कहता है,
चुपके-चुपके से बहता है।
कभी धूप में तपता तन,
कभी ठंडी हवा सा रहता है।

पेड़ो की छाया कम होती,
नदियों का पानी घटता है,
इंसान अपनी गलती से,
प्रकृति का संतुलन खोता है।

कभी अचानक आँधी आए,
कभी बिना बादल बारिश हो,
मौसम का ये रूप अनोखा,
जैसे हर पल नई साजिश हो।

आओ मिलकर प्रण ये लें,
धरती को फिर से सँवारेंगे।
पेड़ लगाकर, प्रेम बढ़ाकर,
मौसम को फिर निखारेंगे।

आँचल
एम.ए. प्रथम वर्ष

काला टीका

नन्हें चेहरे पर काला टीका,
माँ का प्यार अनोखा-सा।
बुरी नजर से बचाने वाला,
एक छोटा सा धोखा - सा।

मासूम हँसी, चमकती आँखें,
सबको अपनी ओर बुलाती हैं।
नजर न लगे इस चाँद से बच्चे को,
माँ मन ही मन दुआएँ करती है।

गालों पर वो छोटा सा निशान,
प्यार की गहरी पहचान है।
परंपरा भी, विश्वास भी,
ममता का ये सम्मान है।

काला टीका सिर्फ निशानी नहीं,
दिल की सच्ची भावना है।
माँ के आशीर्वाद में छुपी,
हर बच्चे की सुरक्षा की कामना है।

पुनम रानी
एम.ए. प्रथम वर्ष

गाँव और शहर की कहानी

एक तरफ है गाँव सुहाना,
मिट्टी की खुशबू प्यारी।
खेतों में लहराती फसलें,
हरियाली है न्यारी।

सुबह-सुबह चिड़ियों की चहक,
मन को सुकून दिलाती है।
सादा जीवन, मीठी बातें,
दिल को पास बलाती है।

दूसरी ओर है शहर चमकता,
रोशनी में डूबा सारा।
ऊँची-ऊँची इमारतों में,
बसता है सपना हमारा ।

हर पल भागदौड़ यहाँ है,
समय का भी अभाव है।
सुविधाएँ तो बहुत मिलती,
पर सुकून का अभाव है।

गाँव में दिल जुड़ जाते है
रिश्ते सच्चे होते हैं,
शहर में भीड़ बहुत होती,
पर लोग अकेले होते है।

आओ समझें दोनों की कीमत,
ना किसी को कम आँके।
जहाँ दिल को शांति मिल जाए,
वही अपना घर मानें।

नेहा
बी.ए. तृतीय वर्ष

मेकअप

आईने के सामने खड़ी वो,
रंगों से खुद को सजाती है।
हर ब्रश की हल्की छुअन से,
नई पहचान बनाती है।

लिपस्टिक की हल्की मुस्कान,
आँखों में काजल की कहानी।
चेहरे पर चमकती रोशनी,
जैसे हो कोई चाँद की रानी ।

मेकअप सिर्फ रंग नहीं है,
ये आत्मविश्वास का रूप है।
अपने आप को निखारने का,
एक खूबसूरत सा स्वरूप है।

पर याद रहे इस चमक में,
असली चेहरा न छुप जाए।
सच्ची सुंदरता वही है,
जो दिल से बाहर आए।

ना ज्यादा, ना कम हो श्रृंगार,
बस संतुलन का हो विचार।
मेकअप तब ही सुंदर लगे,
जब सादगी का हो साथ अपार ।

खुद से प्यार ही सबसे बड़ा मेकअप,
यही है सबसे खास बात।
जो इसे समझ गया जीवन में,
वही है सच में खुशहाल और निहाल।

प्राची
एम.ए. प्रथम वर्ष

ए-आई का असर

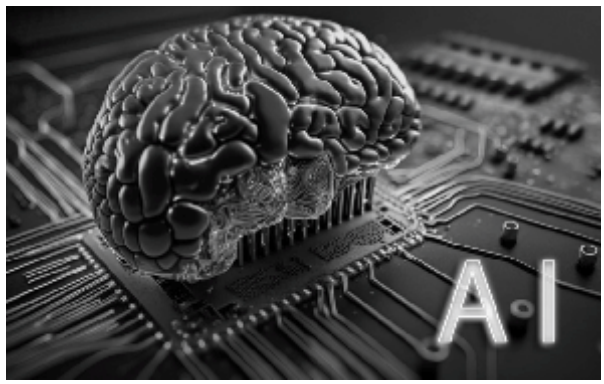

सोच रही अब मशीनें भी,
ये कैसा नया जमाना है।
इंसान की इस वृद्धि ने,
खुद को ही पहचाना है।

एक क्लिक में काम हो जाए,
घंटों का सफर पल में सिमट जाए।
ए–आई के इस जादू से अब,
हर मुश्किल भी आसान हो जाए।

पर कही ये डर भी छुपा है,
क्या हम पीछे रह जांएगे ?
अपनी ही बनाई दुनिया में,
क्या हम खुद ही खो जांएगे।

तकनीक अच्छी, काम भी अच्छे,
बस इसका सही इस्तेमाल हो।
इंसानियत दिल में सबसे ऊपर रहे,
दिल में सच्चा ख्याल हो।

चलो मिलकर यह चुने हम,
ज्ञान और समझ बढ़ाएं।
ए–आई के इस नए सफर में,
इंसानियत को साथ में निभाएँ।

आँचल
बी.ए. तृतीय वर्ष

सोशल मीडिया का जादू

जादू है ये सोशल मीडिया,
सबको अपने पास बुलाता।
हँसी-खुशी सपनो की दुनिया,
हर दिल को ये लुभाता।
हर कोई यहाँ दिखता खुश,
चेहरों पर मुस्कान सजी।
पर अंदर के हालातों की,
किसी को भी खबर नहीं।
लाइक्स की गिनती बढ़ती जाए,
दिल का सुकून घटता जाए।
दूसरों से खुद को तोलते – तोलते,
अपना वजूद ही मिटता जाए।
आओ अब इस जादू से,
थोड़ा खुद को आज़ाद करें।
अब सच्ची खुशियों की तलाश में,
अपनों के संग समय बिताएँ।

कशिश
बी.ए. तृतीय वर्ष

जीवन का सफर

जीवन एक अनंत कहानी,
जिसकी हर पंक्ति अनजानी।
कभी धूप का उजला चेहरा,
कभी छाँव की ठंडी निशानी।
कभी हँसी के रंग बिखरते,
कभी आँखों में आँसू आते।
हर पल कुछ सिखलाता हमको,
हर लम्हें अनुभव दे जाते।
रास्ते कभी सरल नहीं होते,
काँटो से भी भरे मिलेंगे।
पर जो हिम्मत रखकर चले दे,
वो ही मंजिल को छू लेंगे।
सपनो को सच करना है तो,
नींद से रिश्ता तोड़ो।
मेहनत को अपना साथी बनाकर,
हर बाधा से नाता तोड़ो।
हर दिन एक नया अवसर है,
कुछ नया कर दिखाने का।
अपने भीतर छिपी शक्ति को,
दुनिया के सामने लाने का।
नफरत को दिल से दूर करो,
प्रेम का दीप जलाओ।
इस सुंदर से जीवन को,
खुशियों से भर जाओ ।
आखिर में बस इतना समझो,
जीवन एक अनमोल उपहार है।
इसे व्यर्थ न जाने देना,
यही सबसे बड़ा विचार है।

पायल
बी.ए. प्रथम वर्ष

संघर्ष से सफलता तक

जब जीवन की राहो में,
अंधेरा घना छा जाता है।
हर सपना टूटता दिखता,
हर अपना भी दूर चला जाता है।
समय की कदर करना सीख,
ये कभी लौटकर नही आता।
जो इसे यूं ही गंवा देता है,
वो जीवन में कुछ नहीं पाता।
मेहनत को अपना धर्म बना,
और कर्म को पूजा मान लो।
अपने लक्ष्य की राह में,
हर बाधा को आसान मान लो।
जब थक जाए तेरा मन कभी,
तो खुद से ही बात कर लेना।
अपने भीतर की आवाज को,
एक बार फिर जागृत कर लेना।
क्योंकि तू ही अपनी ताकत है,
तू ही अपनी पहचान है।
तेरे अंदर ही छुपा हुआ,
तेरी जीत का अरमान है।
तो चल उठ, अब देर न कर,
अपने सपनों को साकार कर।
संघर्ष को अपना साथी बना,
और जीवन को शानदार कर।

शालू
बी.ए. प्रथम वर्ष

मैं आज की नारी हूँ

समझों नहीं मुझे अबला,
ना मैं कोई बेचारी हूँ।
सक्षम हूँ, खुद्दार हूँ,
सम्मान से जीने वाली हूँ।
ममतामयी, आत्मविश्वासी,
मैं आज की नारी हूँ...

उठे अगर चरित्र पर सवाल,
ना चुपचाप रहने वाली हूँ।
खोकर मैं अपना स्वाभिमान,
ना अग्नि परीक्षा देने वाली हूँ।
मैं आत्म सम्मान के लिए,
आवाज उठाने वाली हूँ।
मैं आज की नारी हूँ...

होगा महफिल में अपमान,
ना कृष्ण को बुलाने वाली हूँ।
ना दांव पर लगाने का अधिकार,
किसी को देने वाली हूँ।
मैं आत्मरक्षा के लिए,
तलवार उठाने वाली हूँ।
मैं आज की नारी हूँ...

सम्मान करूँगी संस्कारों का,
ना अपनी संस्कृति भूलने वाली हूँ।
रूढ़िवादी परंपराओं की बेड़ियों में,
ना मैं बँधने वाली हूँ।
घर की जिम्मेदारी संभालते हुए,
स्वच्छंद उड़ान भरने वाली हूँ।
मैं आज की नारी हूँ...

मनीषा
एम.ए. तृतीय वर्ष

गैस की किल्लत

सुबह-सुबह चूल्हा ठंडा है,
रसोई में सन्नाटा गहरा है।
सिलेंडर खाली चिंता भारी,
हर घर में जैसे अँधियारा है।

लाइन में खड़े हैं लोग यहाँ,
घंटों से बस इंतज़ार है।
कब आएगा नंबर अपना,
हर चेहरे पर यही सवाल है।

महँगाई की मार अलग से,
जेब भी अब जवाब दे गई।
रोटी पकाना हुआ कठिन,
जिंदगी जैसे थम-सी गई।

माँ की आँखों में चिंता है,
बच्चों को कैसे समझाए।
भूखे पेट की इस पीड़ा को,
किस शब्दों में वह बतलाए।

शहर हो या फिर गाँव,
सबकी यही कहानी है।

गैस की इस किल्लत से,
हर घर में परेशानी है।

आओ मिलकर सोचें हम,
इसका कोई समाधान करें,
संसाधनों का सही उपयोग,
और उर्जा का सम्मान करें।

आँचल
एम.ए., तृतीय वर्ष

महंगाई

दिन-प्रतिदिन बढ़ती कीमते,
जीवन को कर रही कठिन।
रोटी, कपड़ा और मकान भी,
हो गए जैसे अब दुर्लभ धन।

सब्ज़ी, दाल और तेल के दाम,
छू रहे हैं आसमान।
आम आदमी सोच में डूबा,
कैसे चलेगा अब घर-परिवार।

जेब हुई है खाली-खाली,
ख्वाहिश रह गई अधूरी।
मेहनत करने वाला इंसान का भी,
महँगाई में जीना है मजबूरी।

बच्चों की छोटी-छोटी चाहत,
अब लगती हैं बोझ भारी,
माँ-बाप की आँखों में दिखती,
चिंता की गहरी लाचारी।

हर रोज का यही संघर्ष,
जीवन बन गया है जंग।

महंगई की इस मार ने,
छीन लिया है, सुख का रंग।

फिर भी उम्मीद बाकी है,
सवेरा फिर आएगा।
संघर्ष और हौसले से,
हर इंसान मुस्कुराएगा।

रीना
एम.ए., प्रथम तृतीय वर्ष

फैशन का दौर

नए-नए रंग, नए अंदाज,
हर दिन बदलता है आज का साज़।
फैशन का ये चलता दौर,
सबको करता अपनी ओर।

कपड़ो में अब पहचान नई,
हर चेहरे पर है कहानी नई।
स्टाइल में जीने की चाहत है,
दुनिया से अलग दिखने की आदत है।

कभी सादगी थी जिसकी शान,
अब चमक-दमक में है पहचान।
ब्रांड्स और ट्रेंड्स के इस खेल मे,
खो जाता है असली इंसान।

मोबाइल और सोशल मीडिया पर,
फैशन का चलता है राज।
हर कोई बनना चाहता है,
आज का सबसे बड़ा स्टार।

पर याद रखो इस भाग-दौड़ में,
अपनी असलियत मत भूलो।
फैशन अच्छा है, पर इतना नही,
कि खुद को ही तुम खो दो।

सादगी में भी होती है खूबसूरती,
ये बात समझनी होगी।
फैशन के इस बदलते दौर में,
अपनी पहचान बचानी होगी।

काजल
एम.ए. प्रथम वर्ष

माँ

माँ तो जन्नत का फूल है,
प्यार करना उसका उसूल है।
दुनिया की मोहब्बत फिजूल है,
माँ की हर दुआ कबूल है।
माँ को नाराज करना, इन्सान की भूल है।
माँ के कदमों की मिट्टी, जन्नत की धूल है ...
माँ से ही भगवान है, और माँ से ही हम है....

मुस्कान
एम.ए. तृतीय वर्ष

अन्तिम कोशिश

पुराने समय में एक राजा के राज्य को चारों ओर से शत्रुओं ने घेर लिया था। राजा के पास शत्रुओं के मुकाबले बहुत कम सैनिक थे। इस वजह से राजा की सेना बहुत समय तक शत्रुओं से लड़ नहीं सकी। राजा किसी तरह शत्रुओं से बचकर एक गुफा में छिप गया। शत्रुओं के सैनिकों ने सोचा कि राजा भी उस गुफा में छिपा होगा तो उन्होने बड़े-बड़े पत्थरो से गुफा का दरवाजा बंद कर दिया। गुफा के अंदर से राजा ये सब देख रहा था, लेकिन शत्रुओं की संख्या अधिक थी, इसलिए वह चुपचाप बैठा रहा। राजा थका हुआ था। भूख-प्यास की वजह से वह निराश हो गया था। उसके शरीर में शक्ति नहीं बची थी। शत्रुओं के सैनिक गुफा का द्वार बंद करके वहां से चले गए। इसके बाद राजा ने सोचा कि अब तो मेरा जीवन यहीं खत्म हो जाएगा। वह गुफा से कभी बाहर नहीं निकल पाएगा। राजा निराश हो चुका था, तभी उसे अपनी माँ की बात याद आई।

राजा की माँ कहा करती थी कि कुछ तो कर, यू ही मत मर। ये बात याद आते ही राजा को एक नई ऊर्जा मिल गई। उसने सोचा कि कोशिश किए बिना हार नहीं माननी चाहिए। राजा ने गुफा के द्वार से पत्थरों को हटाने का काम शुरू कर दिया। कड़ी मेहनत के बाद राजा ने बड़े-बड़े पत्थर खिसकाकर बाहर निकलने का छोटा सा रास्ता बना लिया। गुफा से बाहर निकल कर राजा अपने मित्र राजाओं के पास पहुंचा। मित्र राजाओं की मदद से उसने अपने शत्रुओं को पराजित कर दिया और अपना राज्य वापस प्राप्त कर लिया।

सीख : हमें अंतिम समय तक कोशिश करते रहना चाहिए। असफल होने पर फिर से प्रयास जरूर करना चाहिए। जब तक सफलता न मिल जाए कोशिश करते रहना चाहिए।

शायना
बी.ए. तृतीय वर्ष

बेटी

जब-जब जन्म लेती है बेटी,
खुशियाँ साथ लाती है बेटी।
ईश्वर की सौगात है बेटी,
सुबह की पहली किरण है बेटी।
तारो की शीतल छाया है बेटी,
आँगन की चिड़िया है बेटी।
त्याग और समर्पण सिखाती है बेटी,
नये नये रिश्ते बनाती है बेटी।
जिस घर जाए, उजाला लाती है बेटी,
बार-बार याद आती है बेटी।
बेटी की कीमत उनसे पूछो,
जिनके पास नहीं है बेटी।

संजना
बी.ए. प्रथम वर्ष

जीवन की राह

जीवन एक अनजानी राह,
कभी धूप तो कभी छाँव की चाह।
कभी हँसी के रंग बिखरते हैं,
कभी आँसू भी साथ चलते हैं।

हर पल नई कहानी है,
हर मोड़ पर नई निशानी हैं।
गिरकर उठना सिखाता हैं,
संघर्ष ही हमें बनाता हैं।

सपनों को पंख लगाओं तुम,
हिम्मत से आगे बढ़ जाओ तुम।
अंधेरा चाहे जितना गहरा हो,
एक दिन उजाला लाओं तुम।

मत डरना कठिनाओं से,
ये ही तो जीवन का सार हैं।
जो चलते रहते हैं आगे,
वे सच्चे हकदार है।

जीवन एक सुंदर उपहार हैं,
इसे जीना ही असली प्यार हैं।
हर पल को खुशियों से भर दो,
यही जीवन का असली आधार हैं।

कशिश
बी.ए. द्वितीय वर्ष

उम्मीद की किरण

अंधेरों में भी एक उजाला होता है,
हर रात के बाद सवेरा होता हैं।
मुश्किले चाहे कितनी भी आएं,
हर दर्द का एक सवेरा होता हैं।

टूटे हुए सपनों को फिर सजाओ,
हिम्मत से नई राह बनाओ।
गिरकर भी जो उठ जाते हैं,
वही लोग इतिहास रचाते हैं।

हवा के संग जो बह जाते हैं,
वो कभी किनारा नहीं पाते हैं।
जो तूफानों से टकराते हैं,
वो ही अपनी पहचान बनाते हैं।

मन में विश्वास जगाओं तुम,
अपने लक्ष्य को अपनाओ तुम।
हर मुश्किल को आसान बनाकर,
जीवन में आगे बढ़ जाओ तुम।

उम्मीद की ये छोटी सी लौ,
अंधकार को मिटा सकती हैं।
अगर दिल में हो सच्चा हौसला,
तो दुनिया भी झुका सकती हैं।

कोमल शर्मा
बी.ए. द्वितीय वर्ष

दोस्ती

दोस्ती एक मीठा अहसास है,
हर रिश्ते से ये कुछ खास है।
ना कोई शर्त, ना कोई बंधन,
बस दिल से दिल का विश्वास हैं।

हँसी में जो साथ हँसते हैं,
ग़म में भी हाथ थामते हैं।
सच्चे दोस्त वही होते हैं,
जो हर हाल में साथ निभाते हैं।

छोटी-छोटी बातों में खुशियाँ,
और बड़ी मुश्किलों में सहारा हैं।
दोस्ती वो दीपक है,
जो अँधेरे में भी उजियारा है।

कभी रूठना, कभी मनाना,
यही तो इसका प्यारा अफसाना।
हर पल यादगार बना देता,
दोस्ती का रिश्ता सुहाना।

दोस्ती ही जीवन की पहचान हैं।
इससे ही तो मुस्कान है।
सच्ची दोस्ती मिल जाए अगर,
तो जीवन सच में आसान हैं।

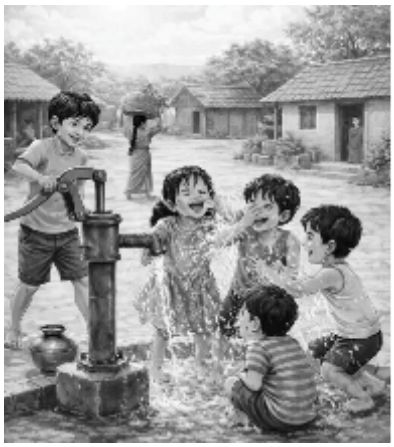

शायना
बी.ए. तृतीय वर्ष

गुरू शिष्य की कहानी

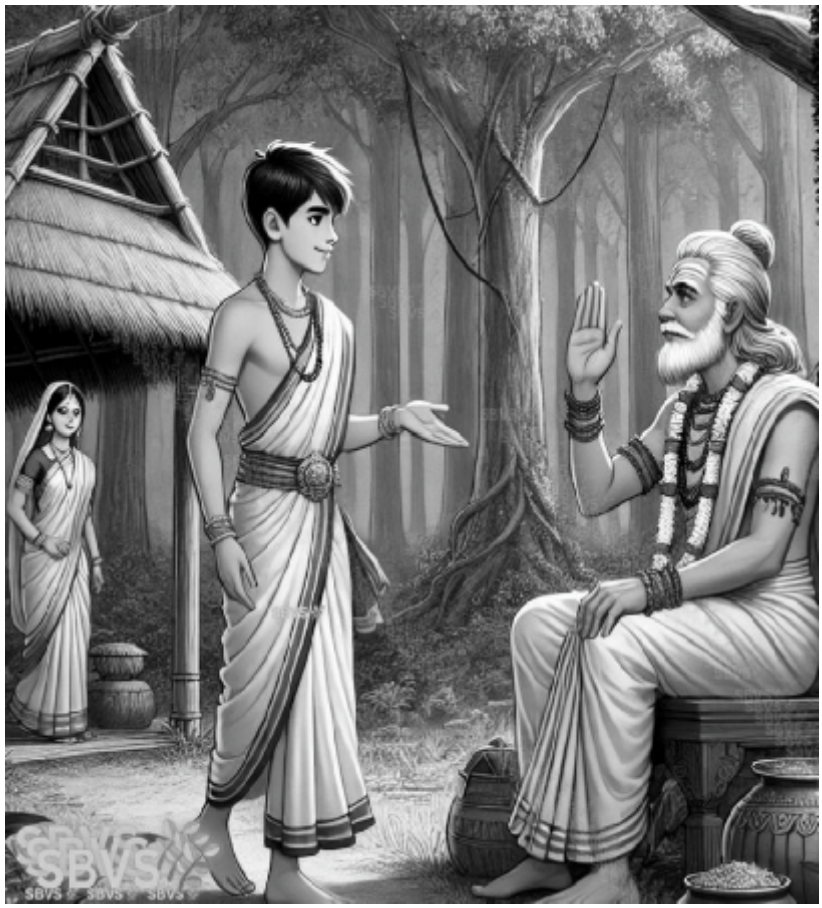

शिष्य ने गुरू से कहा, ''गुरूदेव, एक व्यक्ति ने आश्रम में एक गाय दान की है।'' गुरू ने कहा, ''चलो अच्छा है, दूध पीने को मिलेगा। एक सप्ताह के बाद शिष्य फिर आकर बोला, ''गुरू जी, जिसने गाय दान की थी, वह अपने गाय वापस ले गया।'' गुरू जी ने कहा, ''चलो अच्छा हुआ, गोबर उठाने के झंझट से मुक्ति मिली।'' तात्पर्य यह कि जो व्यक्ति हर हाल में राजी हो, उसे कोई दुख कैसे दुखी कर सकता है। परिस्थिति बदले तो अपनी मन: स्थिति को बदल लो। बस दु:ख सुख में बदल जाएगा, सुख दु:ख। सिर्फ मन के ही तो समीकरण है। बस हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक होना चाहिए ।

आँचल
बी.ए., प्रथम वर्ष

CULTURAL MIRROR

CULTURAL MIRROR

CULTURAL MIRROR

GLIMPSES OF NATIONAL SEMINARS

संस्कृत अनुभागः

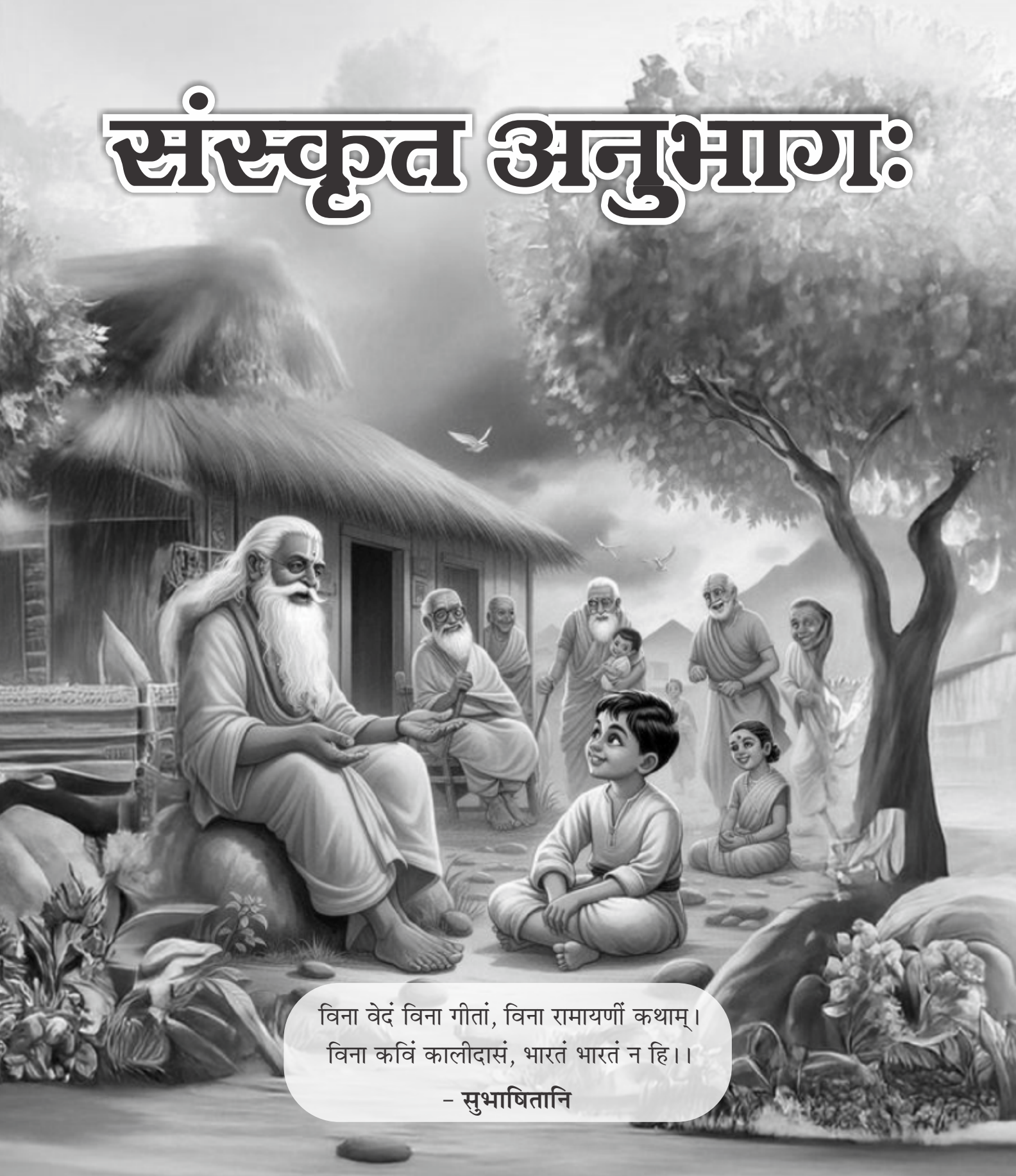

विना वेदं विना गीतां, विना रामायणीं कथाम्।
विना कविं कालीदासं, भारतं भारतं न हि।।

– **सुभाषितानि**

सम्पादिका
डॉ॰ कमलेश

छात्रा सम्पादिका
कु॰ प्रिया

अनुक्रमणिका

क्र.	लेख	लेखक	पृष्ठसं.
1.	सम्पादकीय – भारतीय काल गणना की श्रेष्ठता	डॉ० कमलेश	3
2.	मानसं मम विकसितं कुरु	शीना	4
3.	चिदा भास	प्रीति	4
4.	अये मानवः! नैव जानासि?	नीतू	4
5.	त्वमेव माता, पिता त्वमेव त्वमेव बन्धुः सखा त्वमेव	अभिलाषा	5
6.	प्रार्थना	मीनाक्षी	5
7.	शिक्षायाः महत्वम्	प्रिया	6
8.	स्मृतिसौरभम्	आंचल	6
9.	भारतम् भारतम् भवतु भारतम्	अन्जू रानी	6
10.	यदि संस्कृतं न भवति	मीनाक्षी	7
11.	बुद्धिमान् शिष्याः	आंचल	7
12.	गीर्वाण भारती (अथ स्वागतम्)	ईशा	7
13.	जीजीबाई-एका वीरपत्नी	तनिषा	8
14.	परोपकाराय सतां विभूतय	रीना	8
15.	विद्यार्थी जीवन में व्यर्थ की नींदं एवं आलस्य	मुस्कान	9
16.	दूरदर्शनस्य लाभाः नष्टाः च	आंचल	9
17.	यज्ञ प्रेमियों के लिए यज्ञ के उत्कृष्ट सूक्तियाँ	तनु	10
18.	नूतन संस्कृत वस्तु शब्दकोषः	मनीषा	11
19.	अति सुन्दर, सनातन घड़ी	अभिलाषा	12
20.	चिकित्सकस्य धर्मः	नेहा	12

सम्पादकीय - भारतीय काल गणना की श्रेष्ठता

डॉ० कमलेश
सहायक प्रोफेसर, संस्कृत

गणित में कोई भी संख्या...1 से 10 तक के सभी अंको से नही कट सकती, लेकिन इस विचित्र संख्या को देखियेगा ... ।

संख्या 2520 अन्य संख्याओं की तरह..... वास्तव में एक सामान्य संख्या नही है, यह वो संख्या है जिसने विश्व के गणितज्ञों को.... अभी भी आश्चर्य में किया हुआ है... !!

यह विचित्र संख्या 1 से 10 तक प्रत्येक अंक से भाज्य है, चाहे वो अंक सम हो या विषम हो। ऐसी संख्या जिसे इकाई तक के किसी भी अंक से भाग देने के उपरांत शेष शून्य रहे, बहुत ही असम्भव/ दुर्लभ है- ऐसा प्रतीत होता है.. !!

2520÷1 = 2520

2520÷2 = 1260

2520÷3 = 840

2520÷4 = 630

2520÷5 = 504

2520÷6 = 420

2520÷7 = 360

2520÷8 = 315

2520÷9 = 280

2520÷10 = 252

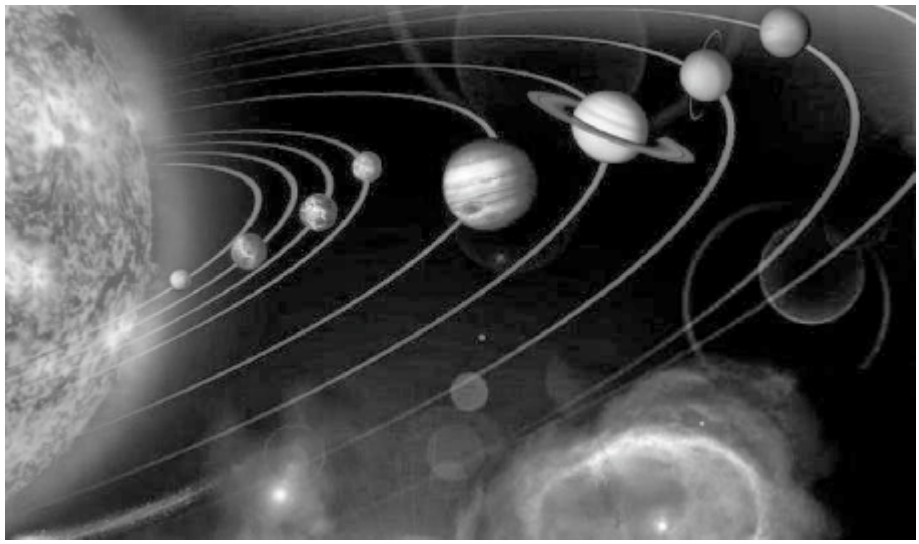

महान गणितज्ञ अभी भी आश्चर्य चकित है : 2520 वास्तव में एक गुणनफल है <<7×30×12>> का उन्हें और भी आश्चर्य हुआ जब प्रमुख गणितज्ञ द्वारा यह संज्ञान में लाया गया कि संख्या 2520 हिंदू संवत्सर के अनुसार....एक मात्र यही संख्या है, जो वास्तव में उचित बैठ रही है;

जो इस गुणनफल से प्राप्त है.....

सप्ताह के दिन (7) × माह के दिन (30) × वर्ष के माह (12)..... = 2520

यही है :- भारतीय काल गणना की श्रेष्ठता।

सनातन धर्म की श्रेष्ठता।

मानसं मम विकसितं कुरु

मानसं मम विकसितं कुरु
मानसचर हे।
कुरु निर्मलम उज्ज्वलम् अयि
चिर सुन्दर हे।
उद्यतम् अतिप्रबुद्धम् अपि
निर्भयं कुरु हे।
सुशिवम् अनलसम् अति
निःसंशयं कुरु हे।
आन्तरं मम विकसितं कुरु
आन्तरन्तर हे।
योजय मां निखिलसङ्गे
मुञ्च हे मम बन्धनम्।
सञ्चारय सकलकर्मसु
शान्तं तवच्छन्दः।
चरणपद्मे चित्तं मम
निष्पन्दितं कुरु हे।
कुरु नन्दितम् अतिनन्दितम्
अभिनन्दितम् हे।
आन्तरं मम विकसितं कुरु
आन्तरतर हे।

शीना
बी.ए. तृतीय वर्ष

विद्या भास

हे मातः ललिते प्रकाशकमले हे वेदसारत्मिके
हे कैलासनिरिप्रभे शिवशिवे हे ज्ञानमन्त्रात्मिके।
मातः लोकहिते महाजनहिते मा पहि सर्वात्मिके
आर्ये भक्तिरसामृतप्रदशिवे हे गौरि तभ्यन्नमः।।
श्रीमातः ललिताम्बिके निरूपमे
सौभाग्यलोकाम्बिके ज्ञानानन्त महामते
शिवमते ज्ञानप्रदे देवि भो।
मां पाहि त्रिपुराम्बिके त्रिविजये सदुद्धिसिद्धिप्रदे
पूर्णेन्द्रप्रवारक्षि शोभनवपुः पूर्णे सदा पाहि माम्।।
वाग्देवी विजयप्रदां शुककरीं विज्ञानशोभा–प्रदा
वार्णी पुस्तकधारिणी सुनयनां
भाषाप्रदां शारदां विद्याभाग्यंविलेखिकां
गुणधिंभ पूर्णा गुरुणां वरां ज्ञानानन्दसरस्वती
भगवतीं वन्दे जगत्यावनीम्।।

प्रीति
बी.ए. प्रथम वर्ष

अये मानवः! नैव जानासि?

पर्यावरण रक्षकोऽहं
तव जीवनदायकोऽहम्।
तव वृष्टिप्रदायकोऽहं
अये मानवः! नैव जानासि?
नैव श्रतं त्वया कदापि
विषवृक्षोऽपि संवर्ध्य खलु।
स्वयमेव छेत्तुमसाम्प्रंत वै
अये मानवः! नैव जानासि?
वातावरणेऽस्मिन् शोभने
कथं त्यजसि प्रदूषणानि?
अनेन किं कल्याणं भवति?
अये मानवः! नैव जानासि?
यथा तव जीवनं तथैवास्माकं
एकस्याप्यंगुल्याच्छेदने खलु।
कीदृशी पीड़ामनुभवसि त्वं
अयं मानवः! नैव जानासि?
तदा कथं निर्दयो भूत्वा
अस्माकं छेत्तुं प्रवृतोऽसि?
मा मा भवत्वल्पधीः खलुं
अये मानवः! नैव जानासि?

नीतू
बी.ए. तृतीय वर्ष

त्वमेव माता, पिता त्वमेव त्वमेव बन्धुः सखा त्वमेव (संस्कृत गीत)

त्वमेव माता, पिता त्वमेव

त्वमेव बन्धुः सखा त्वमेव

त्वमेव माता, पिता त्वमेव

त्वमेव बन्धुः सखा त्वमेव.....(00)

त्वमेव मित्रं, त्वमाश्रयत्वं

न कोऽपि स्वीयो, विना हि त्वत्कं

त्वमेव मित्रं, त्वमाश्रयत्वं

न कोऽपि स्वीयो, बिना हि त्वत्कं

त्वमेव सिन्धु, तरिस्त्वमेव

त्वमेव बन्धुः, सखा त्वमेव.....(0?)

पुष्पं वयं तत्, यत्रो हि स्फुटं

तवाऽपि चरणाकणा नु वयं

पुष्पं वयं तत्। यत्रो स्फुटं

त्वाऽपि चरणाकणा नु वयं

दयाया दृष्टिं, धरेः सदैव

त्वमेव बन्धुः, सखा त्वमेव.....(02)

त्वमेव माता, पिता त्वमेव

त्वमेव बन्धुः सखा त्वमेव

त्वमेव माता, पिता त्वमेव

त्वमेव बन्धुः सखा त्वमेव.....(00)

अभिलाषा
बी.ए. तृतीय वर्ष

प्रार्थना

दयां कृत्वा ही विद्यायाः प्रभीं दानं सहा देयम्।

सदास्माकं हि चित्तेषु दयस्व शुद्धता नेया।।

प्रभो आयातु नः ध्याने वस्तु नेत्रेषु अस्माकम्।

तमोयुक्तेषु हृदयेषु परा आभा समाधैया।।

प्रवाह्य प्रेमगङ्गां च उदधिं स्नेहस्य हृदयेषु।

मिथः सम्मिल्य वासस्थ प्रभो शिक्षा सदा देया।।

सदा नः कर्म स्यात् सेवा सदा नः धर्मः स्यात् सेवा।

सदा शीलम हि स्यात् सेवा परा निष्ठा समादेया।।

भवेन्मे जीवनं भगवन् तथा मरणं हि देशाय।

तदर्थं जीवनत्यागः प्रभो शिक्षा इयं देया।।

दयां कृत्वा हि विद्यायाः प्रभो दानं सदा देयम्।

सदास्माकं हि चित्तेषु दयस्व शुध्दता नेया।।

ॐ सह नाववतु। सह नौ भुनक्तु।

सहवीर्यं करवावहै।

तेजस्वि नावधीतमस्तु। मा विद्विषावहै।।

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।

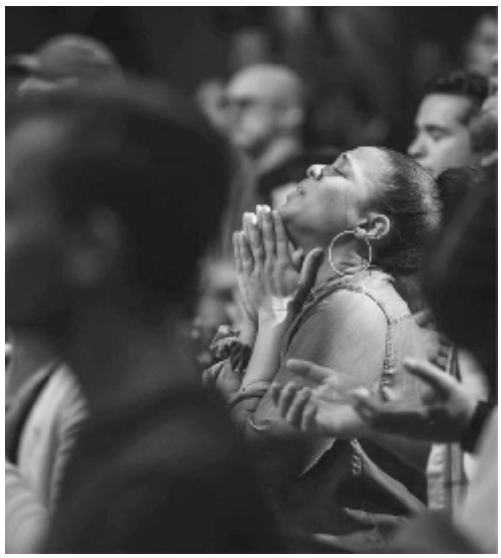

मीनाक्षी
बी.ए. तृतीय वर्ष

शिक्षायाः महत्वम्

शिक्षा जीवनस्य आधारः अस्ति। सा एव मनुष्यं अज्ञानान्धकारात् उध्दरति। प्राचीनकाले गुरुकुलेषु शिष्याः शीलं, संस्कारं च सह विद्यां प्राप्नुवन्ति अधतनकाले अपि शिक्षा एव विद्यां प्रगतेः मूलं अस्ति। शिक्षायाः द्वारा विवेकः, अनुशासनम् उत्तरदायित्वं च विकसितं भवति । राष्ट्रस्य उन्नतिः अपि शिक्षायाम् अधिष्ठिता अस्ति।

शिक्षा मानवजीवनस्य प्रकाशः अस्ति। शिक्षा एव मनुष्यं अज्ञानतामसः बहिंः नयति। ज्ञानं बिना जीवनं अन्धकारपूर्ण भवति। अद्यतनकाले अपि शिक्षा एव प्रगतेः मूलं भवति। शिक्षायाः कारणेन राष्ट्र शक्तिशाली भवति।

अतः सर्वे मानवाः शिक्षायाः महत्वं ज्ञात्वा प्रत्येकं बालकं शिक्षायाम अवश्यं प्रवेशयेत्। विज्ञानं, प्रौद्योगिकी, कला, साहित्यं च शिक्षायाः फलानि भवन्ति।

''सा विधा सा विमुकत्ये''

प्रिया
बी.ए. तृतीया वर्ष

स्मृतिसौरभम्

आनन्दगङ्गा वहतीव यत्र
सौन्दर्यसिप्रा सरतीव यत्र।
बन्धुत्वसिन्धुश्चलतीव यत्र
संस्कारशुद्धोऽस्ति स वो विभागः।।1।।

विलोक्य विद्यां प्रति कर्मनिष्ठां
चेष्टां च सर्वां निजनेत्रकान्त्या।
जातं हि चित्तं सुखमण्डितं मे
विद्या यतो मे जननीव जीर्णा।।2।।

शुभ्रा सुचित्रा सरला सुभद्रा
विभागदायित्वनगाधिरूढा।
बन्धुत्वविद्याविषये प्रवीणा
तां भारतीं स्नेहवतीं स्मरामि।।3।।

या माधवी माधव भावसिक्ता
सदानुरक्ताऽध्ययने ऽतिशान्ता।
विद्योतते या प्रतिभेव साक्षात्

आंचल
बी.ए. प्रथम वर्ष

भारतम् भारतम् भवतु भारतम्

शक्तिसम्भृतम् युक्तिसम्भृतम्।
शक्तियुक्तिसम्भृतम् भवतु भारतम्।।
शस्त्रधारकं शास्त्रधारकम्।
शस्त्रशास्त्रधारकम् भवतु भारतम्।।
रीतिसंस्कृतं नीतिसंस्कृतम्।
रीतिनीतिसंस्कृतम् भवतु भारतम्।।
कर्मनैष्ठिकम् धर्मनैष्ठिकम्।
कर्मधर्मनैष्ठिकम् भवतु भारतम्।।
भक्तिसाधक मुक्तिसाधकम्।
भक्तिमुक्तिसाधकम् भवतु भारतम्।।
भारतम् भारतम् भवतु भारतम्.....

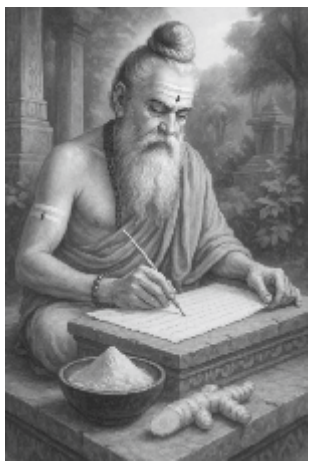

अन्जू रानी
बी.ए. द्वितीय वर्ष

यदि संस्कृतं न भवति

यदि संस्कृतं न भवति।
तर्हि संस्कृतं न भवति।
यदि संस्कृतं न भवति।
तर्हि संस्कार: न भवति।
यदि संस्कृतं न भवति।
तर्हि सदाचार: न भवति ।
यदि संस्कृतं न भवति
तर्हि भारतं भारतं न भवति
यदि संस्कृतं न वर्धते।
तर्हि संस्कार: न वर्धते ।
यदि संस्कृतं न वर्धते
तर्हि संस्कृति: न वर्धते।
यदि संस्कृति: न वर्धते
तर्हि संस्कार: न वर्धते ।
यदि संस्कार: न वर्धते
तर्हि ज्ञान न वर्धते।
यदि ज्ञानं न वर्धते,
तर्हि भारतं न वर्धत
समर्थभारतम्।
संस्कृतभारतं नाम
विज्ञानभारतम्।
संस्कृतभारतं नाम जगद्गुरुभारतम्।
संस्कृतभारतं नाम श्रेष्ठ भारतम् ।
सत्ययुग साधनाय
संस्कृतम् आवश्यकम्।
अर्थकार्यसाधनाय
संस्कृतम् आवश्यकम्।
कामकार्यसाधनाय
संस्कृतम् आवश्यकम्
मोक्षकार्यसाधनाय
संस्कृतम् आवश्यकम्
संस्कृतम् आवश्यकं,
संस्कृतम् आवश्यकम् ।।
जयतु संस्कृतम् ।
जयतु भारतम्

मीनाक्षी
बी.ए. प्रथम वर्ष

बुद्धिमान् शिष्या:

वाराणसी – नगरे एकं गुरुकुलम्। तत्र एक: गुरु:। गुरु: महापण्डित:। विद्याभ्यासार्थं तस्य आश्रमे बहव: शिष्या: अति तेन सह वसन्ति स्म। एकदा कश्चन तरुण: गोपालक: आश्रमम् आगतवान्। आश्रेम गोपालकं दृष्टा शिष्या: आश्चर्यचकिता: ते चिन्तितवन्त: ....आश्रमे गोपालक: किं करोति ?

गोपालक: पण्डितस्य समीपं गतवान्। स: उक्तवान् .....आचार्य! आगतवान् सर्वशिष्या: तत् श्रुत्वा गोपालकस्य परिहांस कृतवन्त:। परन्तु पण्डित: गोपलकं प्रीत्या दृष्टवान्। स: गोपालकस्य बुद्धि परीक्षार्थं प्रष्टवान् ... वत्स! देव: कुत्र आस्ति ? गुरो! देव: कुत्र नास्ति ? कृपया भवान् एव समाधानं वदतु।.....इति उक्तवान्। सन्तुष्ट: गुरु:....देव: सर्वत्र अस्ति। देव: सर्वव्यापी। भवान् बुद्धिमान्। अत: विद्याभ्यासार्यम् अत्रेव वसतु। इति उक्तवान् रूपेण गुणस्य निधरिं न करणीयम्।

आंचल
बी.ए. प्रथम वर्ष

गीर्वाण भारती (अथ स्वागतम्)

स्वागतं सर्वेषां युष्माकम अस्मिन्
संस्कृतपाठयक्रमे्।
संस्कृतं हि भारतस्थ गौरवम्।
अस्माकं संस्कृति: संस्कृतमे वाश्रिता।
ईश्वर: अस्माकं पिता माता बन्धु सखा च।।
ये तस्य उपासनां कुर्वन्ति तेषां सुखं शाश्वतं भवति ।
अंत: मिलित्वा ईशवन्दनां कुर्म:।

ईशा
बी.ए. द्वितीय वर्ष

जीजीबाई-एका वीरपत्नी

शिवाजीमहाराजस्य माता जीजाबाई महाराष्ट्रस्य सिंदखेऽनामके ग्रामे जन्म अलभत। मराठानायकस्य लखुजीजाधवरावस्य सा कन्या आसीत। निजामराजकीये तन्त्रो लखुजीजाधवरावः नायकपदप्राप्तिकर्तृषु प्रथमः सेनानीः आसीत् मालोमहोदयस्य पुत्रेण शाहवर्येण सह जीजाबायाः विवाहः अभवत्। शाहपादस्य जाधवरावपादस्य च परस्परं मतसाम्यं नासीत। जाधवरावपादः मुगलजनैः साकम् आसीत् शाहपादः मराठाजनै सह। जीजाबाई मुगलजनानां हस्ते आगता। इदानीं सा स्वपितुः अधीने आसीत्। जीजाबाई सन्तानसम्भवा आसीत्। जाधवरावपादः स्वपुत्र्याः स्थिति पश्यन् अवदत् – ''वत्से, एतावत् कष्टं कथं स्वीकरोषि ? त्वरितं सिंदखेऽस्थितं मम गृहं गच्छ। अहम् इदानीमेव शिविकायाः प्रबन्धं करोमि ।''

जीजाबाई वीरपत्नी आसीत्। तस्याः कृते एतादृशः परामर्शः केन प्रकारेण स्वीकार्यः स्यात्? निर्भया भूत्वा सा उदत्तरत् – ''भवान भौसलेपरिवारतः प्रतिशोधं स्वीकरोतु। यस्मिन दिवसे मम विवाहः अभवत् मया च भौसलेपरिवारेण सह सम्बन्धः स्थापितः तस्मात् दिवसात् मम भवतः परिवारात् सम्बन्धः विच्छिन्नः अभवत्। अहं वीरभौसलेपरिवारस्य वधूः अस्मि। मम पत्युः गृहे प्राप्यमाणा रोटिका मम कृते भवतः गृहस्य पक्वात्रेभ्यः हीरकमुत्काभ्यक्ष प्रियतरा अस्ति। अहं भवतः गृहं न गमिष्यामि।''

जीजीबाई यदा हुंकारं कुर्वती आसीत् तदा माता दुर्गा इव दृश्यते स्म। जाधवरावः तत्र अवस्थानस्य कमापि अर्थम् अदृष्टवा ततः अग्रे अचलत्।

तनिषा
बी.ए. तृतीय वर्ष

परोपकाराय सतां विभूतय

बोधिसत्व किल कस्मिंश्चित् नातिमहति कमलकुवलयादि-विभूषितसलिले हंसचक्रवाकादिशोभिते तीरान्ततस्कुसुमापकीर्णे सरसि मत्स्याधिपतिः बभूव। बहुषु जन्मान्तरेषु परोपकाराभ्यास तत्रस्थः अपि परहितसुखसाधने व्यापृतः अभवत्। इष्टानामपि च स्वेषाम् अपत्यानाम् उपरि सौहार्दत्वाद् महासत्वः तेषां मीनानां दानप्रिय – पचनादिक्रमैः परमनुग्रहं चकार। अथ कदाचित् सत्वानां भाग्यपैकल्यात् प्रमादाच्च सम्यग् देवो न ९ वर्ष। पृष्टेः अभावे तत् सरः कदम्बकुसुमगौरेण नवसलिलेन यथापूर्व न परिपूर्णम् जातम्। क्रमेण च उपगते निदाधकाले दिनकरकिरणैः अभितप्तया धरण्या ज्वालानुगतेनेव माख्तेन पिपासावशादिव प्रत्यहम् आपीयमानं तत् सरः लघुपटबलमिवाभवत्।

तत्रस्थिताः मीनाश्च जलाभावात् मृतप्रायाः इव संजाताः। सलिलतीरवासिनः पक्षिणः वायसगणाः च यावत् तान् मत्स्यान् भक्षयिंतु चिन्तयति स्म तावद् विषाद दैन्यवशगं मीनकुलमपेक्ष्य बोधिसत्वः करुणायमानः चिन्तामायेदे कष्टा बत इयम् आपद् आपतिता मीनानाम् ।

रीना
बी.ए. तृतीया वर्ष

विद्यार्थी जीवन में व्यर्थ की नींद एवं आलस्य

देखो, ध्येय पथ तुम्हे,
है, चीखकर उठा रहा
नींद त्याग दो पथिक
समय निहारी, जा रहा।
बारिशों के बाण से हो,
तुम डरे छुपे हुए
पर देखता हूँ मैं कि,
पथ हैं, पांव से से भरे हुए
भीगने के भय को छोड़
बोल दो....मैं आ रहा
नींद त्याग दो पथिक
समय निहारो, जा रहा।
पाने को न उठ सको तो
स्वप्न सारे सारे झूठ हैं
यह तेरे समय की साफ
दिन दहाड़े लूट हैं
सुस्तियों के हाथ में
क्यों उम्र को थमा रहा
नींद त्याग दो पथिक
समय निहारो, जा रहा।
धूप छांव से रंगी वो
है कंटीली राह जो
लक्ष्य हो अगर वहीं तो
पांव को उतार दो
कहीं नहीं वो जा सका
जो सोचता खड़ा रहा
नींद त्याग दो पथिक
समय निहारो, जा रहा।
बेवजह ही आँख नम है।
मन तेरा उदास है
पतझड़ो की ओट में
छिपी बसंती आस है
रश्मियों का काफिला
किबाड़ खटखटा रहा
नींद त्याग दो पथिक
समय निहारी, जा रहा।
देखो ध्येयपार्थ तुम्हें
है, चीखकर उठा रहा
नींद त्याग दो पथिक
समय निहारो जा रहा।

मुस्कान
बी.ए. तृतीया

दूरदर्शनस्य लाभाः नष्टः च

अस्माकं जीवने दूरदर्शनस्य स्थानां अतिमहत्तरं भवति।
सर्वेषु गृहेषु दूरदर्शनस्य अवश्यम् घटकं भवति।
यथा अन्न ओदकं च तथा जीवने अनिवार्य घटकं दूरदर्शनं।
जनमध्ये सार्वत्रिकं नातं किं वा संजातमित् तस्मिन् एव
निमिषे जनेषु दर्शनसाध्यम् करोति दूरदर्शनम्।
एका सुहृदिव अस्माकं समीपे स्थित्वा सर्वाणिकर्याणि कथयति दूरदर्शनम्।

दूरदर्शनस्य गुणाः दोषाः च सन्ति। दूरदर्शनम् वार्ताभिः बालान् वृद्धान च विज्ञापयति। अमेरिकादेशे संजातम् वत्रर्यमपि तस्मिन क्षणे एव अस्माकं भारतदेशे वर्तमानकाले द्रष्टुम् शक्यते । आधुनिककाले यत्रकुत्रापि संजाता वार्ता क्षणेनैव भुवने दूरदर्शनद्वारा प्रसारयति। पुरातनकाले एवं नासीत् । दूरदर्शनस्य 'रियालिटी षो' द्वारा कलाकराणां कलाकारिणां च सर्वप्रतिभां वर्धयितुं शक्यते। दूरदर्शनेन द्वारा गीतानि श्रोतुम शक्यते। चलचित्रं द्रष्टुम् शक्यते महात्मानां जीवनचरित्रं तेषां महत्वं च द्रष्टुम शक्यते।

आंचल
बी.ए. तृतीय वर्ष

यज्ञ प्रेमियों के लिए यज्ञ के उत्कृष्ट सूक्तियाँ

★ यज्ञों वै श्रेष्ठतमं कर्म।। (शतपथ ब्राह्मण)

यज्ञ दुनिया का सर्वश्रेष्ठ कर्म है।

★ यज्ञो वै कल्पवृक्षः।।

यज्ञ कामनाओं को पूर्ण करने वाला है।

★ ईजानाः स्वर्गं यन्ति लोकम्।। (अथर्ववेद)

यज्ञकर्त्ता स्वर्ग (सुख) को प्राप्त करते है।

★ अग्निहोत्रं जुहूयात् स्वर्गकामः।।

स्वर्ग की अभिलाषा रखने वाले व्यक्ति यज्ञ करें।

★ होतृषदनम् हरितम् हिरण्यम्।।

यज्ञ वाले घर धन-धान्य से पूर्ण होता है।

★ यज्ञात् भवति पर्जन्यः।।

यज्ञ से वर्षा होती है।

★ इयं ते यज्ञियाः तनू।।

ये तेरा शरीर यज्ञादि शुभ कर्मों के लिए है।

★ स्वर्ग कामो यजेत्, पुत्र कामो यजेत्।।

स्वर्ग और पुत्र की कामना करने वाले व्यक्ति यज्ञ करें।

★ यज्ञं जनयन्त सूरयः।। (ऋग्वेद)

हे विद्वान! संसार में यज्ञ का प्रचार करो।

★ यज्ञो वै देवानामात्मा।। (शतपथ०)

यज्ञ देवाताओं की आत्मा है।

★ यज्ञेन दुष्यन्तो मित्राः भवन्ति।। (तै० उप०)

यज्ञ करने वाले व्यक्ति शत्रु भी मित्र बन जाते है।

★ प्राचं यज्ञं प्रणयता सखायः।। (ऋग्वेद)

★ अयज्वानः सनका प्रेतमीयुः (ऋग्वेद)

यज्ञ न करने वाले उन्मत्त का सर्वनाश हो जाता है।

★ न मर्धन्ति स्वतवसो हविष्कृतम्।। (ऋग्वेद)

याज्ञिक को महाबली भी नहीं मार सकता।

★ सजोषसो यज्ञमवन्तु देवाः।।

विद्वान् परस्पर प्रीतिपूर्वक यज्ञ की रक्षा करें।

★ यज्ञस्य प्राविता भव।।

तु यज्ञ का रक्षक बन।

★ यज्ञो हित इन्द्र वर्धनो भूत्।।

हे जीव! यज्ञ ही तुझे बढ़ाने वाला है।

★ यज्ञस्ते वज्रमहिहत्य आवत्।।

यज्ञरूपी वज्र पाप नाश में सफलता दिलाता है।

★ अयज्ञियो हतवर्चा भवति।।

यज्ञ करने वाला का तेज नष्ट हो जाता है।

★ यज्ञो विश्वस्य भुवनस्य नाभिः।।

यज्ञ विश्व व ब्रह्माण्ड का केन्द्र है।

★ ईच्छन्ति देवाः सुन्वन्तम्।।

यज्ञकर्त्ता को देवगण थी चाहते है।

★ अतमेरूर्यज मानस्य प्रजा भूयात्।।

हे ईश्वर! यजमान की संतान संतापरहित हो।

★ यजस्व वीर।।

हे वीर! तु यज्ञ कर।

यज्ञ से इतना लाभ लेना चाहते है तो आइए मिल के अपने घर पर महीने में कम से कम एक बार यज्ञ करवाए।

तनु
बी.ए. तृतीय वर्ष

नूतन संस्कृत वस्तु शब्दकोषः

1. Tiffin – अल्पाहार
2. Hotel – उपाहार शाला
3. Canteen – उपाहारगृहम्
4. Tiffin Center – उपहारकेन्द्रम्
5. Breakfast – प्रातराशः
6. Idly – शाल्यसूपः
7. Puri – पूरिका
8. Blackgram dosa – माषदोसा
9. Moong dosa – मुद्गदोसा
10. Onion dosa – पलाण्डुदोसा
11. Masala dosa – सोपस्करदोसा
12. Wheet upama – गोधूमपिष्टिका
13. Vada – वाटिका
14. Vada Pav – वाटिकारोटिका
15. Samosa – समाशः
16. Kachori –मुद्गपूर्णिका
17. Pani puri – जलपूरीका
18. Bread – मृदुरोटिका
19. Cake –स्निग्धपिष्टकम्
20. Biscuit – सुपिष्टकम्
21. Burger–शाकरोटिका
22. Pizza–पिष्टजा
23. Fruit jam – फलपाकः
24. Butter – नवनीतम्
25. Milk cream –मस्तु
26. Snacks – उपाहारः
27. Mirchi bajji – मरीच भर्जी
28. Brinjal bajji – वार्ताक भर्जी
29. Alu Bajji – आलुक भर्जी
30. Chips – कासालुः
31. Pakodi – पम्ववटी
32. Palak Pakodi – जीवन्तीपक्ववटी
33. Tamarind Chutney –तिन्त्रिण्युपसेचनम्
34. Groundnut Power –कलायचूर्णम्
35. Mirchi Power –मरीचचूर्णम्
36. Ginger Chutney – आर्द्रकोपसेचनम्
37. Sand witch –सम्पुटाशः
38. Tea centre – चाय केन्द्रम्
39. Lassi –स्वादुमथितम्
40. Tea Party – सपीतिः
41. Milk – क्षीरम्
42. Tea Powder – चायचूर्णम्
43. Coffee Powder – काफी चूर्णम्
44. Decoration –क्वाथः
45. Sugar – शर्करा
46. Tea –चायम्
47. Coffee – काफी
48. Green Tea – हरितचायम्
49. Cold Coffee – शीतलकापी
50. Cold drink – शीतलपानीयम्
51. straw – नालम्
52. Honey – मधु
53. Fruit Juice –फलरसः
54. Brittle milk –पीयूषः
55. Chocolate – चाकलेहः
56. Chewing gum –चर्वणकम्
57. Papad – पर्पट
58. Ice Cream – पयोहिमम्

मनीषा
बी.ए. तृतीय वर्ष

अति सुन्दर, सनातन घड़ी

12:00 बजने के स्थान पर आदित्य लिखा हुआ है। जिसका अर्थ यह है कि सूर्य 12 प्रकार के होते है।

1:00 बजने के स्थान पर ईश्वर लिखा हुआ है, इसका अर्थ यह है कि ईश्वर एक ही प्रकार का होता है। एको ब्रह्मा द्वितीयों नास्ति।

2:00 बजने की स्थान पर पक्ष लिखा हुआ है। जिसका तात्पर्य यह है कि पक्ष दो होते हैं 1 कृष्ण पक्ष और दूसरा शुक्ल पक्ष।

3:00 बजने के स्थान पर अनादि तत्व लिखा हुआ है, जिसका तात्पर्य यह है कि अनादि तत्व 3 हैं। परमात्मा, जीवात्मा और प्रकृति ये तीनों तत्व अनादि है।

4: 00 बजने के स्थान पर वेद लिखा हुआ है जिसका तात्पर्य यह है कि वेद चार प्रकार के होते हैं- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अर्थवेद।

5:00 बजने के स्थान पर महाभूत लिखा हुआ है। जिसका तात्पर्य है कि महाभूत पाँच प्रकार के होते हैं। पाँच महाभूत है - सत्वगुण, रजगुण, कर्म, काल, स्वभाव।

6:00 बजने के स्थान पर दर्शन लिखा हुआ हैं। इसका तात्पर्य है कि दर्शन छह प्रकार के होते हैं। छः दर्शन संख्या, योग, न्याय वैशेषिक, मीमांसा और वेदान्त के नाम से विदित है।

7:00 बजे के स्थान पर धातु लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि धातु सात है। रसः प्लाज्मा, रक्तः खून, मांसः मांसपेशियाँ मेदः वसा, अस्थिः हड्डियाँ, मज्जाः बोनमैरो, शुक्रः प्रजनन संबंधी ऊतक।

8: 00 बजने के स्थान पर अष्टांग योग लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि योग के आठ प्रकार होते है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान समाधि।

9: 00 बजने के स्थान पर अंक लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि अंक 9 प्रकार के होते है। 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 तथा

10:00 बजने के स्थान पर दिशाएं लिखा हुआ है। इसका तात्पर्य है कि दिशाएं 10 होती है।

11:00 बजने के स्थान पर उपनिष्द लिखा हुआ है, इसका तात्पर्य है कि उपनिषद 11 प्रकार के होते हैं।

अभिलाषा
बी.ए. तृतीय वर्ष

चिकित्सकस्य धर्मः

कण्डूयनेन पीडितां विलपन्ती 65 वर्षीयां पिष्ट-निम्बपत्राणि भोजयितुं तदनन्तंर च तक्रं पाययितुं महात्मागान्धीमहोदयः स्वस्य अन्यतमं भक्तं चिकित्सकम् आदिशत्। तदनुसारं सः निम्बपत्राणि पिष्ट्वा वृद्धायै अददात्, तक्रं पातुम् अवदत् च। अपरेघुः गान्धीमहोदयः चिकित्सकम् अपृच्छत-''वृद्धां कियत्परिमितं तक्रं पायितवान?'' चिकित्सकः किमपि वक्तुम् असमर्थः भूत्वा वस्तुस्थितेः अवगमनाय वृद्धायाः गृहम अगच्छत्। वृद्धा क्रन्दन्ती अवदत् ''मम पार्श्वे धनं कुत्र येन अहं तक्रं पिबेयम्?'' यदा चिकित्सकः गान्धीमहोदयम् एतं समाचारम् अवदत् तदा तत श्रुत्वा गान्धीमहोदयः उदासमनसा अवदत्- ''विदेशे शिक्षितः भवान् कीदृशः चिकित्सकः अस्ति? भोः सज्जन, तस्याः वचनं श्रुत्वा अपि भवान्, तां कथं तक्रं न पायितवान्? भवता ग्रामतः तक्रं याचित्वा सा पाययितव्या आसीत्। तां क्रन्दन्ती वृद्धां परित्यज्य भवान् मम निकटे अत्र किं कर्तुम् आगतवान् अस्ति?'' पुनः सः अवदत् चिकित्सकस्य सेवा एवं धर्मः, न तु केवलम् औषधस्य अथवा औषधसेवनविधेः निर्देशः। रूग्णस्य लाभं यावत् पूर्णम् उत्तरदायित्वं तस्य एवं अस्ति।''

नेहा
बी.ए. तृतीय वर्ष

NATIONAL CADET CORPS

NCC
NCC
NATIONAL CADET CORPS
एकता और अनुशासन

NATIONAL SERVICE SCHEME

NATIONAL SERVICE SCHEME

COMMERCE SECTION

If you want to walk fast, walk alone
But if you want to walk far, walk together.

— **Ratan Tata**

Faculty Editor :
Dr. Nishi Tuli

Student Editor :
Somal

CONTENTS

Sr. No.	Articles	Contributors	Page No.
1.	Editorial	Dr. Nishi Tuli	3
2.	Digital Commerce : Transforming the ..	Shivani	4
3.	Artificial Intelligence : Friend or Foe?	Lovepreet	5
4.	Work-Life Balance : A Key to a Healthy and	Tina	6
5.	Importance of Communication Skills in Business	Preeti Devi	6
6.	Indian Women Entrepreneurs Who Changed ...	Somal	7
7.	E-Commerce : Transforming the Way Business	Sunaina	8
8.	Mutual Funds : A Smart Path to Wealth Creation	Nirmal	9
9.	Gender Equality	Jiya	10
10.	Cyber Security	Mafi	11
11.	Plastic Pollution and Youth Responsibility	Swati Sharma	12
12.	Social Media	Sneha	13
13.	The Future of Artificial Intelligence: Partner ...	Ms. Bhawna	14
14.	समावेशी आर्थिक विकास और हरित उद्यमिता	रितिका	15
15.	Financial Literacy : A Key Life Skill for Today's ...	Bhawna	16

Editorial

It's a great pleasure for me to present the commerce section of our college magazine in this edition. This issue provides us with an opportunity to ponder over the ever-changing world and share our perspectives on some of the most pressing issues of these time. In today's dynamic landscape, characterized by globalization, technological advancements, and evolving business strategies, the significance of corporate social responsibility cannot be overstated. Commerce students must comprehend and analyze these dynamics to effectively navigate the challenges and opportunities they present.

Our students were inspired to contribute articles on topics such as the E-commerce, online shopping, Cyber Security, Gender equality, AI and social marketing etc, reflecting the innovative spirit of our college. I am deeply grateful for the guidance and support of our principal, Dr. Sangeeta Sharma, whose unwavering commitment has been the driving force behind this endeavor. Her encouragement has been a constant source of motivation for all of us.

I would like to express my heartfelt appreciation to all the students who have contributed to this magazine by crafting insightful and receptive articles. Special thanks are also due to my colleagues in the Commerce department for their invaluable support.

Dr. Nishi Tuli
Associate Prof. in Commerce

Digital Commerce : Transforming the Way the World Buys and Sells

Digital Commerce, often called e-commerce, refers to the buying and selling of goods and services through digital platforms such as websites, mobile apps, and social media. Over the past two decades, and especially after the COVID-19 pandemic, digital commerce has evolved from a convenient alternative into a powerful backbone of the global economy.

At its core, digital commerce removes traditional barriers of time and distance. A customer in a small town can now purchase products from national or even international sellers with just a smart phone and an internet connection. Online market places, brand-owned websites, and social commerce platforms have expanded consumer choice, ensured price transparency, and enabled easy comparison of products. Features such as digital payments, instant refunds, and door step delivery have made shopping faster, safer and more efficient.

For businesses, digital commerce has opened unprecedented opportunities. Small and medium enterprises (SMEs), artisans, women entrepreneurs, and rural producers can now reach wider markets, without heavy investment in physical infrastructure. Digital tools like data analytics, artificial intelligence and customer relationship management systems allow firms to understand consumer preferences, personalize offerings and optimize supply chains. As a result, businesses can operate with greater efficiency and lower operational costs.

Digital commerce has also played a crucial role in financial inclusion. The integration of digital payment systems such as UPI, mobile wallets, and online banking has brought millions of first-time users into the formal economy. In countries like India, digital commerce is closely linked with initiatives such as Digital India, Start-up India and Make in India, supporting entrepreneurship and employment generation.

However, the rapid growth of digital commerce is not without challenges. Issues related to data privacy, cyber security, fake reviews, unfair competition, and environmental concerns due to excessive packaging and logistics need serious attention. The digital divide i.e limited access to devices, internet connectivity and digital literacy and risk excludes sections of society, particularly in rural and economically weaker regions.

Digital commerce is more than a technological trend; it is a transformative force shaping modern economies and lifestyles. When supported by strong regulations, ethical practices, digital literacy, and sustainable models, digital commerce can drive inclusive growth, empower consumers and entrepreneurs and contribute significantly to long-term economic development.

Shivani
B.Com-III

Artificial Intelligence : Friend or Foe?

Artificial Intelligence (Al) has rapidly moved from the pages of science fiction into the fabric of our everyday lives. Al is shaping how we live, learn and work. This fast-growing presence has sparked an important debate: Is a artificial intelligence a friend that empowers humanity or a foe that threatens our future?

As a friend, Al has demonstrated immense potential to improve efficiency and quality of life. In healthcare, Al systems assist doctors in detecting diseases such as cancer at early stages, analyzing medical images with remarkable accuracy. In education, adaptive learning platform personalize lessons according to students' abilities, helping bridge learning gaps- especially valuable in resource-limited and rural settings. Al also plays a critical role in agriculture, weather prediction, traffic management and disaster response, where quick data analysis can save lives and resources. For businesses, Al enhances productivity by automating repetitive tasks, allowing humans to focus on creativity, strategy and innovation.

However, concerns arise when we view Al as a foe. One of the biggest fears is job displacement. Automation driven by Al threatens to replace may routine and semi-skilled jobs, potentially increasing unemployment and economic inequality if reskilling is not prioritized. Ethical issues are equally troubling. Biases algorithms can reinforce social inequalities, while misuse of Al in surveillance, deep fakes and cybercrime poses serious risks to privacy, democracy and trust. The over-dependence on machines may also reduce critical thinking and human judgment, especially among younger generations.

Another challenge lies in accountability. When Al systems make mistakes-such as in financial decisions, medical recommendations or legal assessments-who is responsible? The programmer, the user or the machine itself? Without strong regulations and transparent design, Al could become a tool that serves narrow interests rather that the collective good.

Ultimately, artificial intelligence is neither inherently a friend nor a foe; it is powerful tool. Its impact depends on how wisely and ethically humans design, deploy and govern it. With responsible policies, inclusive education, and a strong emphasis on human values, Al can become a trusted partner in progress.

The choice is ours. Al will reflect the intentions of its creators and users. If guided by wisdom, ethics and empathy, artificial intelligence can truly be friend-one that helps humanity solve some of its greatest challenges while preserving what makes us human.

Lovepreet
B.Com-III

Work-Life Balance : A Key to a Healthy and Productive Life

Work-Life balance refers to the ability to manage academic or professional responsibilities along with personal life in a healthy and satisfying manner. In today's fast-paced and competitive world, students and young professional often face pressure to excel in studies, careers and social commitments simultaneously. Maintaining a proper balance between work and personal life is therefore essential for overall well-being and long-term success. For college students, works may include attending classes, completing assignments, preparing for examinations, internships, part-time jobs and participating in extra curricular activities. When these responsibilities are not balanced with rest, recreation, family time and self-care, it can lead to stress, anxiety, burnout and declining performance. On the other hand, a well-balanced routine helps students remain focused, motivated and emotionally stable.

Work-Life balance does not mean giving equal time to work and leisure every day. Rather, it involves setting priorities, managing time effectively, and knowing when to pause and recharge. Simple habits such as planning daily schedules, setting realistic goals, taking short breaks, exercising regularly and ensuring adequate sleep can make a significant difference. Learning to say "no" to excessive commitments and reducing unnecessary screen time also helps in maintaining balance. In the long run, students, who practice work-life balance develop better time management skills, stronger relationships and a positive attitude toward life, are more creative, productive and resilient in the face of challenges. Educational institutions can also play an important role by promoting mental health awareness, encouraging sports and cultural activities and creating a supportive academic environment. Work-life balance is not a luxury but a necessity. By nurturing both professional ambitions and personal well-being, one can build a healthier, happier and more fulfilling future.

Tina
M.Com-III

Importance of Communication Skills in Business

In today's dynamic and competitive business environment, communication skills have become a key factor in determining organizational success. Business activities involve constant interaction with employees, customers, suppliers and stakeholders and effective communication ensures that information is shared clearly and accurately. Without strong communication, even well-planned strategies may fail. Communication in business goes beyond speaking; it includes listening, writing, presenting ideas and understanding non-verbal cues such as body language and tone. Clear communication helps in setting goals, assigning responsibilities and coordination tasks among team members. When employees understand expectations clearly, productivity increases and errors are minimized.

Good communication skills are essential for building strong professional relationships. Businesses that communicate honestly and transparently gain the trust of customers and stakeholders. Sales, marketing, negotiations and customer service largely depend on how

effectively messages are conveyed. A confident and courteous communicator can positively influence customer decisions and enhance the organization's image.

In management, communication plays a vital role in leadership and decision-making. Effective leaders use communication to motivate employees, resolve conflicts and poster teamwork. Open communication creates a healthy work culture where employees feel valued and encouraged to share ideas. With the rise of digital platforms and globalization, business communication has become faster and more complex. Emails, video conferences, social media and virtual presentations require clarity and professionalism. Moreover, effective communication helps manage cultural diversity in global organizations. For students of commerce and management, strong communication skills provide a competitive advantage. They improve confidence, employability and career growth. Communication skills are not merely an additional qualification but a fundamental requirement for success in the business world.

Preeti Devi
M.Com (P)

Indian Women Entrepreneurs Who Changed the Game

India's entrepreneurial landscape has undergone a remarkable transformation in the last few decades, and at the heart of this change are women who dared to challenge conventions, break barriers, and redefine success. From technology and finance to food, healthcare, and social enterprises, Indian women entrepreneurs have not only built successful business but also reshaped industries and inspired millions of others to dream big. One of the most powerful examples is Kiran Mazumdar-Shaw, founder of Biocon. Starting in 1978 from a small garage with limited capital and little credibility in a male-dominated biotech sector, she went on to build India's largest bio technology map. Kiran Mazumdar-Shaw proved that science-driven entrepreneurship could be both profitable and socially responsible. In the digital age, Falguni Nayar, founder of Nykaa, changed the way Indians shop for beauty and personal care. After a successful career in investment banking, she took the bold step of starting her own venture at the age of 50. Nykaa broke the myth that e-commerce was only for the young and that beauty businesses could not be technology-led. Today, Nykaa is a household name and a role model for late starters and women professional across the country. Another game changer is Vandana Luthra, founded of VLCC. She built an entire wellness and beauty industry in India when the concept was almost non-existent. From a single centre, VLCC expanded globally, promoting health, fitness and confidence among women. Her journey highlighted how entrepreneurship can blend business success with empowerment and lifestyle transformation.

Equally inspiring are women social entrepreneurs like Ela Bhatt, founder of SEWA (Self-Employed Women's Association). SEWA transformed the lives of millions of self-employed women by giving them financial independence, dignity, and a collective voice. Her work showed that entrepreneurship can be a powerful tool for social change.These women challenged age, gender, social norms and structural barriers. Their stories send a clear message: entrepreneurship is not limited by background or gender, but driven by vision, courage and persistence. As India moves towards becoming a global economic power, women entrepreneurs will play a decisive role. Their journeys remind us that when women rise, businesses grow, communities strengthen and the nation progresses.

Somal
B.Com-III

E-Commerce : Transforming the Way Business Operates

E-commerce or electronic commerce, refers to the buying and selling of goods and services through the internet. It includes online retail stores, digital payments, online auctions and service platforms. E-commerce allows businesses and consumers to transact without physical presence, making trade faster and more accessible.

E-commerce has significantly changed traditional business models. It provides convenience to consumers by allowing them to shop anytime and from anywhere. For businesses, it reduces operating costs, expands market reach and enables direct interaction with customers. Small and medium enterprises especially benefit from e-commerce as it lowers entry barriers to the market.

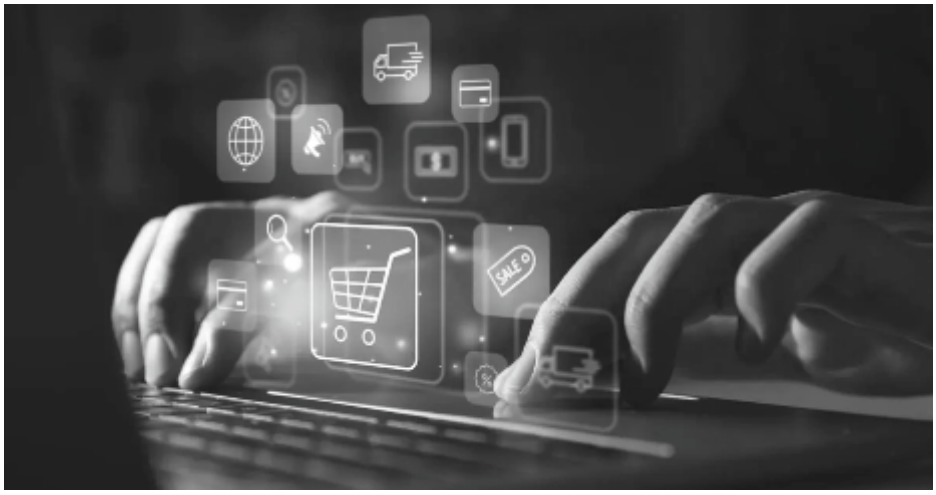

E-commerce can be classified based on the parties involved. Business-to-Consumer (B2C) involves companies selling directly to customers, such as online retail platforms. Business-to- Business (B2B) includes transactions between companies (C2C) allows individuals to sell goods to each other through online platforms. There is also Consumer-to-Business (C2B), where individuals offer products or services to businesses.

One major advantage of e-commerce is convenience. Consumers can compare prices, read reviews, and make purchases easily. E-commerce also offers wider choices and competitive pricing. For businesses, digital marketing, data analysis and customer feedback improve efficiency and decision-making. Online platforms also support digital payments, making transactions quicker and more secure.

Despite its growth, e-commerce faces several challenges. Cyber security risks, online fraud and data privacy issues remain major concerns. Lack of physical inspection of goods may lead to dissatisfaction. Logistics, delivery delays and return management also pose operational difficulties for businesses.

E-commerce contributes to economic development by generating employment, encouraging entrepreneurship and promoting digital payments. It supports innovation and connects local sellers to global markets, strengthening the overall business ecosystem.

E-commerce has become an integral part of the modern economy. While it offers efficiency and growth opportunities, it also requires strong digital infrastructure and consumer awareness. Used responsible, e-commerce is not just a trend but a sustainable model for future business.

Sunaina
B.Com-III

Mutual Funds : A Smart Path to Wealth Creation

A mutual funds is an investment vehicle that collects money from many investors and invests it in a diversified portfolio of assets such as shares, bonds, or money market instruments. These investments are managed by professional funds managers. Each investor owns units of the funds, which represent a portion of the overall portfolios.

Mutual funds play an important role in encouraging disciplined investment, especially for individuals who lack time or expertise to manage investments on their own. They offer access to financial markets with relatively small amounts of money. By pooling resources, mutual funds reduce individual risk and provide opportunities for long-term wealth creation.

Mutual funds are classified based on their investment objectives. Equity funds invest mainly in shares and aim for higher returns with higher risk. Debt funds invest in fixed-income securities and are relatively safer. Hybrid funds combine equity and debt to balance risk and return. This variety allows investors to choose funds according to their financial goals and risk appetite.

One major advantage of mutual funds is diversification. By investing in different securities, they reduce the impact of losses from any single investment. Professional management ensures that funds are handled by experts who analyze market conditions. Mutual funds also offer liquidity, as units can usually be bought or sold easily. Sysematic investment plans (SIPs) encourage regular saving and long-term discipline.

Despite their benefits, mutual funds are not risk-free Returns depend on market performance, and there is no guarantee of profits. Equity funds are particularly sensitive to market fluctuations. Therefore, investors must understand their risk tolerance and investment horizon before investing.

Mutual funds are an effective tool for achieving financial goals such as education, retirement and wealth accumulation. They help convert small savings into significant capital over time. When used wisely, they promote financial stability and independence.

Mutual funds offer a practical and efficient way to invest in financial markets. While they involve risk, informed decision-making and long-term planning can help investors achieve sustainable growth. Mutual funds are not shortcuts to wealth but structured pathways to financial security.

Nirmal
B.Com-II

Gender Equality

Gender equality, a fundamental human right, is the principle that individuals of all genders should have equal rights, responsibilities, and opportunities. It's not about making men and

women the same, but about ensuring that a person's gender doesn't determine their access to resources, their role in society, or their ability to participate in political and economic life. Achieving gender equality is crucial for building a peaceful, prosperous, and sustainable world.

Despite significant progress, the world is still far from achieving full gender parity. The World Economic Forum's 2024 Global Gender Gap Report indicates that while 97% of economies have closed more than 60% of their gender gap, no country has achieved complete equality. Key areas like economic participation and political empowerment still show significant disparities. Globally, women hold only one in four parliamentary seats. Gender-based violence remains a major issue, with a woman or girl being killed every 10 minutes by a partner or family member.

Gender equality isn't just a matter of fairness; it's an economic and social imperative.When women and girls are empowered, societies thrive. Studies show that closing gender gaps in the labour market could significantly boost a country's GDP. For instance, the IMF suggests that narrowing the gender gap in labour markets could increase GDP in developing economies by almost 8%. Gender equality also leads to greater social cohesion, better health and education outcomes, and a reduction in violence. Companies with greater gender diversity on their boards are often more profitable and have higher environmental, social, and governance (ESG) scores. It also helps in achieving many of the United Nations Sustainable Development Goals (SDGs), from reducing poverty and hunger to improving health and education.

The path to gender equality is fraught with challenges, including deeply entrenched social norms, discriminatory laws, and systemic barriers. The unequal distribution of unpaid domestic and care work, which is predominantly done by women, limits their ability to participate fully in the workforce and political life. Gender-based violence, a pervasive issue, also acts as a major barrier to progress.

Overcoming these challenges requires a multi-pronged approach. First, we need to challenge harmful stereotypes and social norms from a young age through education and public awareness campaigns. Second, governments must enact and enforce laws that ensure equal pay for equal work, protect against gender-based violence, and guarantee women's political representation. Third, companies and organizations must foster inclusive workplaces that provide equal opportunities for all genders, offer mentor ship programs, and implement flexible work policies to support parents. Finally, individuals have a role to play by challenging biased language, sharing household responsibilities, and advocating for change in their communities. Achieving gender equality is a collective effort, requiring commitment from individuals, communities, governments, and the private sector to dismantle the barriers that have persisted for centuries.

Jiya
M.Com (P)

Cyber Security

Cybersecurity refers to the practice of protecting computer systems, networks, devices, and data from unauthorized access, cyberattacks, and digital threats in an increasingly connected world. In the modern digital age, technology has become deeply integrated into everyday life, influencing how people communicate, work, shop, and manage finances. With the rapid growth of the internet, cloud computing, mobile devices, and digital payment systems, vast amounts of personal, professional, and government data are stored and transmitted online. This widespread digital dependence has also led to a sharp rise in cybercrime, making cybersecurity a critical necessity rather than an optional measure. Cyber threats such as malware, phishing, ransomware, identity theft, and denial-of-service attacks pose serious risks to individuals, businesses, and govemments alike. Malware includes harmful software like viruses, worms, Trojans, and spyware that damage systems or steal information, while phishing involves deceptive emails or messages that trick users into revealing sensitive data such as passwords and banking details. Ransomware attacks encrypt valuable data and demand payment for its release, often causing significant financial and operational losses.

Cybersecurity aims to ensure the confidentiality, integrity, and availability of information, meaning that data should be accessible only to authorized users, remain accurate and unaltered, and be available whenever required. Various types of cybersecurity work together to protect the digital ecosystem, including network security, application security, information security, cloud security, and operational security. Network security protects internal systems from external threats using tools like firewalls and intrusion detection systerns, while application security focuses on identifying and fixing vulnerabilities in software, Information security safeguards data both in storage and during transmission, and cloud security ensures protection of data hosted on cloud platforms. Effective cybersecurity measures include the use of antivirus software, strong and unique password, encryption techniques, multi-factor authentication, regular software updates, and user awareness training. In countries like India, rapid digitalization through initiatives such as Digital India, online banking, and e-governance has increased the importance of cybersecurity. The government has introduced legal frameworks like the information Technology Act, 2000, and institutions such as CERT-In to respond to cyber incidents and Improve national cyber resilience. As technology continues to evolve, emerging fields such as artificial Intelligence, machine learning, the intemet of Things, and blockchain present both new opportunities and new security challenges. Cybersecurity professionals are in high demand across the world, with career opportunities such as cybersecurity analysts, ethical hackers, security engineers, and cyber forensic experts offering strong growth prospects. Looking ahead, the future of cybersecurity will depend on proactive strategies, advanced threat detection, stronger data protection laws, and intemational cooperation to combat cybercrime.

Mafi
M.Com (P)

Plastic Pollution and Youth Responsibility

Plastic pollution has emerged as one of the most serious environmental challenges of the 21st century. From oceans and rivers to agricultural fields and even the food we eat, plastic is everywhere. Designed for convenience and durability, plastic unfortunately does not degrade easily. Instead, it breaks into microplastics that persist in the environment for hundreds of years, harming ecosystems, wildlife, and human health. Addressing this crisis requires collective action, and the role of youth is especially crucial.

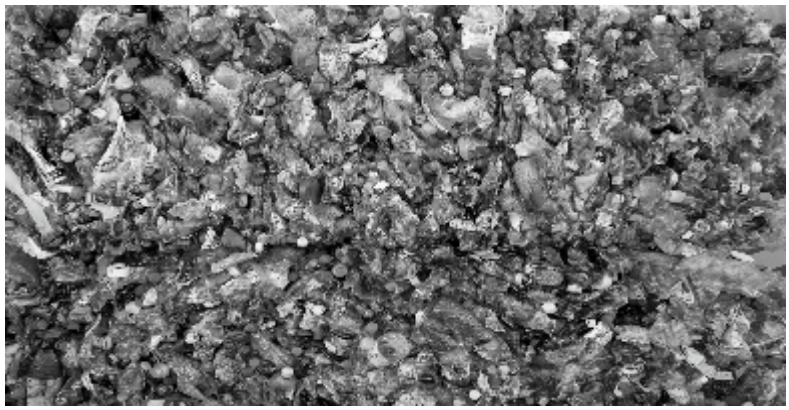

India generates millions of tonnes of plastic waste every year, a large portion of which is single-use plastic such as bags, bottles, wrappers, and packaging material. Improper waste management, open dumping, and burning of plastic worsen the problem. Marine life often mistakes plastic for food, leading to injury or death, while land animals suffer from ingestion and entanglement. Microplastics have now been detected in water, soil, air, and even in the human bloodstream, raising serious concerns about long-term health effects.

Youth represent energy, innovation, and the power to bring social change. Today's young generation is more educated, connected, and environmentally aware than ever before. This positions them as key agents in the fight against plastic pollution. Small actions taken by millions of young people can lead to significant impact. Refusing single-use plastics, carrying reusable bottles and bags, choosing sustainable products, and practicing proper waste segregation are simple yet powerful steps.

Beyond individual habits, youth can influence families, schools, and communities. Students can initiate plastic-free campaigns in colleges, organize clean-up drives, promote recycling, and spread awareness through social media, debates, and street plays. Youth-led start-ups and innovations are already offering alternatives such as biodegradable packaging, refill systems, and circular economy models. Such initiatives prove that environmental responsibility and economic opportunity can go hand in hand.

Equally important is the role of youth in demanding accountability. By questioning policies, supporting eco-friendly businesses, and urging governments and industries to reduce plastic production and improve waste management, young citizens can shape a sustainable future. Environmental responsibility is not a burden but a duty toward future generations.

In plastic pollution is not just an environmental issue; it is a social and ethical challenge. The youth of today are the leaders of tomorrow, and their choices will determine the health of the planet. By adopting responsible lifestyles, spreading awareness, and actively participating in solutions, young people can turn the tide against plastic pollution and help build a cleaner, healthier, and more sustainable world.

Swati Sharma
M.Com (P)

Social Media

Social media can be defined as online platforms that help people interact, communicate, and exchange ideas digitally. For students, social media works like a double-edged sword. When used wisely, it helps in learning and personal growth. When used carelessly, it creates serious problems like distraction, addiction, stress, and poor academic performance. Therefore, social media is often called both a boon and a curse for students.

1. Easy and Quick Communication

One of the biggest advantages of social media is fast communication. Students can easily contact teachers, classmates, and friends. Doubts can be cleared quickly through messages or calls. Important information like exam dates, assignments, and class notices can be shared instantly in groups. Social media is especially useful for students attending online classes or distance education. It helps them stay connected and updated without physical presence.

2. Helpful for Education and Learning

Social media has made learning simple and flexible. Students can watch educational videos on YouTube, attend online lectures, and join study groups on WhatsApp or Telegram. Many teachers share free notes, PDFs, recorded lectures, and practice questions online.

3. Increase in Knowledge and Awareness

Social media helps students stay updated with current affairs, national and international news, and social issues. It also helps students understand different viewpoints and develop critical thinking.

4. Development of Creativity and Skills

Many students write blogs, make videos, share artwork, photography, or perform music and dance. This builds confidence and Improves self-expression.

Social media also helps students learn new skills like communication, digital marketing, graphic design, video editing, and content creation. These skills are useful for future careers.

5. Career Guidance and Opportunities

Social media provides information about higher education, scholarships, internships, and job opportunities. Platforms like Linkedin help students connect with professionals and understand industry needs.

Online workshops, webinars, and career guidance sessions available on social media help students plan their future better.

Sneha
M.Com-I

The Future of Artificial Intelligence: Partner, Not Replacement

Artificial Intelligence is not coming. It is already here - in your phone, your bank, your doctor's clinic, and your child's classroom. The real question is no longer _if_ AI will change our lives, but _how fast_ and _how wisely_ we adapt to it.

The Next Decade: From Tool to Teammate : Today, AI writes emails and suggests streaming shows. By 2030, it will diagnose diseases from a photo, predict supply-chain failures before they happen, and give every student a 24x7 personal tutor in their own language. Businesses won't ask "Should we use AI?" They'll ask "Can we compete without it?" Small shops will use AI to manage inventory, accountants will file taxes in seconds, and courts will use it to reduce case backlogs. The shift is clear: AI is moving from a background tool to a frontline teammate.

Jobs: The Great Reshuffle, Not Apocalypse : Will AI eat jobs? Yes - and create them. Routine work dies first. Data entry clerks, toll operators, basic coders, and telemarketers face real risk. But history is proof: ATMs didn't kill bank jobs; they created relationship managers. AI will kill _tasks_, not _work_. New careers are exploding: AI ethicist, prompt engineer, machine learning auditor, drone fleet manager. The rule is brutal but simple: AI won't take your job. A person using AI will. For students, the message is urgent - learn to command AI, or be commanded by those who can.

The Three Battles We Must Win : AI's future depends on solving three battles today. _Battle 1: Bias._ If trained on unfair data, AI will deny loans to certain communities or favor one gender in hiring. _Battle 2: Truth._ Deepfakes can clone a CEO's voice to authorize fraud or spread fake videos that trigger unrest. _Battle 3: Privacy._ Wearables track health, phones track location. Who controls this data - users, companies, or governments? Winning these battles needs strong laws, ethical technology, and public awareness.

Gobal Opportunity - And Our Responsibility : The world has what it needs to make AI a force for good: young populations, growing digital infrastructure, and affordable connectivity. Nations can lead in "AI for all" - delivering affordable healthcare, precision farming, and personalized education. But only if we skill fast. Education systems must add AI literacy next to reading and math. Every graduate should know how to question AI, not just use it.

The Bottom Line : Fire cooked food and burned homes. Electricity lit cities and caused shocks. AI is the same - a powerful force with no morals of its own. It will amplify human intent. Used wisely, it can cure disease, reduce poverty, and unlock creativity. Used carelessly, it can deepen inequality and erase truth.

The future of AI will not be decided only in tech labs. It will be decided in classrooms, startups, and policy debates worldwide. The future is not _artificial_ intelligence. It is _augmented_ human intelligence. And that future begins with the choices we make today.

Ms. Bhawna
Assistant Professor of Commerce

समावेशी आर्थिक विकास और हरित उद्यमिता

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था ऐसे मार्ग पर अग्रसर है, जहाँ सतत विकास और सामाजिक समावेश एक अनिवार्य आवश्यकता बन चुके हैं। समावेशी आर्थिक विकास का तात्पर्य है ऐसा आर्थिक विकास जो समाज के हर वर्ग को अवसर प्रदान करें और किसी को पीछे न छोड़े। वहीं, हरित उद्यमिता (Green Entrepreneurship) का अर्थ है ऐसा व्यवसायिक मॉडल अपनाना जो पर्यावरण की रक्षा करते हुए आर्थिक लाभ उत्पन्न करें।

समावेशी आर्थिक विकास क्या है?

समावेशी आर्थिक विकास वह प्रक्रिया है जिसमें सभी वर्गों को बराबरी से भागीदारी का अवसर मिले, निर्धन, पिछड़े और हाशिये पर रहने वाले समुदायों को मुख्यधारा में लाया जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और वित्तीय सेवाओं की समुचित पहुँच हो। इसका उद्देश्य केवल GDP बढ़ाना नहीं, बल्कि समान अवसरों और संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण है।

हरित उद्यमिता (Green Entrepreneurship) क्या है?

हरित उद्यमिता का अभिप्राय ऐसे व्यापार और स्टार्टअप्स से है जो पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हों, नवीकरणीय ऊर्जा, रीसाक्लिंग, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, और टिकाऊ उत्पादों पर आधारित हों, हरित उद्यमिता, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन बनाने का प्रयास है।

समावेशी विकास और हरित उद्यमिता का आपसी संबंध

- ⋆ **रोजगार सृजन:** हरित उद्योगों में स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर बनते हैं, खासकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में।
- ⋆ **स्थानीय संसाधनों का उपयोग :** हरित उद्यम स्थानीय संसाधनों को प्रोत्साहित करते हैं जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलता है।
- ⋆ **महिला और युवा सशक्तिकरण :** हरित स्टार्टअप्स में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ रही है, जिससे समाज में समावेशन को बल मिलता है।
- ⋆ **स्वास्थ्य और जीवनस्तर :** हरित प्रौद्योगिकियों से प्रदूषण में कमी आती है, जिससे नागरिकों का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

भारत में हरित उद्यमिता के उदाहरण

1. **सेलको इंडिया (SELCO India) -** सौर ऊर्जा आधारित समाधानों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने वाली कंपनी।
2. **ग्रीनसोल (Greensole) -** पुराने जूतों को रीसायकल कर उन्हें फिर से उपयोग योग्य बनाना।
3. **गिव मी ट्रीज ट्रस्ट** – वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्यरत संगठन।

चुनौतियाँ

- ⋆ प्रारंभिक पूंजी की कमी।
- ⋆ हरित तकनीकों की उच्च लागत।

- जागरूकता का अभाव।

समाधान और सुझाव

- हरित स्टार्टअप्स के लिए अनुदान और ऋण सुविधाएँ उपलब्ध कराना।
- स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम चलाना
- CSR (कॉपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) के अंतगर्त हरित परियोजनाओं को बढ़ावा देना।
- सरकारी और निजी भागीदारी से स्थायी विकास को बढ़ावा देना।

निष्कर्ष

समावेश आर्थिक विकास और हरित उद्यमिता, दोनों ही आज के युग की मांग है। ये न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हैं बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आर्थिक रूप ये सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निभाते हैं।

रितिका
एम.कॉम. प्रथम वर्ष

Financial Literacy : A Key Life Skill for Today's Youth

Financial Literacy refers to the knowledge and ability to understand and manage personal finances effectively. In today's fast-changing economic environment, financial literacy has become ans essential life skill, especially for college students who are preparing to enter professional and independent life. It empowers individuals to make informed decisions about earning, saving spending, investing, and managing debt.

A financially literate person understands basic concepts such as budgeting, saving, interest rates, inflation, insurance, taxation and investments. These concepts help individuals plan their finances wisely and avoid common financial pitfalls such as overspending, excessive borrowing and falling into debt traps. With the rise of the digital payments, online banking, credit cards and instant loans, financial awareness is more important than ever.

For college students, financial literacy promotes responsible money habits at an early age. It encourages saving for future goals, managing educational expenses and understanding the importance of emergency funds. Financially aware students are better prepared to handle salaries, taxes, loans and investments once they start earning. This not only ensures personal financial security but also contributes to overall economic stability.

Moreover, financial literacy builds confidence and independence. It reduces financial stress and helps individuals make rational decisions rather than emotional ones. At a broader level, a financially literate society supports sustainable economic growth and reduces inequality.

In conclusion, financial literacy is not merely about money; it is about making smart life choices. Including financial education in college curricula and promoting awareness through workshops and activities can equip students with the skills needed for a secure and successful future.

Bhawna
B.Com-III

ALUMNI MEET

WELCOME
TO
ALUMNIMEET
2 MARCH 2025

WELCOME
TO
ALUMNIMEET
2 MARCH 2025

WELCOME
TO

ALUMNI MEET

Alumni Meet

Alumni Meet

Alumni Meet

Alumni Meet

Alumni Meet

ATHLETIC MEET

ATHLETIC MEET

SCIENCE SECTION

Faculty Editor :
Mrs. Saroj Bala

Student Editor :
Janvi

Contents

Sr. No.	Articles	Contributors	Page No.
1.	Editorial	Mrs. Saroj Bala	3
2.	The Role of Mathematics in Other Subjects	Janvi	4
3.	Save Water	Saloni Taya	5
4.	Chemistry in Daily Life	Prachi	6
5.	Use of Mathematics in Today's Digital Era	Kashish	7
6.	Symmetry in Mathematics	Simran	8
7.	Funny Facts About Physics	Janvi	9
8.	Mathematics: The Silent Symphony	Khushi	10
10.	भौतिकी	Khushi	10
11.	Human Rights and Dignity in AI systems	Sukanya	11
12.	Digital Education: Boon or Bane?	Khushi Mehla	12
13.	Math Corner- Fun with Numbers	Nancy	13
14.	एक कविता विज्ञान के रंगो में	Komal	14
15.	The Chemistry of Happiness	Komal	14
16.	Physics of everyday Life : The science ...	Neha	15
17.	The History of the Number Zero...	Jasvin Choudhary	16
18.	The Unseen Hand: How Mathematics...	Neha	17
19.	The Great Legacy: Indian Mathematicians...	Sanika	18
20.	Ozone Layer	Payal	20
21.	The Poem of Chemistry	Komal	21
22.	Neuroscience & Brain Research	Vashvi	21
23.	The Use of Physics in my Daily Activities	Tanisha	22
24.	The Mathematics of Strategy and Conflict	Sneha Gujjar	23
25.	Math about Me	Samriti	24
26.	Geometry of the Invisible: Where Numbers ...	Sanjana	24
27.	NANOTECHNOLOGY:- The Future of	Naincy	25
28.	Quantum Physics: Unlocking the secrets...	Shivani	25
29.	Chemistry Behind Ayurveda	Sakshi	26
30.	The life of a molecule	Bharti	26
31.	The Physics of Time Travel: A Scientific...	Khushi	27
32.	Meaning	Vashvi	27
33.	Sustainable Energy	Priya	28
34.	The Infinite World of Mathematics	Sakshi	28

Editorial

Dear Students

It gives me great pleasure to write this message for our college magazine, especially for all the science students who are an important part of our academic community. Science is not just a subject; it is a way of thinking, a method of understanding the world, and a tool to solve real-life problems. As students of science, you are learning how to ask questions, explore ideas, and find logical answers.

In today's fast-changing world, science plays a very important role. From mobile phones and the internet to medical discoveries and space research, everything around us is connected to science. As science students, you have the opportunity to be part of this exciting journey of discovery and innovation. You are the future engineers, doctors, researchers, and scientists who will contribute to the development of society and the nation.

However, learning science is not only about studying books or passing exams. It is about developing curiosity and a habit of observation. Always try to understand "why" and "how" things happen. Do not hesitate to ask questions in the classroom. Sometimes, the simplest questions lead to the greatest discoveries. Remember, every great scientist once started as a curious student.

At the same time, it is important to balance knowledge with values. Science gives us power, but values guide us on how to use that power wisely. As educated individuals, you must use your knowledge for the betterment of society. Whether it is protecting the environment, improving healthcare, or developing new technologies, your aim should always be to create a positive impact.

I would also like to encourage you to participate in activities beyond academics. Science exhibitions, quizzes, seminars, and projects help in building confidence and practical understanding. These experiences not only improve your knowledge but also develop teamwork, communication skills, and creativity. Our college provides many such opportunities, and I hope you make the most of them.

Failure is also a part of learning, especially in science. Experiments may not always give expected results, and problems may seem difficult at times. But do not get discouraged. Every failure teaches you something new and brings you closer to success. Stay patient, keep trying, and believe in your abilities.

This magazine is a wonderful platform for you to express your ideas, creativity, and knowledge. I am happy to see students contributing articles, poems, and scientific thoughts. It reflects your enthusiasm and talent. I encourage all of you to continue writing, sharing, and learning from each other.

In conclusion, I would like to remind you that science is not limited to laboratories or classrooms. It is present in every aspect of life. Stay curious, stay dedicated, and keep exploring. Your hard work and determination will surely lead you to success.

I wish you all the very best for your future endeavors.

Mrs. Saroj Bala
Associate Professor of Mathematics

The Role of Mathematics in Other Subjects

Mathematics is often called the "queen of sciences," and for good reason, it is not just a subject on its own, but a foundation that supports almost every other field of study. Whether it is science, commerce, arts, or technology, mathematics plays an important role in planing ideas, solving problems, and building knowledge.

1. Mathematics in Science

Science and mathematics go hand in hand. Physics uses equations to explain motion. energy, and forces. For example, Newton's laws are written in mathematical form. which makes them universal. Chemistry also relies on maths when balancing chemical equations, calculating molecular masses, or working with reaction rates. In biology, math is used to study growth patterns, genetics, and population models. Without mathematics, scientific discoveries would be incomplete, as numbers give accuracy to observations.

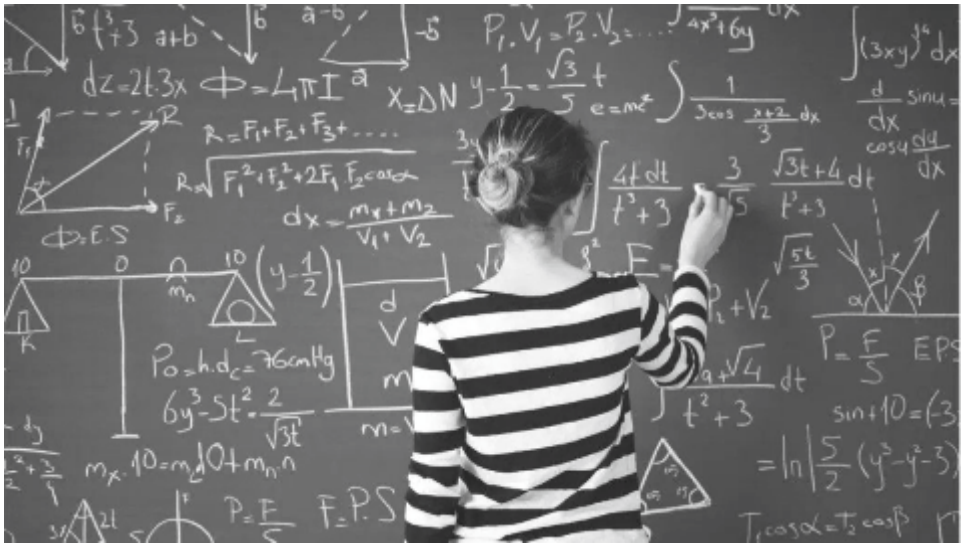

2. Mathematics in Engineering and Technology

Engineering is applied mathematics in action. Civil engineers use geometry and trigonometry to design bridges and buildings. Electrical engineers use calculus and algebra to design circuits. Computer science depends heavily on algorithms, logic, and statistics. Even artificial intelligence and machine learning are powered by mathematical models. Without mathematics, modern technology would not exist.

3. Mathematics in Commerce and Economics

Commerce students use mathematics daily. Accounting involves arithmetic and percentages for profits, losses, and balance sheets. Economics relies on graphs, equations, and statistics to explain supply and demand, growth, and inflation. Business decisions like pricing, investments, and risk analysis are all based on mathematical reasoning. In finance, subjects like banking, insurance, and stock markets cannot function without probability and statistics.

4. Mathematics in Social Sciences

Mathematics also plays a surprising role in social sciences. Psychology statistics is used to analyze human behavior. Sociology relies on surveys, data collection, and graphs to study society. Political science uses probability and mathematical models to predict elections or policy outcomes. In education, mathematics helps in measuring learning outcomes and progress. Numbers make these subjects more reliable and scientific.

5. Mathematics in Arts and Humanities

Even art and literature are connected to mathematics. Architecture is based on geometry and symmetry. Music has rhythms and beats that follow mathematical patterns. Poets often use counting of syllables to create rhythm in verses. Even in drawing and painting, proportions and perspectives are guided by mathematics. Thus, creativity and numbers work together beautifully.

6. Mathematics in Daily Life

Beyond academics, mathematics is everywhere in daily life. From calculating discounts in shopping, planning travel time, managing budgets, or even playing games, Maths is always with us. It gives us logical thinking, problem-solving skills, and the ability to make better decisions.

Conclusion

Mathematics is not just a subject studied in classrooms—it is a language of logic and reasoning that connects all fields of knowledge. Whether in science, commerce, arts, or daily life, mathematics strengthens understanding and builds progress. Truly, mathematics is the bridge that links all subjects together.

Janvi
B.Sc. III

Save Water

Water, water, everywhere,
But conservation's needed, everywhere.
Let's save water, every single day,
For a brighter future, in a better way.

Turn off the tap, while brushing your teeth,
Don't let it run, it's a wasteful feat.
Take shorter showers and use a cup,
To rinse your brushes and wash your pup.

Fix the leaks and don't be slow,
Every drop counts, don't you know?
Use drought- resistant plants in your garden too,
And water them wisely, with a gentle hue.

Water's a resource, that's precious and fine,
Let's conserve it, and make it shine.
For a future where water's abundant and free,
Is a future we can strive for, you and me?

So let's all do our part, big or small,
Save water and have it all.
Let's conserve this precious resource,
With all our might,
And make a difference, in the world's plight.

Water, water, so vital and true,
Let's save it, and see it through.
For a brighter future, we must try,
Save water, and reach for the sky.

Saloni Taya
B.Sc. III

Chemistry in Daily Life

Chemistry is all around us, influencing every aspect of our daily lives. The role in diverse areas such as personal care products, food, clothing, medicine and environmental processes. Kitchen chemistry, the science behind soaps and detergents, the composition of synthetic fabrics, pharmaceutical drugs and the chemical basis of life.

Chemistry in Daily Life.

1. **Food and Cooking :-** Chemistry helps us to understand the transformations that occur in ingredients during preparation.
   - **Banking :-** Chemical reactions between ingredients like flour, sugar & yeast create the perfect loaf of bread.
   - **Cooking:-** Heat transfer, emulsification and chemical reactions all contribute to the flavors.

2. **Personal care and Hygiene:-**
   - **Soaps and Detergents:-** Surfacants and other chemicals help to clean by emulsifying grease and dirt on the clothes.
   - **Cosmetics:-** Chemical formulations create a wide range of products from skin care creams to makeup.

3. **Clothing:-** Synthetic fibers and dyes used in clothing, manufacturing are the result of significant chemical advancement & processes.
4. **Medicine:-** Pharmaceuticals or drugs are chemical substances designed to alter body functions to treat illness and injury.
5. **Medical Imagine:-** Chemicals like contrast agents help doctors visualize the body's internal structures.
6. **Pest Control:-** Chemical pesticides and insecticides protect our houses from pests.
7. **Environmental Impact:-** Chemistry also helps us understand and address environmental issues, such as:-
   - **Air & Water Pollution:-** Chemical reactions & processes contribute to pollution, but chemistry also provides solution for mitigation and remediation.
8. **Green Chemistry:-** To make the air cleaner, many non-polluting fuels and compounds that can easily absorb contaminants from the air are being researched.
9. **Textiles:-** Wool, silk, jute, cotton, glass, fibre, polyester, acrylic, nylon and other raw, materials are used in textile industry to create usable items such as clothing, carpets, furniture, nets bags, and so on.
10. **Fuels:-** Petrol, LPG, diesel, CNG, Kerosene, oils and other fuels are all obtained through refining procedures from harsh oil found beneath the earth & crust.

Prachi
Assistant Professor in Chemistry

Use of Mathematics in Today's Digital Era

Mathematics is often called the language of the universe. In today's digital era, it has also become the language of technology. Every click on a smartphone, every online transaction, and every message sent is powered by mathematics in the background.

1. Digital Communication

Computers and mobiles use the binary system (Os and 1s) to store and transmit information. Boolean algebra helps design circuits that make communication possible. Without Maths, texting, emailing, or video calling would not exist.

2. Internet & Cybersecurity

Online banking, UPI payments, and OTPs rely on encryption. Encryption methods use prime numbers. modular arithmetic. and probability to keep information secure. This ensures our personal and financial data stays safe.

3. Social Media & Apps

Platforms like lnstagram, YouTube and Facebook use algorithms (based on statistics and probability) to recommend content. Graph theory connects friends, followers, and networks. Data analytics measures likes, shams, and engagement.

4. Artificial Intelligence (Al) & Machine Learning

Al is built on linear algebra, calculus, and probability Face recognition, voice assistants, chatbots, and self-driving cars are all mathematical applications. These technologies -learn" patterns using statistical models.

5. Digital Imaging & Entertainment

Geometry and trigonometry help to create 3D animations, video games, and virtual reality. Fourier transforms compress music and videos (MP3, MP4 formats). Every selfie you take is stored as millions of mathematical values (pixels).

6. Big Data & Decision Making

Businesses, governments, and scientists collect huge amounts of digital data. Statistics, probability, and regression models help in making predictions—like weather forecasting, stock market trends, and healthcare analytics.

7. Online Education & Digital Tools

Platforms like Google Classroom and Zoom rely on algorithms and network mathematics. Adaptive learning apps use statistics to personalize study plans for students.

Conclusion

In today's digital era, mathematics is not confined to classrooms or textbooks. It is the invisible force behind every swipe, click, and digital innovation. From secure payments to artificial intelligence, Maths shapes the future of technology and makes the digital world smarter, faster, and safer.

Truly, mathematics is the heart of digitalization.

Kashish
B.A. II

Symmetry in Mathematics

The golden ratio and symmetry.
Every construction's backbone is Geometry.
Algebra and statics help us all,
In creating structures like
a school building, home or mall.
Mathematics has made everything possible,
By identifying coordinates and
making everything traceable.
It helps us make combinations and
find the probability,
It goes by proof and enhances our ability.
To analyze and solve a problem,
To learn to share by dividing candies and
being awesome.
We see mathematics in
all little and big forms,
And it helps us find the probability
of thunderstorms.
Symmetry always helps us all,
And make beautiful all creatures
beautiful great and small.
Trigonometry is used to find
the distance between rivers,
We also use mathematics to
find the height of pillars.
From counting stars and birds,
To learning area, volume and law of surds.
In the real world it has imaginary numbers,
With maths in hand we can always create wonders.
It is just to use it in the right way,
All ideas are proved, none is stray.
It never stops but goes on till infinity,
Look around you and you'll find
many examples of mathematics in your vicinity.

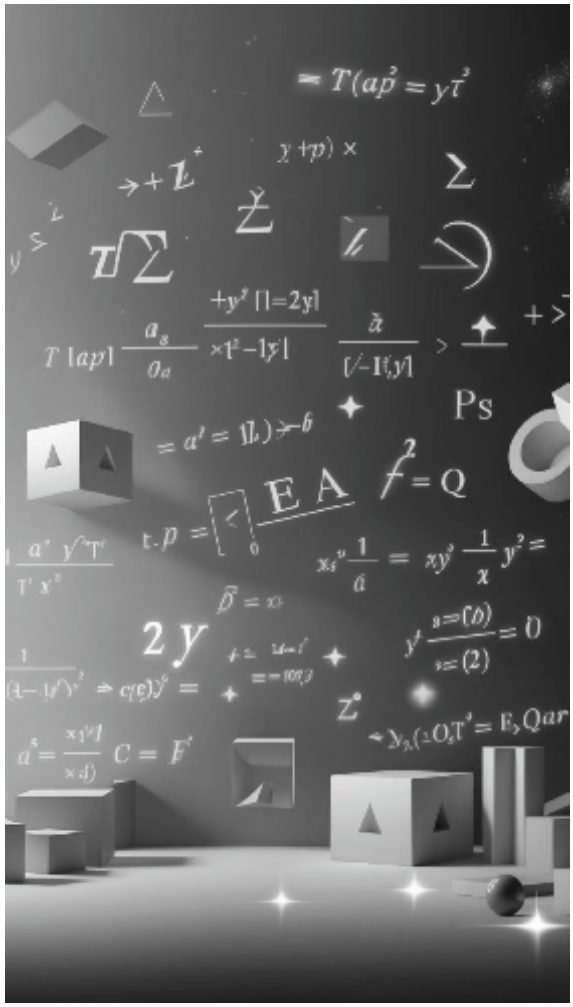

Simran
B.Sc.I

Funny Facts About Physics

Physics is full of fascinating facts that can make you laugh, think and appreciate the world around you. Here are some general and funny facts about physics:-

1. **Schrodinger's cat:-** In 1935, physicist, Erwin Schrodinger created a through experiment where a cat is in a box with a radioactive atom that might decay, releasing poison and killing the cat. According to quantum mechanics, the cat is both alive and dead until the box is opened. Talk about a cat-astrophic situation.
2. **Time Travel:-** According to Einstein's theory of relativity, if you were to travel at 90% of the speed of light for a year, you'd age about 6 months while the rest of us would age 7 years! That's one way to stay young!
3. **The Butterfly Effect:-** Small changes can have big effects.

   For example:- The flap of a butterfly's wings can potentially cause a hurricane on the other side of the world. Who knew butterflies were so powerful?
4. **Quantum Entanglement:-** Imagine two particles connected in such a way that if you do something to one, the other instantly reacts, even if they, re mean on opposite sides of the universe! It's like they have a secret language that defines space and time.

5. **Gravity:-** If you drop a penny from the Empire state building, it won't gain enough speed to kill someone on the ground. Sorry, Spider-Man fans, but physics isn't on your side here!
6. **Super conductors:-** Some materials can conduct electricity with zero resistance, meaning they can carry electricity forever without losing any energy. It's like a never-ending power loop!
7. **Dark Matter:-** About 85% of the universe is made up of dark matter, which we can't see but directly detect. It's like the universe's biggest game of hide and seek.

These facts show just how weird and wonderful physics can be. Whether it's the strange behavior of particles or the mind-bending effects of relativity. Physics is full of surprises that keeps us laughing and learning.

Janvi
B.Sc. III

Mathematics: The Silent Symphony

Mathematics is more than a sum,
A quiet song that makes minds hum,
It starts with numbers, one, two, three,
And grows into vast infinity.

It whispers through each curve and line,
In patterns grand, in forms divine.
From spinning planets, moons in flight,
To morning shadows, soft with light.

Algebra sings of "X" unknown,
of puzzles waiting to be shown.
Geometry paints with shapes and space,
A circle's calm, a triangle's grace.

Calculus climbs where slopes are steep,
It measures change, both slow and deep.
Limits guide us, step by step,
Through mysteries both vast and kept.

Statistics tells what chance might say,
How likely dreams will find their way.
It counts, it weighs, it makes us see,
The truths within uncertainty.

Mathematics sharpens thought,
With every proof and every knot.
It asks us not just what is true,
But why the truth is shining through.

And though its language may seem cold,
Its beauty glitters, pure as gold.
For hidden in each rule and sign,
Lives wonder, human and divine.

So here's to math- both vast and deep,
A treasure every mind can keep.
For in its rhythm, strong and free,
Resides the heart of mystery.

Khushi
B.A. I

भौतिकी

भौतिकी (Physics) एक इश्क है,
ऊर्जा का द्रव्यमान से,
गति का विराम से,
सूर्य को है चाँद से।

भौतिकी मंजर है वो,
हर दृश्य है जिसमें पले,
है से निर्वात तक सबकुछ है इसमें मिले।

ये खूबसूरत आसंमा, मधुर, मधुर सा वो पवन,
बारिशों का बूंद और मर्मरी प्रकाश इंद्र धनुष का मिलना।

जगमगाती स्टार से ब्लैक होत तक का सफर
तारों के प्रकाश का होना कभी रधर तो कभी उधर
गैलेक्सियों का रिपल्शन अट्रेक्शन।
सूर्य के प्रकाश का चंद्रमा से परावर्तन।

भौतिकी एक प्रेम है, है ब्रह्माण्ड का करिश्मा।
भौतिकी चाहत है ये, धडकानों का धड़कनों।

Khushi
B.Sc. II

Human Rights and Dignity in AI systems

The intersection of Human rights and dignity in Ai systems is a critical area of focus in the development, deployment, and governance of artificial intelligence. As AI technologies become increasingly integrated into society they pose both opportunities and risks for upholding.

What are Human Rights and Dignity?

- Human Rights are basic rights and freedoms that belong to every person, such as the right to privacy, freedom of expression, and non discrimination.
- Human dignity is the intrinsic worth of every human being. If underpins human rights and emphasizes respect, autonomy, and the human treatment of individuals.

Risks to Human Rights from AI Systems.

1. **Privacy violations:-** Mass surveillance and data harvesting infringe on the right to privacy.

   Ex- Facial recognition systems that track individuals without consent.

2. **Lack of Transparency and Accountability:-** Affects the right to a fair trial and due process.

   Ex- "Black box" algorithms making decisions without clear reasoning.

Principles for Protecting Human Rights in AI

1. **Human Centered Design:-** AI should serve human interests and enhance human capabilities rather than replace them
2. **Transparency and Explainability:-** Users should understand how AI systems work and how decisions are made.
3. **Accountability:-** Clear responsibility should exist for AI outcomes, especially when harm occurs.
4. **Privacy and Data Protection:-** AI systems must adhere to robust data governance standards and uphold user consent.

Conclusion:- Ensuring human rights and dignity in AI systems is not only a moral imperative but a legal and societal one. Responsible AI development must be rights based, with mechanisms to protect individuals from harm and empower them in digital ecosystems.

Sukanya
PGDCA

Digital Education: Boon or Bane?

1. **The Rise of Digital Education**

- Growth of online classes during COVID-19.
- Platforms like BYJU's, Coursera, Unacademy, and YouTube.
- Student accessing global knowledge at their fingertips.

2. **Digital Education: A Boon**

- Accessibility for rural & urban students alike.
- Cost - effective learning (free online resources, e-books).
- Personalized learning pace (recorded lectures. AI- based tutors).
- Interactive methods: Simulations, 3D models, AR/VR classrooms.

3. **Digital Education : A Bane**

- Screen addiction and reduced physical activity.
- Lack of personal interaction with teachers and peers.
- Unequal access due to digital divide.
- Reduced attention span due to distractions (social- media, gaming).

4. **The Hybrid Model: Best of Both Worlds**

- Blended learning: Combining a classroom teacher with digital tools.
- Examples: Smart classrooms, online test, virtual labs.
- The future of education lies in balance, not replacement.

5. **Future of Digital Education**

-

Role of AI tutors, VR classrooms and gamified learning.

- Impact on jobs and skill-based learning.
- Government initiatives (like SWAYAM, DIKSHA, National Digital University in India).

Quote: "Technology will never replace great teachers, but technology in the hands of great teachers can be transformational.

Khushi Mehla
B.Sc.III

Math Corner- Fun with Numbers

The Equation of Life

Life is like Mathematics,
full of + and - signs.
Happiness multiplies ×,
when we divide ÷ it with friends.

Dreams are functions f(x),
sometimes linear, sometimes curved.
We search for the limit $\rightarrow\infty$,
yet learn the beauty of small steps, dx.

Failures subtract- our hopes,
but add + to our wisdom.
Every mistake is an equation,
solved better the second time.

Friendship is parallel lines | |,
always side by side.
Love is a circle, ○
with no beginning and no end.

In the exam of life,
marks don't matter much.
What matters is the formula we learn:
Hard work + Hope = Growth.

Life in Numbers

Add some hope, subtract the fear,
Multiply smiles, keep friends near.

Divide the sorrow, share the cheer,
square your dreams, make goals clear.

Integrate efforts, success will grow,
Differentiate doubts, let courage show.

In this equations, one truth is bright:
Math and life both add up right.

Math Jokes

- Why was 6 afraid of 7?
  Because 7 ate 9 !
- Parallel lines have so much in common...
  It's a shame they'll never meet.
- Without geometry, life is *pointless*.
- What did Zero say to eight?
  "Nice belt!"

Math Riddles

1. I am an odd number. Remove one letter and I become even. What am I?
   ☞Seven
2. A snail climbs 3m each day but slips 2m at night. How many days will it take to climb a 10m wall?
   ☞ 8 days
3. I am a number less than 100. When divided by 2,3,4,5 or 6 I leave remainder 1. What number am I?
   ☞61

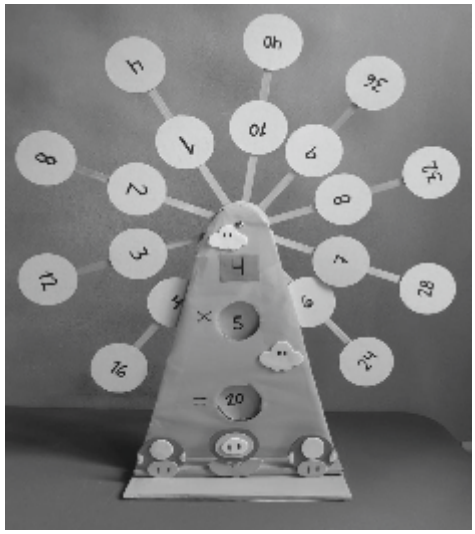

Nancy
B.A. I

एक कविता विज्ञान के रंगो में

अणु जब मिलते हैं, बनती है बात,
इलेक्ट्रॉनो की चलती है सौगात।
प्रकृति के नियमों का ये है जादू,
रासायनिक बंधन में बंधे है हर वादू।

हाइड्रोजन, ऑक्सीजन मिल जाए जब,
बनता है पानी मिटती है प्यास तब।
कार्बन की शंखलाएं कितनी गहरी,
जीवन की नीव वही तो कहरी।

एसिड हो या हो क्षार,
इनके बीच चले विचार।
न्यूट्रलाइज हो जाए भावना,
PH बताता है उसकी भाषा।

परमाणु के भीतर की ये मात्रा,
न्यूट्रॉन, प्रोटॉन और ऊर्जा की पात्रा।
आइसोटोप्स की अपनी कहानी,
रेडियोधर्मी होकर भी निभाए जवानी।

रसायन है कला, विज्ञान का श्रृंगार,
हर प्रयोगशाला में चलता है इसका व्यापार।
कभी सुगंध, कभी रंगो की बात,
कभी विस्फोट, कभी शांति का साथ।

तो मत समझो इसको बस किताबो की चीज,
ये है जिंदगी की हर सांस में धुली मीज।
रासायन से ही तो जीवन है रंगीन,
ये विज्ञान नहीं– एक कविता है बेहतरीन।

Komal
B.Sc. III

The Chemistry of Happiness

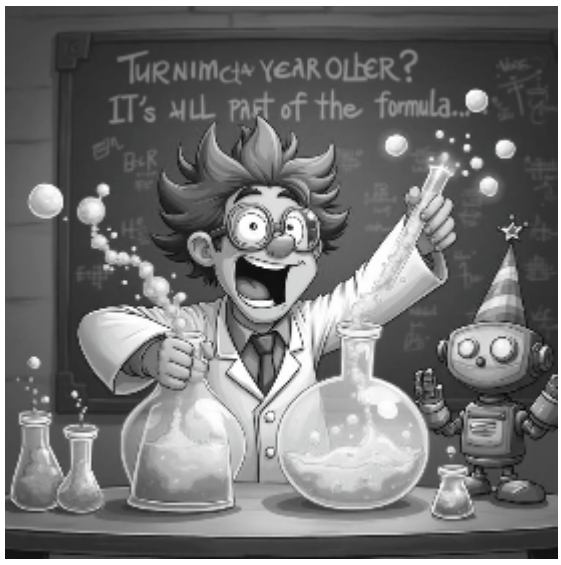

The 'Chemistry of Happiness' refers to the complex interplay of brain chemical (Neuro trans mitters and hormones) that influences our mood, emotions and overall sense of well being. Happiness is not about constantly being in a state of eupheria- it's about having a balance of brain chemicals that promote resilience, contentment and meaning. We can influence own brain chemistry through conscious habit.

- Regular exercise, balance diet, good sleep hygiene, meditation, positive social connections are life style habits that support happiness chemistry. A nutritious diet rich in specific amino acids, such as tryptophan and tyrosine provides the necessary building blocks.
- Science has not reduced a profound human experience to a simple formula. Instead, it has offered a practical toolkit for enhancing our mental and emotional health. A more mindful and intentional journey to nourish the inner chemistry that substance our joy and resilience. We are, in a real sense the alchemists of our well being, capable of consciously shaping our inner world through our daily choices.

Komal
B.Sc. III

Physics of everyday Life : The science behind mobile phones and wi-fi

- In today's modern world, mobile phones and Wi-Fi have become an essential part of our daily lives. From calling and studying to shopping and social networking, everything is dependent on these technologies. But behind these devices, lies the fascinating world of physics, which makes their working possible.
- A mobile phone is not just an electronic device, but a miniature laboratory of applied physics. When we speak on a call, our voice is converted into electrical signals that are transmitted as radio waves through cell towers. Mobile communication works at specific frequencies, for example, 4G uses 2-8 GHz while 5G operates up to 100GHz, Microchips of phones are made of semiconductors, which function on the principles of quantum mechanics. Even the touchscreen of our phone is based on electro statics. When we touch the screen, our finger disturbs the electric field, and the phone detects this change to perform the command.
- Wi-Fi, which stands for wireless Fidelity, is another brilliant example of physics in action. It works using electromagnetic waves in the 2.4 GHz and 5 GHz frequency bonds. Just like sound needs air to travel, digital data is transmitted through radio waves. The strength of a Wi-Fi signal depends on distance, obstacles and wave interference, which is why it weakens when there are walls in between. Information is transmitted in small data packets using modulation techniques, where the amplitude or frequency of waves is changed. Even Wi-Fi security systems are based on mathematical and physical principles of encryptions.

- The significance of these technologies is immense. The mobile phone in our hand and the Wi-Fi we use every day are living examples of how physics transforms human life. From Maxwell's electro-magnetic theory to Einstein's relativity applied in GPS, physics silently works behind the scenes to keep us connected to the world.

Neha
B.Sc. I

The History of the Number Zero...

Exploring the mathematical sciences through a historical paradigm can seem confusing because it is difficult for the human mind to perceive this knowledge's artificiality. For example, numbers and number relationships seem to be perfectly natural phenomena whose patterns can be found in the study of plants, genetic mechanisms, or population biology. However, numbers are only mathematical models that have been invented by human.

As fundamental arithmetic elements, zero appeared in antiquity simultaneously with the positional number system's recognition. For example, the ancient Babylonians used the hexadecimal system, in which zero was depicted as a skip in a cuneiform cell ("A history of zero" 2019). In this sense, both the Babylonians and the Sumerians did not perceive the zero as a separate, independent digit but was instead an indicator of the absence of a sign. In the other civilizations of the Ancient East, zero was not present: the ancient Greeks and Romans used letter designation for large numbers, while the Chinese and Egyptians replaced zeros in 100 with hieroglyphics.

On the other hand, zero was present in the arithmetic alphabet of the Maya and Inca tribes. For the Maya people, the symbolism of an empty shell was used instead of the traditional zero: this is how they illustrated both emptiness and infinity (West, 2019). Inca mathematics was based on the knot system's use, in which one loop of a knot showed the number one. Then zero was illustrated with a skip on a string so that the Incas could understand when it referred to the absence of something.

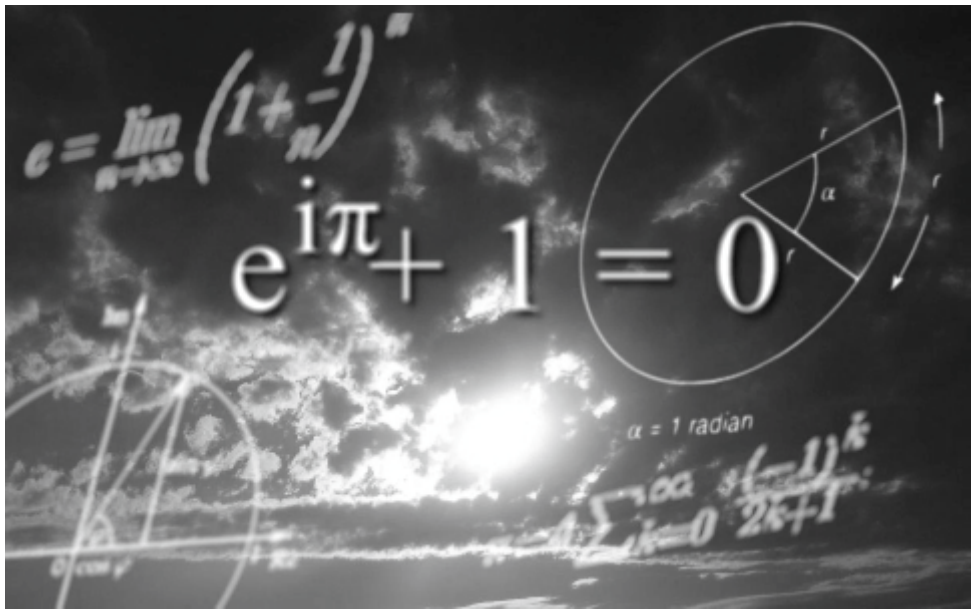

The first mention of the zero, depicted in a circle, was found in an Indian manuscript in 876 BC (Gibbens, 2017). The discovery indicated the wide use of this number for literature, poetry, and calculations from India, the zero came to the Arab countries, from where Europe borrowed it.

In medieval Europe, several attempts were made to interpret the phenomenon of Zero. According to extant information, Europeans tried to find the origins of this number by translating ancient Greek and Arabic texts. From the 16th century onwards, Zero become a widespread practice in Western Germany and has since fully acquired its modern meaning, mostly thanks to Leonhard Euler's writings.

Jasvin Choudhary
B.Sc.II

The Unseen Hand: How Mathematics Shapes Our Daily Lives

Mathematics is often seen as a challenging subject confined to textbooks and classrooms. We tend to associate it with complex equations, abstract theories, and difficult exams. However, the truth is that mathematics is a fundamental part of our world, quietly working behind the scenes to make our daily lives more efficient, organized, and understandable. From the moment we wake up until we go to sleep, we are constantly interacting with the principles of mathematics. Here's a look at the essential role math plays in our everyday existence.

1. Managing Your Money

Mathematics is the bedrock of personal finance. Every time you budget your monthly expenses, save for a new gadget, or plan for a trip, you are using basic arithmetic.

- **Budgeting:** You calculate your income and subtract expenses like rent, food, and bills. This simple process of addition and subtraction helps you stay financially healthy.
- **Shopping:** When you're at the supermarket, you use math to compare prices, calculate discounts, and figure out the final cost of your items.
- **Investing:** Understanding concepts like interest rates, compound interest, and return on investment (ROI) is crucial for making smart financial decisions that can secure your future.

2. Time and Navigation

Our entire system of telling time and finding our way around the world is built on mathematical principles.

- **Timekeeping:** A clock is a perfect example of applied mathematics. The division of a day into 24 hours, an hour into 60 minutes, and a minute into 60 seconds is a system based on simple numerical relationships.
- **GPS and Maps:** When you use your phone's GPS to find your way to a new restaurant, the technology relies on a complex network of satellites and geometric calculations (triangulation) to pinpoint your exact location. Without math, finding your way would be a much more difficult and uncertain task.

3. Technology and Communication

The digital world we live in is powered by mathematics. Every click, swipe, and scroll on our devices is a result of complex mathematical algorithms.

- **Computer Science:** The core of computer programming is binary code (0s & 1s), which is a mathematical language. From the software on your laptop to the apps on your phone, everything is built on mathematical logic.

- **Internet Security:** When you use a secure website (like for online banking or shopping), the security is ensured by complex cryptographic algorithms that use prime numbers and other mathematical concepts to encrypt your data. This makes it nearly impossible for hackers to steal your information.

4. Art, Design, and Creativity

Math isn't just for scientists and engineers; it is also a powerful tool for artists and designers. • Geometry in Design: Principles of geometry are used in architecture, graphic design, and even fashion. Architects use mathematical calculations to ensure a building is stable and aesthetically pleasing. . Symmetry and Patterns: Concepts like symmetry and tessellations (patterns that repeat without gaps) are fundamental to creating beautiful and balanced designs, whether in a painting or a repeating wallpaper pattern.

5. Sports and Health

Even in the worlds of sports and health, math provides a crucial framework for analysis and improvement.

- **Sports Analytics:** Coaches and players use statistics to analyze performance. predict outcomes, and develop strategies. From a batting average in cricket to the number of passes in football, math helps us understand the game at a deeper level.
- **Health and Medicine:** When a doctor calculates the correct dosage of medicine for a patient or a nutritionist counts calories and macros, they are using mathematics to ensure accuracy and safety.

In conclusion, mathematics is not just a subject to be studied; it is a way of thinking that is essential to our modern world. It is the language of logic, the foundation of technology, and a tool for problem-solving in every aspect of our lives. By appreciating its presence, we can gain a better understanding of the world around us and our place within it.

Neha
B.A. III

The Great Legacy: Indian Mathematicians Through the Ages

From ancient times to the modern era, India has been a cradle of mathematical innovation. This list highlights some of the most influential Indian mathematicians who have shaped the field, from foundational concepts like zero to groundbreaking modern theories.

Ancient & Classical Pioneers

Aryabhata (c. 476-550 CE): Often called the father of Indian mathematics, he authored the **Aryabhatiya**, which described an accurate value for **pi(\pi)** and a place-value number system that included zero. He also proposed that the Earth rotates on its axis.

Brahmagupta (c. 598-668 CE): He was the first to formalize rules for working with zero and negative numbers, treating them as full-fledged mathematical entities. His work laid the groundwork for modern algebra.

Bhaskara II (c. 1114-1185 CE): A true polymath, he wrote the famous book **Lilavati**, which explained algebra, arithmetic, and geometry in a poetic and engaging style. He also made early contributions to what would later become calculus.

Madhava of Sangamagrama (c. 1340-1425): He is considered the founder of the Kerala school of astronomy and mathematics. Centuries before European mathematicians, he developed concepts of infinite series, including series for **pi(\pi)** and trignometric functions.

Modern & Contemporary Giants

Srinivasa Ramanujan (1887-1920): A self-taught genius, Ramanujan made extraordinary contributions to number theory and infinite series with almost no formal training. His intuitive insights produced thousands of theorems and formulas that baffled and inspired the mathematical world.

P.C. Mahalanobis (1893-1972): A brilliant statistician, he is best known for the **Mahalanobis distance**, a widely used measure in data analysis. He was instrumental in establishing the **Indian Statistical Institute (ISI)**, a premier institution for research.

Satyendra Nath Bose (1894-1974): While primarily a physicist, his mathematical work on quantum mechanics was so fundamental that a class of subatomic particles, the **bosons**, was named after him. His research on **Bose-Einstein statistics** is a cornerstone of modern physics.

D. R. Kaprekar (1905-1986): A delightful example of a recreational mathematician. He discovered the **Kaprekar constant (6174)**, a unique four-digit number that can be reached from almost any other four-digit number through a simple repetitive process.

Harish-Chandra (1923-1983): His groundbreaking work in **representation** theory bridged the gap between mathematics and physics. His theories are fundamental to understanding symmetries in quantum mechanics and have been highly influential globally.

S.R. Srinivasa Varadhan (b. 1940): An Indian-American mathematician, he won the **Abel Prize** in 2007 for his work on probability theory. He created a unified theory of **large deviations**, which has applications in fields ranging from finance to risk management.

Manjul Bhargava (b. 1974): A recipient of the **Fields Medal** in 2014, one of mathematics' highest honors. He is celebrated for his revolutionary new methods in **number theory** and for solving long-standing problems in a surprisingly simple manner.

Akshay Venkatesh (b. 1981): Another **Fields Medal** winner from 2018, his genius lies in finding connections between different, seemingly unrelated areas of mathematics. His work on number theory, representation theory, and ergodic theory is deeply profound.

Neena Gupta (b. 1984): A young mathematician who was awarded the **Ramanujan Prize** in 2021 for her outstanding work in **algebraic geometry.**She famously solved the **Zariski Cancellation Problem**, a difficult challenge in the field.

Sanika
B.A. III

Ozone Layer

The Ozone Layer :- A vital shield for our planet. The Ozone Layer is a thin Layer of gas in the earth's atmosphere that protects life on our planet by absorbing most of the Sun's harmful ultraviolet(UV) radiation. Located about 15-30 Kilometers above the earth's surface, this layer contains a high concentration of ozone (O_3) a molecule made up of three oxygen atoms.

Importance of Ozone Layer

- **Protects Human Health:-** Absorbs UV radiation, reducing the risk of skin cancer, cataracts and other health problems.
- **Preserves Ecosystem:-** Shields plants and marine life from UV damage, maintaining ecological balance.
- **Regulates Earth's Temperature:-** Play a role in regulation of earth's temperature by absorbing some of the Sun's energy.
- **Supports Bio-diversity:-** The Ozone layer maintains the balance of ecosystem.

Supporting: 1) Plant growth and development.
2) Animal habitats and migration pattern.

- **Shields planet's water:-** Protects oceans, Lakes, and rivers from UV damage preserving aquatic life.

Threats to the Ozone Layer

- **Ozone Depleting Substance (ODS):-** Chlorofluro carbon (CFCs) and halons destroy ozone layer.
- **Industrial Emission:-** Pollution from factories and power plants contributes to ozone depletion.
- **Climate Change:-** Global warming can alter atmospheric circulation, affecting ozone Levels.

Substances:

1. **Halons:-** Used in fire extinguishers, halons contributes to ozone depletion.
2. **Methyl Bromide:-** Used as a pesticide and in quarantine and pre-shipment for international trades.
3. **Carbon Tetrachloride:-** Released from industrial processes and products.
4. **Hydrochloro fluoro carbon (HCFCs):-** Used as substitutes for CFC's, but still contribute to ozone depletion.

Recovery Efforts:- The montreal protocol, on international agreement signed in 1987 has been intrumental in reducing ODS emissions and promoting the recovery of the ozone layer Acc. to 2023 United Nations assessment, the ozone layer is expected to recover to 1980 level by around 2066 over Antarctica, 2045 over the Arctic, and by 2040 for the rest of the world.

Payal
B.Sc. III

The Poem of Chemistry

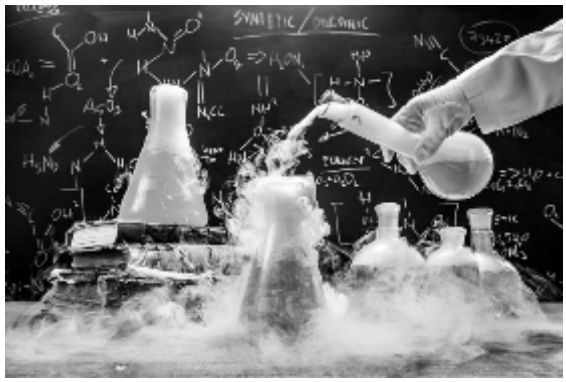

- In the heart of atoms, mysteries reside, where protons and neutrons quietly bide electrons dance in orbits wide. A quantum waltz they cannot hide.
- From hydrogen, light as a breath of air, to organism, heavy and rare. The perodic table, row by row. Tells of elements and what they show.
- Bonds of love- ionic or covalent, holding fast or loosely prevalent, from salty seas to sugars sweet, In every cells, these bonds repeat.
- Acids sizzle with a tangy might, while bases feel so smooth and light, Titration drop like rhythmic rain, Balancing pre, pleasure and plain.
- Reaction flare in fire and foam, In beakers, flasks- a chemist's home, combustions roar, precipitates fall, equations write the tale of all!
- Chemistry speaks in silent ways, of ancient stars modern days. It binds the world in unseen threads, from crystal rocks or softest breads. So here's to the science that shapes our fake.
- From the food we eat, to the love we create.
- For in each bond, reaction and spark, lies the magic that lights up the dark.

Komal
B.Sc. III

Neuroscience & Brain Research

- Not very long ago, the feasibility of mapping the distinguishable regions of the human brain in relation to their function roles seemed remote.
- Neuro chemistry & experimental psychology, deals with the structure or function of nervous system and brain.
- Neuroscientists focus on the brain and its impact on behaviour and cognitive functions. Not only neuroscience is concerned with the normal functioning of nervous system but also what happens to nervous system when people have neurological, psychiatric and neuro developmental disorders.
- These days, it is an inter disciplinary science which liaises chosely with other disciplines, such as mathematics, linguistics, engineering, computer science, chemistry, philosophy, psychology & medicine.
- Neuroscientists are involved in a much wider scope of fields today than before. They study the cellular, functional, evolutionary, computational, molecular, cellular & medical aspects of nervous system.
- The challenge now is to establish a comprehensive initiative that will increase the ability of neuroscientists to make discoveries about the brain & to apply this knowledge to many mental & neurological disorders that effect human kind.

Vashvi
B.Sc. I

The Use of Physics in my Daily Activities

- Science, which is defined as the rigorous effort by mankind to understand how the nature functions, has emerged as the most important field of study in modern times. Through scientific studies, humans have been able to understand the world better and come up with numerous inventions that have improved life. One important branch of science is physics, which has numerous applications in the world. Most of the activities that people engage in on a daily basis involve same aspects of physics. Here I will discuss the use of physics in some of the my daily activities in order to highlight the wider spread of impact of this branch of science in human life.

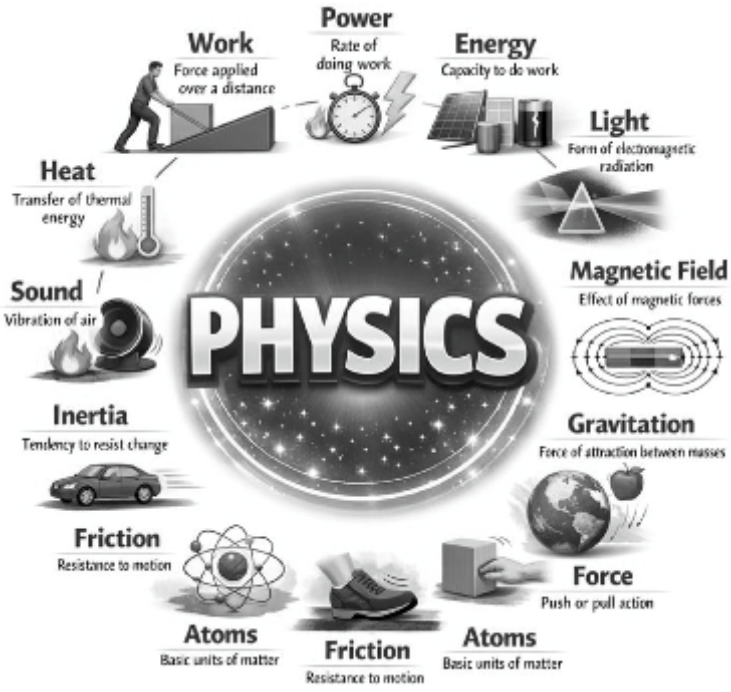

- The physics principle of friction is arguably one of the most influential in my daily activities. From the moment I get out of bed in the morning to when I retire to sleep, friction is at work. By definition, friction is the force that acts opposite to movement. This force enables me to get out of bed and walk of my room. Friction enables me to walk since there is friction between the floor and my foot. Without it, I would not be able to move forward but would instead slide and fall to the floor. This force makes it possible for me to wash my face using soap and water.
- The physics force of gravity manifests itself in many of my daily activities. The force of gravity define the force that pulls objects towards the center of the earth. Without gravity, the ball would continue going upwards and as such it would be impossible to enjoy the sport.
- When I am spraying the cattle with water using a bucket, I make use of inertia. By definition, inertia is the tendency of a body to maintain its state of rest or motion in spite of a change in velocity for example, when we throw a bucket of water at the cattle, we swing the bucket and bring it to a sudden stop. However, the water contained in the bucket continues moving in spite of this sudden change in the velocity of the bucket. This causes the water to move outside the bucket and land on the cattle.

Tanisha
B.Sc. III

THE MATHEMATICS OF STRATEGY AND CONFLICT

Introduction:- Game theory is a branch of mathematics that studies strategic interactions among rational decision-makers. It provides a framework for analyzing situations where the outcome for each participant depends not only on their own choices but also on the choices of other.

Since its formalization in the 20th century, game theory had grown into a powerful tool used in economics, political science, biology, computer science, and even everyday decision making. At its heart, game theory is the mathematics of strategy and conflict. It allows us to explore how individuals and group behave in competitive or cooperative system settings and how rational strategies can be formulated when outcomes are uncertain. This essay explores the foundations of game theory, its central concepts and its wide-ranging applications across disciplines.

BASIC CONCEPTS OF GAME THEORY: Game theory models situations as games with players, strategies and payoffs. Players are the decision-makers in the game (individuals, firms, countries or even genes in evolutionary biology).

• Strategies are the possible actions each player can take.

• Payoffs are the outcomes, often expressed in terms of reward, profit, or utilities that players receive depending on the chosen strategies.

Game theory distinguishes between zero sum games where one players gain is another's loss. (e.g chess or poker) and non-zero- sum games where cooperation may lead to mutual benefit. (e.g. trade negotiations)

CONCLUSION:- Game theory is a powerful mathematical framework that has reshaped our understanding of strategy and conflict from economics and politics to biology and computer science, it provides insights into how rational agents interact, compete and cooperate. Concept such as Nash equilibrium, mixed strategies and cooperative solutions reveal the delicate balance between individual incentives and collective outcomes.

While not without its limitations, game theory remains one of the most influential mathematics tools of the modern era. It not only depends on our understanding of human and natural behavior but also offers practical solutions to real-world challenges. Ultimately game theory demonstrates how mathematics can illuminate the complexities of strategies and conflict in a world of interdependent choices.

Sneha Gujjar
B.Sc.I

Math about Me

Math about Me :-
Numbers, numbers all around,
Everywhere they can be found.
Numbers tell how old I am,
and how much people is my fem.
How much I weigh and just how tell,
where I live and that's not all!
Numbers are part of me,
money, time, and history.
When to wake up and when to eat.
what size shoes to buy for my feet.
How much money something costs,
A number to call if my dog gets lost.
I don't know where I would be,
If numbers weren't a part for me!

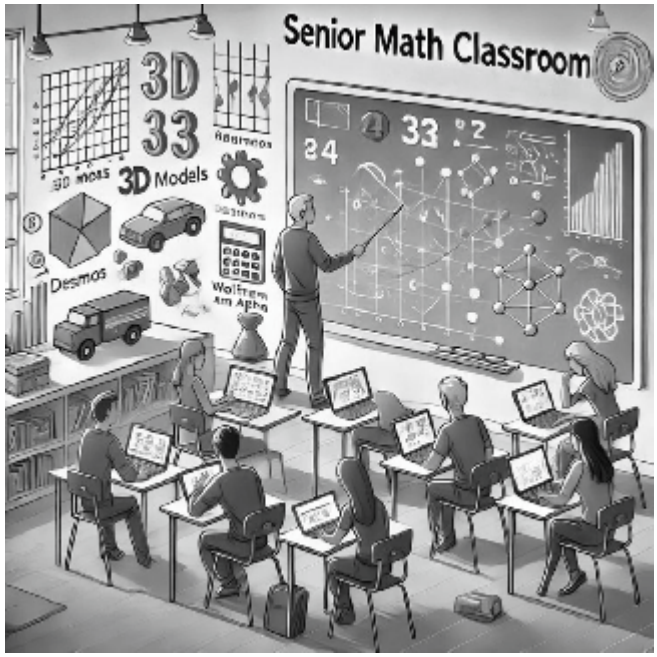

Samriti
B.Sc.I

Geometry of the Invisible: Where Numbers Meet beauty

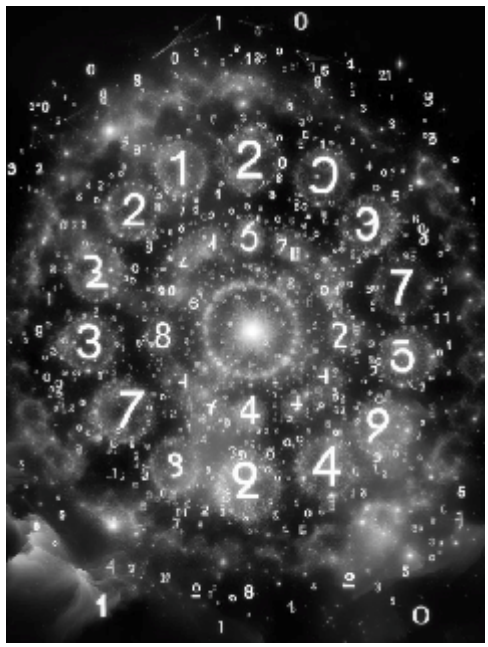

Mathematics is often seen as the cold, calculated cousin of the arts essential, but not expressive, yet beneath its formulas and symbols lies a quiet elegance, a language of patterns that transcends cultures, time and even form.

In the branch of mathematics from the spiral grace of the Fibonacci sequence to the stark minimalism of Euclid's geometry - there is beauty. Not the kind found in galleries or concerts, but a deeper, structural beauty; the kind that underpins nature, music, architecture, and even emotion.

Why do sunflower seeds spiral in a perfect sequence? Why does a nautilus shell follow a logarithmic curve? Why does a musical octave feel right? The answer lies in the invisible architecture of numbers.

Mathematics is not just about solving problems, it's about seeing the world differently. It teaches us to look beneath the surface to find harmony in chaos, order in randomness, and symmetry in imperfection.

It's not just a tool of scientists and engineers; it's the unsung art form of the universe.

Sanjana
B.Sc.II

NANOTECHNOLOGY:- The Future of Chemistry

- Nanotechnology is one of the most exciting frontiers of modern science and chemistry lies at its core. It deals with structures at the nanoscale- just a billionth of a meter- where ordinary materials begin to show extra ordinary properties. At this level, gold can appear red, carbon can become stronger than steel, and simple particles can act like powerful catalysts. Such transformations reveal how chemistry at the nanoscale can redefine the materials we use in daily life.
- One of the most promising area of nanotechnology is medicine. Scientists are designing nanoparticles that can travel through the body and deliver drugs directly to affected cells, making treatments more targeted and effective. diseases at their earliest stages, saving countless lives.
- Beyond healthcare, nanotechnology is revolutionizing energy and the environment. Solar panels made with nanomaterials are capable of capturing sunlight more efficiently, while advanced nanobatteries store energy for longer periods. In water purification, nanofilters are providing clean drinking water by removing impurities at a molecular level. These break through not only improve technology but also address pressing global issues like pollution, sustainability and energy security.
- The future of chemistry and nanotechnology is filled with possibilities. From smarter electronics and stronger materials to greener industries and personalized medicine, the impact of this field is vast. Nanotechnology is more than just a scientific advancement.
- It is a bridge between imagination and reality, showing us how chemistry can create solutions that once seemed impossible. Truly, it represents the future of science and the promise of a better tomorrow.

Naincy
B.Sc. II

Quantum Physics: Unlocking the secrets of the invisible world

- Quantum physics explores the tiniest building blocks of nature-particles like electrons and photons- that behave in ways completely different from our everyday world. Unlike classical physics, where allows particles to exist in Two states at once and even influence each other across vast distance.
- These strange principles are not just theories; they power technologies we use today. Lasers, semiconductors, and quantum discoveries. The emerging field of quantum computing also promises to revolutionize communication and problem- solving.
- Quantum physics reminds us that the universe is more mysterious than it appears. It pushes us to think beyond logic, proving that science is not only about answers but also about unlocking new questions for the future.

Shivani
B.Sc. II

Chemistry Behind Ayurveda

- The term Ayurveda has been derived from the Sanskrit words "Ayur" as the life and "Veda" as science meaning science of life. Ayurveda is a natural system of medicines that originated in India more than 3000 years ago. Ayurveda shortes complete harmony of the human body with elements of nature and environment for healthy life. Ayurvedic science not only deals with medical science but its scope goes much beyond the world of conventional science. It also includes factors like herbal medicine & intellectual life of human beings.
- The medicines are typically based on complex herbal compounds, minerals & substances. We find that Ayurveda is directly linked to chemistry. Ayurveda preparations have been found to certain lead, mercury and arsenic substances known to be chemically useful for some particular diseases.
- The most commonly used herbs in ayurvedic preparations are Tulsi, Ajwain, Brahmi & Ashwagandha etc. It has also been scientifically proved that each of these herbs holds a multitude of benefits for the mind, body & spirit. Most of the ancient ayurvedic books also speak about purified & processed metals, minerals and gems in treatment because of their fast- action, low dose, no- side effects.
- Modern scientific research has confirmed many of the medicinal properties of the chemical compounds used in Ayurvedic medicine which shows that the traditional knowledge of ayurveda is still relevant & valuable in the modern age.

Sakshi
B.Sc. II

The life of a molecule

In a flask, a molecule sat all alone,
Just a single, sad atom of carbon known.
He wished for a partner, a partner to bond,
So he looked all around, and saw a compound.
The oxygen waited, with two empty hands,
And a couple of hydrogen, a couple of bonds.
"Come, join us", they shouted,"The fun is now here.
We'll make a brand new molecule, and end all your fear".
So the carbon atom, with a smile on his face,
Joined the oxygen atoms in a lovely, soft space.
The molecule formed a strong, happy bond,
And the atom, no longer alone, was beyond.

Bharti
B.Sc.I

The Physics of Time Travel: A Scientific Insight

"Moving through time may seem like fiction but physics reveals it as a profound scientific possibility."

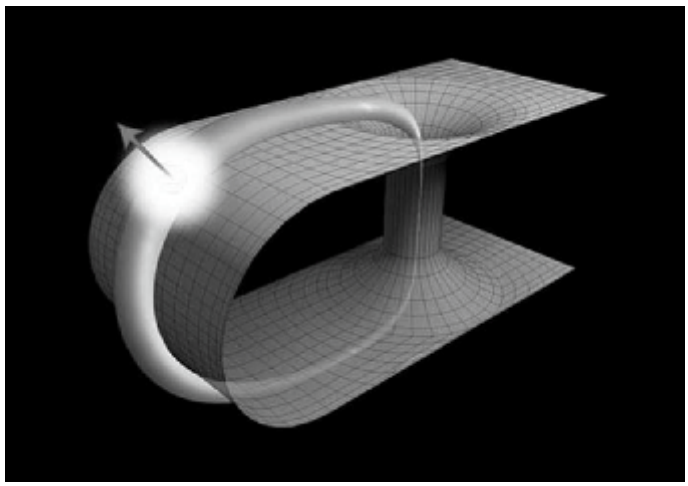

- Time travel has long inspired curiosity, but physics gives it real meaning. Einstein's theory of Relativity shows that time is not fixed; it changes with speed and gravity. At speeds near light, time slows down, making travel into the future scientifically possible.
- Black holes and worm holes add further intrigue black holes distort space-time enormously, while worm holes, if they exist, could act as tunnels through time. Yet, journeys into the past face contra dictions such as grandfather paradox, leaving them uncertain.
- Small proofs already exist. Astronauts in orbit age slightly slower than people on earth, confirming that time floors differently under different conditions. Thus science accepts travel into the future as reality, while the past remains a mystery.

Khushi
B.Sc. II

Meaning

1. Words are easy, choices are real

   We can say anything with our mouth" I care, I will change, I want peace." But If our daily choices don't match, those words lose meaning.

2. Every choice is a silent voice

- Choosing kindness over anger.
- Choosing discipline over laziness.
- Choosing truth over convenience.

   These small choices are like actions that keep shouting, whether we speak or not.

3. Character is fruit by choices, not speeches.

   The Gita reminds us: It's karma (actions) aligned with dharma (righteousness) that show who we really are, not the promises or explanations we give.

   It's like a lamp. A lamp does not need to say, "I give light" By shining, it proves itself. In the same way, when we act with integrity, our choices speak for us louder than me words.

Vashvi
B.Sc. I

Sustainable Energy

The "next big leap" in sustainable energy involves rapidly scaling renewable technologies like solar and wind, improving energy storage and efficiency and decentralizing power grids to ensure reliable, affordable energy for all. This transition moves beyond environmental concerns to secure economic independence, resilience against climate impacts and continuous energy access for communities.

Key Aspects of the Next leap:-

Scaling Renewables:- Rapidly deploying solar, wind and other renewable energy sources to meet increasing energy demands.

Improved storage and Efficiency:- Developing and implementing advance energy storage solutions to manage the intermittent nature of renewables and improving overall energy efficiency.

Decentralized Guids:- Building more resilient, localized energy systems that generate and store power closer to the point of consumption.

Economic and Energy Independence:- Shifting from fossil fuel dependence to secure national energy sovereignty and faster sustainable economic growth.

Climate Change Mitigation:- Addressing the root cause of climate change by drastically reducing greenhouse gas emissions, primarily from fossil fuels.

Why It's Crucial:-

Environmental Protection:- Mitigates climate change and reduces harmful air pollution, improving global health.

Economic Stability:- Fosters new industries, crates domestic jobs, lower cost energy and provides stable.

National Security:- Enhances energy independence by reducing reliance on imported fossil fuels.

Resilience:- Provides communities with reliable power, renewable- powered facilities during natural disasters.

Priya
B.Sc. I

The Infinite World of Mathematics

Mathematics is not just about numbers, equations, or formulas, it is a language of patterns and logic that stretches into infinity. One of the most fascinating aspects of mathematics is the idea of the infinite, a concept that challenges our imagination and expands the boundaries of human thought. Mathematics is endless, and the idea of infinity makes it truly magical. Infinity means something that never ends like numbers that go on forever, because no matter how high you count, there is always a bigger one. In geometry, a line has no end, and even the number (pi) continues without stopping.

It even creates fun puzzles, like Hilbert's Hotel, where an infinite hotel can always fit more guests even when it is full". Infinity reminds us that math has no limits, just like the universe itself.

Sakshi
B.Sc.II

ANNUAL FUNCTION

DEPARTMENTAL ACTIVITIES

DEPARTMENTAL ACTIVITIES

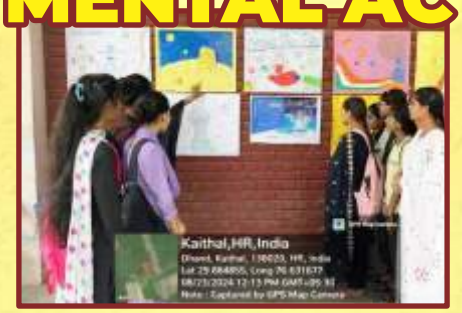

DEPARTMENTAL ACTIVITIES

संगीत विभाग

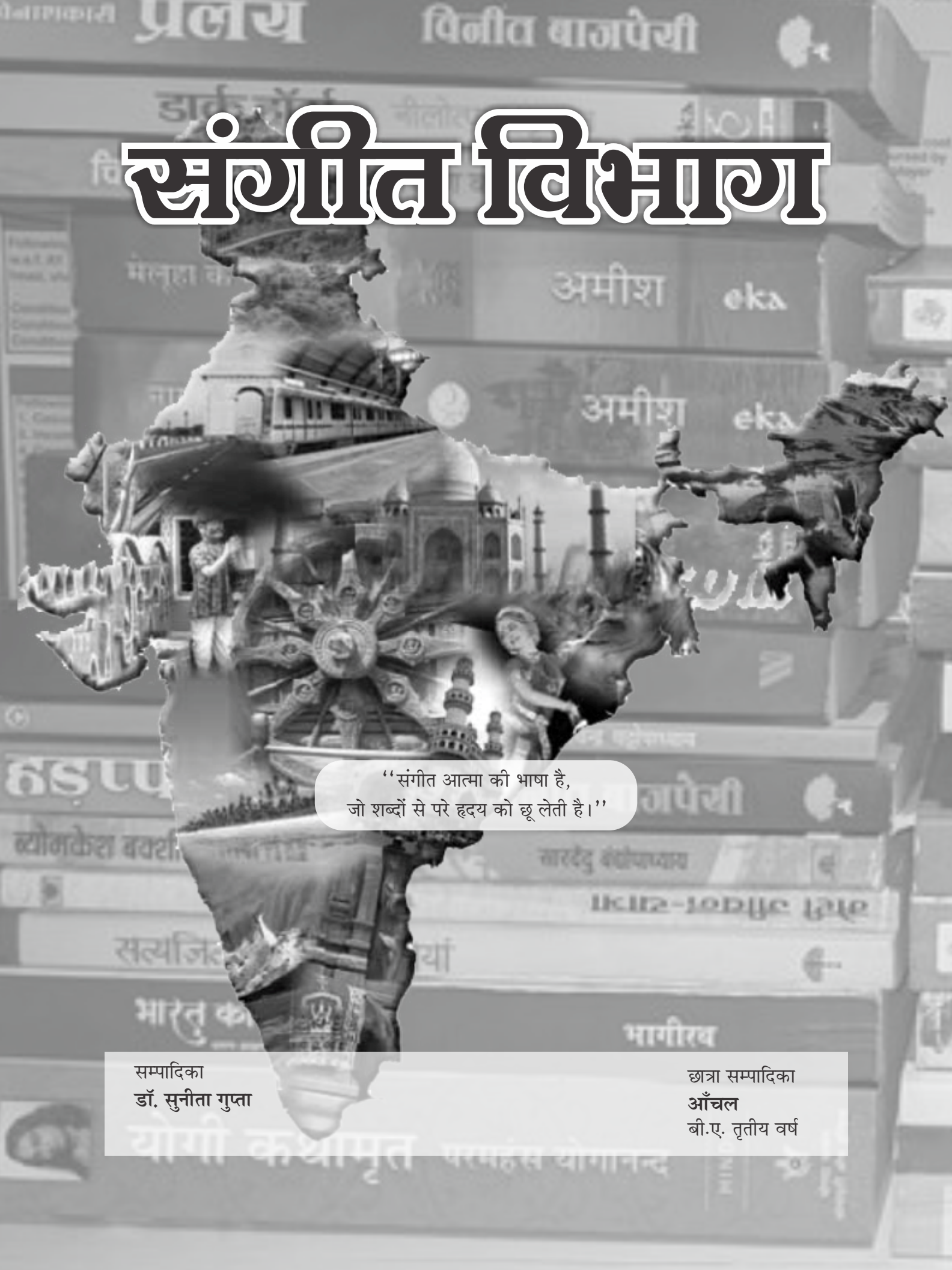

''संगीत आत्मा की भाषा है,
जो शब्दों से परे हृदय को छू लेती है।''

सम्पादिका
डॉ. सुनीता गुप्ता

छात्रा सम्पादिका
आँचल
बी.ए. तृतीय वर्ष

अनुक्रमणिका

क्र. स.	लेख	लेखिका	पृष्ठ स.
1.	सम्पादकीय	सुनीता गुप्ता	3
2.	एक विचार, एक क्रांति	सुनीता गुप्ता	4
3.	आज के तनाव पूर्ण जीवन में संगीत की भूमिका	सुनीता गुप्ता	5
4.	संगीत चिकित्सा	शीतल पैंसिया	5
5.	संगीत और सद्भावना	एकता	6
7.	संगीत की दुनिया : एक अनंत यात्रा	खुशी	7
8.	भक्ति संगीत में महिलाओं का योगदान	कोमल	8
9.	संगीत का मानव जीवन में सहयोग	दिशा	9
10.	संगीत द्वारा मन की शांति	निशा मैहला	10
11.	संगीत में गुरू शिष्य परंपरा	तनु मलिक	11
12.	संगीत और अनुशासन	सेजल केश्वर	12
13.	संगीत और योगा का संबंध	खुशी शर्मा	13
14.	संगीत का विद्यार्थी जीवन में महत्व	आँचल गोलिया	14
15.	गीत	गरिमा मैहला	15
16.	फिल्मी गीत	आरती	17
17.	मेडिटेंशन और संगीत	कोमल	18
18.	राष्ट्रीय एकता में संगीत की भूमिका	प्रीति	19
19.	ख्याल गायन शैली में ताल का महत्व	पायल	21
20.	शब्द संगीत का ही रूप	रोकसी मैहला	23
21.	संगीत में रोजगार की संभावनाएँ	सैजन मैहला	24

सम्पादकीय

भारतीय शास्त्रीय संगीत हमारी सांस्कृतिक विरासत का अमूल्य अंग है। यह केवल सुर-ताल का अनुशासन नहीं, बल्कि आत्मानुशासन, साधना और संवेदनशीलता का जीवन माध्यम है। राग-रागिनियों के माध्यम से शास्त्रीय संगीत मनुष्य के भीतर संतुलन, शांति और सौंदर्यबोध का विकास करता है। आज के तीव्रगामी और तकनीक-प्रधान युग में भी शास्त्रीय संगीत की प्रासंगिकता कम नही हुई हैं, बल्कि इसका महत्व और अधिक बढ़ा है।

शास्त्रीय संगीत की गुरु-शिष्य परंपरा ने सदियों से इस कला को सहज कर रखा है। अभ्यास(रियाज़), अनुशासन और भावाभिव्यक्ति-ये तीनों तत्व मिलकर कलाकार को साधक बनाते हैं। संगीत न केवल मंच पर प्रस्तुति का विषय है, बल्कि यह जीवन-मूल्यों, धैर्य, एकाग्रता और आत्मिक उन्नयन का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

वर्तमान समय में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। शास्त्रीय संगीत विभाग के माध्यम से विद्यार्थियों को मंच, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियों और शोध के अवसर प्रदान कर इस कला को नई पीढ़ी तक पहुँचाया जा सकता है। डिजिटल माध्यमों का सकारात्मक उपयोग करते हुए रिकॉर्डिंग, आर्काइविंग और ऑनलाइन प्रस्तुतियाँ शास्त्रीय संगीत के प्रचार-प्रसार में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

इस संपादकीय के माध्यम से हमारा उद्देश्य शास्त्रीय संगीत के संरक्षण, संवर्धन और नवाचार को प्रोत्साहित करना है। हम विद्यार्थियों, शिक्षकों और संगीत प्रेमियों से आहवान करते हैं कि वे इस महान परंपरा से जुडें, नियमित साधना करें और शास्त्रीय संगीत को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

सुनीता गुप्ता
सह-प्राध्यापिका
संगीत विभाग

एक विचार, एक क्रांति

पुण्यात्मा चौधरी ईश्वर सिंह जी: नारी शिक्षा के प्रणेता

जब समाज की सोच सीमाओं में बँधी थी,
तब एक दूरदर्शी दृष्टि आगे बढ़ी थी।
गाँव की मिट्टी से उठकर जिसने यह ठाना,
कि शिक्षा ही है बेटियों का सच्चा खजाना।
चौधरी ईश्वर सिंह जी केवल नाम नहीं थे,
वे विचार थे, संवेदना थे, विश्वास थे।
विधानसभा के स्पीकर होकर भी उन्होंने,
सत्ता से पहले शिक्षा सेवा को स्थान दिया।
उन्होंने माना–बेटी दो घरों का दीप है,
जो स्वंय जलकर जीवन को आलोकिक करती है।
इसी विश्वास ने उन्हें प्रेरित किया,
कि हर बेटी तक शिक्षा की लौ पहुँचे।
गाँव–गाँव लड़कियों के लिए महाविद्यालय स्थापित किए,
जहाँ सपनों को पंख और आत्मविश्वास मिले।
भवन नहीं, उन्होंने भविष्य रचा,
हर छात्रा के भीतर छिपे सामर्थ्य को पहचाना।
जिन रास्तों पर चल बेटियाँ पहुँच न पाती थीं,
उन घरों तक बसें भिजवाई।
यह सुविधा नहीं, एक सामाजिक क्रांति थी,
जिसने शिक्षा को बेटियों के घर–घर तक पहुँचाया।
नारी शिक्षा उनके लिए योजना नहीं,
एक पवित्र साधना थी।
समाज के उत्थान का आधार उन्होंने,
नारी सशक्तिकरण को बनाया।
महाविद्यालय में प्रज्वलित ज्ञान की ज्योति में
उनके पुण्य कर्मों की चमक स्पष्ट दिखाई देती है
हर शिक्षित छात्रा उनकी सोच का ही प्रतिफल है।
नमन उस पुण्यात्मा को
जिसने बेटियों को उड़ान दी,
नमन उस दृष्टा को
जिसने पीढ़ियों का भविष्य संवार दिया।
चौधरी ईश्वर सिंह जी
अपने कार्यों में, अपने विचारों में,
और इस महाविद्यालय की आत्मा में
सदैव जीवित रहेंगे।

सुनीता गुप्ता
सह–प्राध्यापिका
संगीत विभाग

आज के तनाव पूर्ण जीवन में संगीत की भूमिका

आज के आधुनिक युग में मनुष्य का जीवन अत्यंत तनावपूर्ण, भागदौड़ से भरा हुआ और मानसिक दबावों से ग्रस्त होता जा रहा है, जहाँ हर आयु वर्ग किसी न किसी चिंता, असुरक्षा और प्रतिस्पर्धा से जूझ रहा है, ऐसे समय में संगीत एक ऐसी दिव्य शक्ति के रूप में उभरकर सामने आता है जो मन, मस्तिष्क और आत्मा–तीनों को एक साथ शांति प्रदान करता है। विशेष रूप से विद्यार्थियों के जीवन में, जहाँ पढ़ाई का दवाब, परीक्षाओं का भय, भविष्य की अनिश्चिंतता और अपेक्षाओं का बोझ लगातार बना रहता है, वहाँ संगीत उनके लिए मानसिक संबल बनता है– संगीत सुनने, गुनगुनाने या सीखने से उनकी एकाग्रता बढ़ती है, स्मरण शक्ति सुदृढ़ होती है, चिड़चिड़ापन कम होता है और वे तनावमुक्त होकर अपनी पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं। युवाओं और कार्यरत वर्ग के लिए संगीत दिनभर की थकान, असफलताओं और जीवन की उलझनों से बाहर निकालकर मन को सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है, जिससे वे स्वयं को फिर से संतुलित और उत्साहित महसूस करते हैं। गृहिणियों के लिए संगीत एक भावनात्मक साथी के रूप में कार्य करता है, जो उन्हें घरेलू जिम्मेदारियों के बीच मानसिक शांति और आत्मसंतोष प्रदान करता है। वहीं बुजुर्गों के जीवन में संगीत विशेष महत्व रखता है, क्योंकि भजन, शास्त्रीय राग या पुराने गीत उनकी स्मृतियों से जुड़कर उन्हें भावनात्मक सहारा देते हैं, अकेलेपन और अवसाद को दूर करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक सिद्ध होते हैं। इस प्रकार संगीत केवल मनोरंजन का साधन न होकर एक मानसिक औषधि, आत्मिक साधन और जीवन को सुंदर बनाने वाला माध्यम है, जो तनाव, निराशा और नकारात्मकता से ग्रस्त आज के समाज में सभी आयु वर्गों के लिए आशा, शांति और संतुलन का संदेश देता है।

सुनीता गुप्ता
सह–प्राध्यापिका
संगीत विभाग

संगीत चिकित्सा

संगीत चिकित्सा शारीरिक, भावनात्मक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण में सुधार के लिए संगीत और संगीत अनुभवों की चिकित्सीय उपयोगी है। यह एक प्राचीन पद्धति है, जिसमें विभिन्न भारतीय रागों को पांरपरिक रूप से विभिन्न बीमारियों के लिए विशिष्ट उपचारात्मक गुण माना जाता है, और अब इसे पूरक स्वास्थ्य देखभाल की एक शाखा के रूप में मान्यता प्राप्त है। संगीत चिकित्सा में गायन, गीत लेखन, संगीत सुनना और चर्चा जैसी गतिविधिया शामिल होती हैं, तथा निर्धारित उपचार लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित संगीत चिकित्सक द्वारा इन सभी गतिविधियों को सुगम बनाया जाता है।

संगीत चिकित्सा में रागों के उदाहरण–

- राग केदार: कहा जाता है कि यह त्वचा रागों के लिए लाभदायक है।
- राग दरबारी: मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार से सम्बन्धित है।
- राग भैरव: ऐसा माना जाता है कि यह सदी से संबंधित शिकायतों में सहायक है।

शीतल पैंसिया
बी.ए. तृतीय वर्ष

संगीत और सद्भावना

संगीत और सद्भावना दो ऐसे शब्द हैं जो आपस में गहराई से जुडे हुए हैं। संगीत की शक्ति सद्भावना की बढावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

संगीत और सद्भावना के बीच संबंध–

1. **भावनाओं का संचार:** संगीत भावनाओं की व्यक्त करने और दूसरों के साथ जुडने का एक शक्तिशाली माध्यम हैं। यह लोगों की एक साथ लाने और सद्भावना को बढावा देने में मदद कर सकता हैं।
2. **सांस्कृतिक एकता:** संगीत विभिन्न संस्कृतियों की एक साथ लाने और उनके बीच समझ और सम्मान की बढावा देने में मदद कर सकता हैं।
3. **सामाजिक परिवर्तन:** संगीत सामाजिक परिवर्तन के लिए एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता हैं, जो लोगों को एक साथ लाने और सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा देने में मदद कर सकता हैं।

संगीत के माध्यम से सद्भावना के बढावा देने के तरीके–

1. **संगीत समारोह:** संगीत समारोह आयोजित करके, जो विभिन्न सांस्कृतियों और समुदायों की एक साथ ला सकते हैं।
2. **संगीत शिक्षा:** संगीत शिक्षा की बढ़ावा देकर, जो लोगों को संगीत के माध्यम से एक दूसरे के साथ जुडने में मदद कर सकती हैं।
3. **संगीत चिकित्सा:** संगीत चिकित्सा का उपयोग करके, जो लोगों की शारीरिक और मानसिक, स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकती हैं।

अन्त में मैं कहना चाहूँगी संगीत और सद्भावना आपस में गहराई से जुडे हुए हैं। संगीत की शक्ति सद्भावना को बढावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, और इसके माध्यम से हम एक दूसरे के साथ जुड सकते हैं और सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा दे सकते हैं।

एकता
बी.ए. तृतीय वर्ष

संगीत की दुनिया : एक अनंत यात्रा

संगीत एक ऐसी भाषा हैं जो भावनाओं के द्वार खोलती हैं जो हमारे जीवन को रंगीन बनाती हैं और जो हमें एक दूसरे से जोडती हैं। संगीत की दुनिया में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है, चाहे वह श्रोता हो, गायक हो, वादक हो या संगीतकार।

संगीत का महत्व-

संगीत का महत्व हमारे जीवन में बहुत अधिक हैं। यह हमें तनाव से मुक्ति दिलाता हैं, हमारी भावनाओं को व्यक्त करने का एक माध्यम प्रदान करता हैं और हमें एक दूसरे के साथ जुडने का अवसर देता हैं।संगीत की शक्ति इतनी अधिक हैं कि यह हमें एक नए स्तर पर ले जा सकती हैं, जहाँ हम अपने आप को भूल जाते हैं और संगीत के साथ एकाकार हो जाते हैं।

संगीत के प्रकार-

संगीत के विभिन्न प्रकार होते हैं, जैसे कि शास्त्रीय संगीत लोक संगीत, पॉप संगीत रौक संगीत और हिप-हॉप संगीत। प्रत्येक प्रकार के संगीत की अपनी विशिष्ट शैली और विशिषताएं होती हैं। जो उन्हें अद्धितीय बनाती हैं।

संगीत और प्रौद्योगिकी-

आजकल, संगीत और प्रौद्योगिकी एक दूसरे के साथ गहराई से जुडे हुए हैं। डिजिटल ऑडियों वर्कस्टेशन (DAW)और संगीत सॉफ्टवेयर ने संगीत निर्माण की आसान और अधिक सुलभ बना दिया हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया ने संगीतकारों की अपने संगीत की दुनिया भर में पहुँचाने का अवसर दिया हैं।

संगीत का भविष्य-

संगीत का भविष्य उज्ज्वल हैं। नए और नवाचारी संगीतकारों के साथ, संगीत की दुनिया में हमेशा कुछ नया और रोमांचक होता हैं। प्रौद्योगिकी की प्रगति के साथ संगीत निर्माण और वितरण के नए तरीके सामने आ रहें हैं, जो संगीतकारों को अपने संगीत को और भी व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने में मदद कर रहे हैं।

अन्त में मैं कहना चाहूँगी संगीत एक शक्तिशाली माध्यम हैं जो हमें भावनाओं के द्वारा खोलता हैं जो हमारे जीवन को रंगीन बनाता हैं और जो हमें एक दूसरे में हर किसी के लिए कुछ न कुछ हैं, और इसका भविष्य उज्ज्वल हैं । आइए संगीत की उस अनंत यात्रा में साथ चलें और इसके जादू का अनुभव करें।

खुशी
बी.ए. तृतीय वर्ष

भक्ति संगीत में महिलाओं का योगदान

भक्ति संगीत में महिला गायको ने आदिकाल से महत्वपुर्ण भूमिका निभाई है। जिससे की भक्ति संगीत का भावनात्मक और आध्यात्मिक आधार मजबूत हुआ है मीराबाई जैसे संतों ने भक्ति गीतों की रचना कर समाज में महिलाओं की आवाज और भक्ति की शक्ति को स्थापित किया महिलाओं ने मदिंर गायन और लोक संगीत में योगदान देकर भक्ति संगीत की समृद्ध किया है। और आज भी आकाशवाणी, दूरदर्शन और मंचों पर उनका योगदान अनमोल है।

भक्ति संगीत में स्त्री संगीत का महत्वः-

आध्यात्मिक जुड़ाव और भावनात्मक शहराईः- भक्ति संगीत व्यक्तिगत आस्था को व्यक्त करने और ईक्षर से सीधा भावनात्मक जुडाव बनाने का एक सशक्त माध्यम है। महिला कला-कार इस भावना को स्वभाविक और कोमल स्वर में गायक श्रीताओ को आकर्षित करती है। जिससे ईश्रर के प्रति प्रेम और कृतज्ञता बढ़ती है।

सांस्कृति और सामाजिक योगदानः- ऐतिहासिक रूप से, महिलाओं ने भक्ति संगीत को लोकप्रिय बनाने और धार्मिक कार्यक्रमों को भी समृद्ध करने में महत्वपुर्ण भूमिका निभाई है। मंदिर गायन, लीक संगीत और बाद में मचों पर प्रस्तुतियों से उन्होंने भक्ति संगीत की परंपराओ को जीवित रखा।

संत परंपरा का विकासः- मीराबाई जैसी संतों ने अपनी भक्ति कविताओं और संगीत और गीतों के माध्यम से न केवल धर्मिक संदेश दिए, बल्कि महिलाओं की भी अपनी आंस्थ व्यक्ति करने और समाज में अपनी को जगह बनाने का अवसर प्रदान किया था। उनके गीत आज भी लोगो को प्रेरित करते है यह महत्वपुर्ण संगीत माना जाता है।

परंपरागत धाराओं का निवहिः- महिलांए की भक्ति संगीत के विभिन्न रूपों, जैसे कीर्तन, भजन और स्तुति गायन में अपनी आवाज और शैली के माध्यम से योगदान देती है वे अपने कोमल और स्वाभाविक गायन से भक्ति और श्रोताओं के लिए एक सुखद और शांति का वातावरण भी बनाती है।

आधुनिक युग में प्रासंगिकताः-आज भी लता मंगेशकर और एम.एस.सुब्बुलक्ष्मी जैसी महिला कलाकारी ने अपनी गायन शैली से भक्ति संगीत को नए आयाम दिए है। आकाशवाणी और दूरदर्शन पर उनके लोकप्रिय कार्यक्रमों ने भक्ति को व्यापक दर्शको तक पहुँयाया है भक्ति संगीत और भारतीय संस्कृति में महत्त्वपूर्ण भुमिका निभाई है।

कोमल
बी.ए. तृतीय वर्ष

संगीत का मानव जीवन में सहयोग

संगीत मानव जीवन को भावनात्मक मानसिक और सामाजिक रूप से समृद्ध करता है। मनोरंजन और आनंद प्रदान करने के साथ-साथ तनाव, पिता व अवसाद को कम करने याददाश्त और एकाग्रता बढ़ाने तथा सामाजिक बंधन मजबूत करने में महत्वपूर्व भूमिका निभाता है। यह कला व्यक्ति के समग्र कल्याण के लिए आवश्यक है और इसे चिकित्सा व शिक्षा में भी व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

भावनात्मक सहयोगः-

- संगीत सुखी, दुख, शांति और उत्साह जैसी भावनाओं को जगाकर भावनाओं को समझने और नियंत्रित करने में मदद करता है।
- यह मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। मस्तिष्क में डोपामाइन जैसे-रसायन छोड़कर तनाव और चिंता को कम करता है।

मानसिक सहयोगः-

- शांत संगीत सुकून देता है। जबकि जीवन में संगीत ऊर्जा प्रदान करता है। जिससे मूड बेहतर होता है।
- संगीत याददाश्त की मजबूत करता है और मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है। जो सीखने और याद रखने से जुड़े है।
- यह ध्यान प्रेरित करने में मदद करता है और उबाऊ काम को भी मनोरंजक बना सकता है।

सामाजिक सहयोगः-

- संगीत लोगो को एक-दूसरे से जोड़ता है। समुदाय की भावनाओं को बढ़ावा देता है और सामाजिक संवाद को बढ़ाता है।
- यह सांस्कृतिक मूल्यों को सिखाता है और भावी पीढ़ियो को अपनी संस्कृति से जोड़ता है।

शारीरिक और चिकित्सा सहयोगः-

- संगीत हृदय गति और रक्तचाप को प्रभावित करके शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकता है।
- संगीत चिकित्सा के रूप में उपयोग किया जाता है। जो तनाव, दर्द और अन्य लक्षणों से राहत दिलाने में मदद करता है।

शिक्षा और सृजनात्मकता में सहयोगः-

- संगीत सृजनात्मकता को बढ़ावा देता है और नए विचार विकसित करने में मदद करता है।
- इसे छात्रों के लिए एक मूल्यवान कौशल माना जाता है जो उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में सहायक है।

दिशा
बी.ए. तृतीय वर्ष

संगीत द्वारा मन की शांति

संगीत द्वारा मन की शांति प्राप्त करना एक प्रभावी तरीका हो सकता है। संगीत हमारे मन और भावनाओं पर गहरा प्रभाव डालता है, और यह तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं से निपटने में मदद कर सकता है।

संगीत के शांतिदायक प्रभावः-

- **तनाव और चिंता कम करनाः-** संगीत सुनने से हमारे मन और शारीर को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है।
- **भावनात्मक संतुलन :-** संगीत हमें भावनात्मक रूप से संतुलित बनाने में मदद करता है। जिससे हम अपने जीवन को बेहतर ढंग से जीने में सक्षम होते है।
- **नींद की गुणवत्ता में सुधारः-** संगीत सुनने से हमारी नींद की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है, जिससे हम अधिक ताजगी महसूस करते है।

कुछ शांतिदायक संगीत विकल्पः-

- **प्राकृतिक ध्वनियाँः-** वर्षा, समुद्र की लहरे या वनस्पतियों की ध्वनियों को सुनने से हमें शांति प्रदान कर सकता है।
- **शास्त्रीय संगीतः-** शास्त्रीय संगीत जैसे कि राग, शांति और एकाग्रता बढ़ाने में मदद कर सकता है।
- **ध्यान संगीतः-** ध्यान के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया संगीत शांति और एकाग्रता बढ़ाने में मदद कर सकता है।

निशा मैहला
बी.ए. तृतीय वर्ष

संगीत में गुरू शिष्य परंपरा

संगीत में गुरू शिष्य परंपरा का महत्व अत्यधिक है भारतीय शास्त्रीय संगीत में यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और इसका गहरा प्रभाव सस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है।

1. **ज्ञान का हस्तातंरण:**- गुरू शिष्य को संगीत की बारीकियाँ, राग, ताल और तकनीक सिखते है।

- यह परंपरा मौखिक है जहाँ ज्ञान सीधे गुरू से शिष्य तक पहुँचता है।

2. **गुरू का आदर समर्पण:**-गुरू शिष्य सबंधं में आदर, समर्पण और अनुशासन महत्वपूर्ण है।

- शिष्य गुरू के प्रति श्रद्धा रखते हुए सीखते हैं।

3. **व्यक्तिगत ध्यान और मार्गदर्शन:**-गुरू शिष्य कि व्यक्तिगत प्रतिभा और कमजोरियों को समझकर सिखाते है।

- व्यक्तिगत ध्यान से शिष्य तेजी से प्रगति कर सकता है।

4. **परंपरा और विरासत का सरंक्षण:**- गुरू शिष्य संबंध आध्यात्मिक विकास से जुड़ा होता है।

- गुरू शिष्य परंपरा से संगीत की परपराएँ और शौलियाँ सरंक्षित होती है।
- यह सास्कृतिक धरोहर को जींवत रखती है।

5. **आध्यात्मिक और नैतिक विकास:**- संगीत में गुरू शिष्य संबंध, आध्यात्मिक विकास से भी जुडा होता है।

- अनुशासन, संयम और समर्पण जैसे गुण इसमें शामिल है।

6. **गुरू के अनुभव का लाभ:**- अनुभवी गुरू शिष्य को संगीत के व्यवाहारिक पहलुओं और मंच प्रदर्शन के लिए तैयार करते है।

- गुरू के अनुभव से शिष्य को सही दिशा मिलती है।

7. **प्रसिद्ध गुरू- शिष्य परपराएँ:**- अमीर खुसरो और उनके गुरू ! सूफी परंपरा में महत्वपूर्ण।

- तानसेन और स्वामी हरिदास मुगल दरबार के प्रसिद्ध संगीतकार और उनके गुरू।
- अल्लाउद्दीन खान और उनके शिष्य ! अली अकबर खान, रविशंकर जैसे महान संगीतकार।

तनु मलिक
बी.ए. तृतीय वर्ष

संगीत और अनुशासन

संगीत मानव जीवन का अभिन्न अंग हैं। यह केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं। बल्कि जीवन को दिशा देने और उसे अनुशासित करने का एक अद्भुत माध्यम भी हैं। संगीत और अनुशासन का आपसी संबंध गहरा हैं। जैसे अनुशासन जीवन को व्यवस्थित करता हैं, वैसे ही संगीत भी सुर, ताल और लय की मर्यादा में बंधकर अपनी सच्ची सुंदरता प्रस्तुत करता है।

1. **संगीत में अनुशासन का महत्वः**– संगीत साधन का मार्ग है और साधना के बिना संगीत अधूरा है। गायक या वादक के लिए नियमित अभ्यास (रियाज़) करना अनिवार्य हैं। यदि वह निर्धारित समय पर अभ्यास नहीं करता, तो उसकी साधना में कमी आ जाती है। इस प्रकार संगीत स्वंय व्यक्ति को समयबद्ध नियमित और अनुशासित जीवन जीना सिखाता हैं।

2. **सुर और ताल की मर्यादाः**– संगीत सुर, ताल और लय पर अधारित होता हैं। यदि कोई गायक सुर से हटकर गाए या वादक ताल बिगाड़ दे, तो सम्पूर्ण प्रस्तुति असफल हो जाती है। इसका अर्थ हैं। कि संगीत का अभ्यास करता हैं तो उसमें धैर्य, एकाग्रता और आत्म– नियंत्रण का विकास होता है। सुर और ताल का समन्वय अनुशासन का सबसे बड़ा उदाहरण हैं।

3. **जीवन में अनुशासन और संगीत का योगदानः**– संगीत व्यक्ति को मानसिक शांति और आत्मिक आनंद प्रदान करता है। जब कोई विद्यार्थी या कलाकार संगीत का अभ्यास करता है। यह सब अनुशासन पर टिका हुआ है। यह सब गुण अनुशासन के अंग है। इस प्रकार संगीत से जुडे व्यक्ति का जीवन स्वाभाविक रूप से अनुशासित बनता है।

4. **समाज और संस्कृति में अनुशासनः**– भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपरा में गुरू–शिष्य संबंध भी अनुशासन का प्रतीक हैं। शिष्य अपने गुरू–शिष्य अपने गुरू के निर्देशों का पालन कर संगीत की बारीकियां सीखता है। यह परंपरा न केवल संगीत में अनुशासन का पालन कराती है, बल्कि समाज को भी अनुशासन और मर्यादा का संदेश देती हैं।

सेजल केश्वर
बी.ए. तृतीय वर्ष

संगीत और योगा का संबंध

संगीत और योग का गहरा और पूरक संबंध है। दोनो ही शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। जहाँ योग शारिरीक और मानसिक शुद्धि पर केंद्रित है, वही संगीत मन को शांत करने और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करता है।

संगीत और योग के बीच मुख्य संबंध:-

साधना और एकाग्रता-

- **समान उद्देश्य:** संगीत और योग दोनो ही साधना के रूप है, जिसमें एकाग्रचित होकर अभ्यास करना होता है।
- **ध्यान केंद्रित करना:** जिस तरह संगीत में सुर और ताल पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, उसी तरह योग में भी मन को एक जगह स्थिर करना होता है।

शारीरिक स्वास्थ्य-

- **सासों का तालमेल:** योग और संगीत दोनो में सासों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। संगीत सुनते या गाते समय लयबद्ध साँस लेने से शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है।
- **गायन और रोग:** एक अच्छा गायक बनने के लिए स्वस्थ शरीर ओर मजबूत साँसो का होना जरूरी है, जो योगासनों और प्राणायाम से प्राप्त होता है।

मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य-

- **मन की शुद्धि:** दोनो ही माध्यमों से तन के साथ- साथ मन की भी शुद्धि की जा सकती है।
- **विचारों में शुद्धता:** संगीत साधना करने के लिए शुद्ध विचारों की आवश्यकता होती है, जो योग और ध्यान के अभ्यास से प्राप्त होता है।

आध्यात्मिक संबंध-

- **नाद योग:-** संगीत की साधना 'आहत नाद' की साधना है जबकि योग की साधना 'अनाहत नाद' की साधना है। दोनो ही अतं: आध्यात्मिक उन्नति की ओर ले जाता है।
- **संपूर्ण स्वास्थ्य:** दोनो का सामंजस्य शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से संपूर्ण स्वास्थ्य प्रदान करता है।

खुशी शर्मा
बी.ए. तृतीय वर्ष

संगीत का विद्यार्थी जीवन में महत्व

संगीत का विद्यार्थी जीवन में महत्व बहुत गहरा महत्व है। यहाँ कुछ पहलू है जो संगीत के महत्व को दर्शाते है।

1. **मानसिक संतुलन और तनाव कम करना**–

- संगीत तनाव को कम करने और मानसिक शांति प्रदान करने में मदद करता है।
- विद्यार्थी के लिए परीक्षा के दवाब या दैनिक चुनौतियों से निपटना में सहायक हो सकता है।

2. **एकागृता और ध्यान बढ़ानाः**–

- संगीत सीखने मे एकाग्रता की अवश्यकता होती है, जो अन्य अध्ययन क्षेत्रों में लाभदायक होती है।
- रियाज (अभ्यास) करने से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता विकसित होती हैं।

3. **रचनात्मकता को बढ़ावा देनाः**–

- संगीत रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है, तो समस्या–समाधान कौशल में मदद करता हैं।
- विद्यार्थी नए विचारों को विकसित करने में सक्षम होते हैं।

4. **सांस्कृतिक समझ और विरासतः**–

- संगीत विभिन्न सांस्कृतियों की समझ को बढ़ाता है।
- भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत आदि विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते है।

5. **आत्म विश्वास बढ़ानाः**–

- संगीत प्रदर्शन या प्रस्तुति से आत्म–विश्वास में वृद्धि होती हैं।
- मंच पर प्रस्तुति देने से विद्यार्थी अपने डर पर काबू पा सकते हैं।

6. **शैक्षिक प्रदर्शन में सुधारः**–

- संगीत ओर लयबद्ध समृति और सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बना सकती हैं।
- कुछ अध्ययन संगीत के साथ बेहतर एकाग्रता की बात करते है।

आँचल गोलिया
बी.ए. तृतीय वर्ष

गीत

''गीत'' एक काव्यात्मक रचना है, जिसे सुर और लय में गाया जाता है।यह मानव भावनाओं अनुभूतियों ओर संवेदनाओ को संगीतबद्ध ढंग से व्यक्ति करने का एक माध्यम है। गीतों में भावुकता, मधुरता और अभिव्यक्ति की गहराई प्रमुख होती हैं।

आचार्य शुक्ल के अनुसार–

''जहाँ भावों की प्रधानता हो, वही गीत है।''

संगीत शास्त्र के अनुसार–

'' गीत वह रचना है, जिसमें शब्द, स्वर और लय का संतुलन हो तथा जो गाने योग्य हो।''

गीत के प्राकर:–

1. **लोकगीत**

   किसी विशेष क्षेत्र की सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक परंपराओं को व्यक्त करते है।

   उदाहरण: बन्ना–बन्नी गीत, आल्हा, कजरी, छेडी।

2. **भक्ति गीत**

   ईश्वर की स्तुति एवं भक्ति के लिए गाए जाते है।

   उदाहरण: तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई के पद।

3. **श्रृंगारिक गीत**

प्रेम, सौंदर्य और भावुकता की अभिव्यक्ति करते हैं।

उदाहरण: कालिदास, विद्यापति के गीत।

4. **राष्ट्रभक्ति गीत**

देशप्रेम को जगाने वाले गीत।

उदाहरण: 'जन–गण–मन','वन्दे मातरम्'।

5. **आधुनिक गीत**

समकालीन भावनाओं और समस्याओं को लेकर रचे जाते है।

उदाहरण: फिल्मी गीत, गज़ल आदि।

गीत की विशेषताएँ:–

- भाव प्रधानता– गीत में भावों की अभिव्यक्ति अत्यंत प्रभावशाली होती है।
- लय और सुर– गीत सुर और ताल में गाए जाते है, जिससे वे मधुर बनते है।
- संक्षिप्ता– गीत सामान्यत: छोटे होते है लेकिन उनमें भावों की गहराई होती है।
- गान योग्यता– गीत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह गाने योग्य होता है।
- साहित्य और संगीत का मेल– गीत साहित्यिक सौंदर्य और संगीतात्मकता का समन्वय होते है।

गीत का महत्व:–

- मानव भावनाओं की अभिव्यक्ति– गीत मनुष्य की भीतरी संवेदनाओं को बाहर लाता है।
- सांसकृतिक संरक्षण
- लोकगीत आदि के माधयम से संस्कृति की निरंतरता बनी रहती है।
- शैक्षणिक उपयोग– गीतों के माध्यम से शिक्षा को रोचक और प्रभावी बनाया जाता है।
- सामाजिक परिवर्तन– गीतों के माध्यम से समाज में जागरूकता और सुधार संभव है।

गरिमा मैहला
बी.ए. द्वितीय वर्ष

फिल्मी गीत

फिल्मी गीत वे गीत होते जो किसी फिल्म के लिए विशेष रूप से लिखे और संगीतबद्ध किए जाते है। यह गीत किसी फिल्म की कहानी भावनाओ, पात्रो और माहैल को दर्शको तक पहुँचाने का प्रभावी माध्यम होते है।

फिल्मी गीत का इतिहास:- भारत में फिल्मी गीतो की शुरूआत 1931 में बनी पहली बोलती फिल्म आलम आरा से मानी जाती है इस फिल्म में 7 गाने थे और तब से लेकर आज तक फिल्मी गीत भारतीय सिनेमा का अभिन्न हिस्सा बन चुके है।

1950-1970:- का समय फिल्मी संगीत का 'स्वर्ण युग' कहा जाता है। जब शंकर-जयकिशन, एस.डी.जर्मन, नौशद. मोम्मद रफी, लता मंगेशकर, किशोर कुमार जैसे महान कलाकारी ने क्लासिक गीत दिए।

फिल्मी गीतो के प्रमुख तत्व:-

1. **गीतकार:** जो गीत के बोल लिखता है।

   जैसे- गुलजार, शैलेन्द्र, जावेद अखतर, साहिर, लुधियानवी आदि।

2. **संगीतकार:** जो गीत को संगीत देता है।

   जैसे- ए.आर. रहमान, लक्ष्मीकांत प्यारी लाल, राहुल देव वर्मन आदि।

3. **गायक/गायिका:** जो गीत की आवाज देता है।

   जैसे- लता मंगेशकर, आशा भोसले, अरिजीत सिंह, श्रेया घोषाल आदि।

4. **पार्श्व संगीत :** जो दृश्य के अनुसार भावनाएं बनाता है।

फिल्मी गीतो के प्राकर:-

1. **प्रेम गीत:** जैसे तेरा बन जाँऊगा। (कबीर सिंह)
2. **देशभक्ति गीत:** जैसे ''ऐ मेरे वतन के लोगो''
3. **भक्ति गीत:** जैसे '' ओ पालनहारे'' (लगान)
4. **वियोग गीत:** जैसे '' चिट्ठी न कोई सन्देश'' (दुश्मन)
5. **हास्य गीत:** जैसे ''मेरे अगने मै''(लावरिस)
6. **नृत्य गीत:** जैसे ''घूमर'' (पझावता)

फिल्मी गीतो का महत्वः-

- भावनाओ की अभिव्यक्तिः गीत फिल्म के पात्रो की भावनाओ को व्यक्त करते है।
- कहानी को आगे बढाते हैः कई बार गीतों के माध्यम से कहानी में बदलाव या मोड़ दिखाया जाता है।
- मनोरजनः गीत फिल्म का आकर्षण बढाते है और दशकों की यादें रखते है।
- संस्कृति का प्रचारः क्षेत्रीय और पारम्परिक घुनो के माहयम से भारतीय संस्कृति की भी बढावा मिलता है।

फिल्मी गीत ओर समाजः- फिल्मी गीत समाज को प्रभावित करते है। युवा वर्ग का फैशन ओर व्यवहार को भी उजागर करते है कुछ गीत समाजिक जागरूकता, स्त्री सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण आदि विषयो पर भी आधारित होती है। फिल्मी गीत केवल मंनोरजन को साधन नही है, बल्कि वे हमारे समाज, संस्कृति, भावनओं और विचारों का प्रतिबिम्व भी है इनका प्रभाव गहरा होता है और ये पीढ़ी दर पीढी लोगो की यादों में बने रहते है।

आरती
बी.ए. द्वितीय वर्ष

मेडिटेंशन और संगीत

निरोगी जीवन का मंत्र है।

संगीत सुनने या गुनगुनाने से ही आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है। जबकि मेडिटेशन शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए लाभकारी हैं। भजन गायक अनूप जलोटा का कहना है। कि कमजोर इंसान गाना नही गा सकता क्योंकि इसके लिए स्वस्थ शरीर के साथ सासों का साथ देना भी जरूरी है। अक्सर हम संगीत सुनना पसंद करते है। मगर बहुत कम लोग जानते है। कि संगीत के माध्यम से ही हम अपने शरीर को भी आराम दे सकते है। संगीत मेडिटेशन से हमारा मानसिक स्वास्थ्य उत्तम बनता है। इससे हमे उर्जा और शक्ति मिलती है। संगीत हमारे दिमाग में हार्मोनल बदलाव करता है। हमें तनाव मुक्त करता है। संगीत सुनने से बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होती है। संगीत हमारे दिमाग की भावनात्मक उथल-पुथल को सतुंलित करता है। ज्यादा भाग दौड़ के कारण नींद सम्बन्धित समस्याऐं दिन प्रतिदिन बढ़ती जारही है। संगीत सुनने से हम इस समस्या से काफी हद तक निजात पा सकते है। अगर आप भी मेडिटेशन के दौरान अपना मन नही लगा पा रहे हैं। तो आपको भी ध्यान क्रिया करने के दौरान संगीत का सहारा लेना चाहरिए। संगीत में वो शक्ति है। जो हमारे दिमाग को सतुलित करती है। और हमारे मन को शान्ति देती है। आप शास्त्रीय संगीत ॐ की ध्वनि, धीमी पिआनो को आवाज, जैसे संगीत मेडिटेशन के दौरान सुन सकते है। अंत में मैं कहना चाहूँगी कि संगीत में मन को एकाग्र करने की प्रचुर शक्ति है।

कोमल
बी.ए. द्वितीय वर्ष

राष्ट्रीय एकता में संगीत की भूमिका

राष्ट्रीय एकता– राष्ट्रीय एकता का अर्थ हैं देश के सभी नागरिकों में एकता, भाईचारा, समानता, सहयोग और राष्ट्र के प्रति समर्पण भी भावना। जब लोग भाषा, धर्म, जाति, क्षेत्रीयता जैसी भिन्नताओं से ऊपर उठकर एक राष्ट्र की पहचान को अपनाते है, तब राष्ट्रीयता एकता सशक्त होती है।

संगीत की भूमिका– संगीत क्षेत्रीय और धर्मिक सीमाओं को पार कर जाता है। एक पंजाबी भंगड़ा गीत पर दक्षिण भारत का व्यक्ति झूम सकता है ओर एक बंगाली गीत से उत्तर भारत का व्यक्ति भाक्वविभोर हो सकता है। यह विविधता में एकता को दर्शता है।

उदाहरण:– वदें मातरम्–बंकिमयंद्र चट्टोपाध्याय की रचना ने भारत वासियों में राष्ट्र प्रेम का संचार किया।

- ''सारे जहाँ से अच्छा–मोहम्मद इकबाल की यह काव्य रचना आज भी हर भारतीय के दिल को छूती है।
- एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान में अलग–अलग राज्यों के पांरपारिक गीतों का आदान–प्रदान एकता को बढ़ावा देता है।

राष्ट्रीय एकता:– ब्रिटिश शासन के दौरान अनेक देशीभक्ति गीतो और भजनों ने जनता को आंदोलनों के लिए प्रेरित किया। इन गीतों ने एक भावनात्मक एकता उत्पन्न की।

उदाहरण–

- ऐ मेरे वतन के लोगों'(लता मंगेशकर द्वारा गाया गया)–यह गीत आज भी लोगों के दिलों में देशप्रेम की भावना जगाता है।
- ''जन गण मन''– भारत का राष्ट्रगान, जो विविधता में एकता का आदर्श उदाहरण है।

फिल्मी संगीत और राष्ट्रीय एकता भारतीय सिनेमा ने हमेशा संगीता के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा दिया है। फिल्मी गीतों ने भाषायी और सांस्कृतिक भिन्नताओं को समाप्त कर देशवासियों को जोड़ा।

उदाहरणः-

- फिल्म मदर इंडिया में ऐसे अनेक गीत है जो राष्ट्रीय चेतना और एकता का संदेश देते है।
- ''मिले सुर मेरा तुम्हार''- यह गीत भारत के विभिन्न राज्यों की भाषाओं, लोक संगीत और कलाओं को एक मंच पर लाता है।

राष्ट्रीय पर्वो और संगीत

15 अगस्त, 26 जनवरी, गांधी जयंती जैसे अवसरों पर गाए जाले वाले देखभक्ति गीत सभी जाति, धर्म और क्षेत्रीयता से ऊपर उठकर एक ही भावना में बंधते है- भारत माता की सेवा और सम्मान।

उदाहरणः- ''चलो दिलदार चलो,'' तेरा मेरा साथ भाव झलकता है।

- स्कूलों कॉलेजों और सामुदायिक कार्य क्रमों में गाए जाने वाले ''हम होगे कामयाब,'' जननी जन्मभूमिश्च'' जैसे गीत लोगों में एकजुटता की भावना जागृत करते है।

समकालीन संदर्भ में संगीत का योगदानः- जैसे डिजिटल माध्यम आज के युग में संगीत डिजिटल हो गया है। अब देश के किसी भी कोने का संगीत हर व्यक्ति तक पहुँच सकता है। इससे भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने में मदद मिलती है।

इंटर-स्टेट म्यूजिक फेस्टिवल्सः- सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाएँ अब एक भारत श्रेष्ठ भारत, राष्ट्रीय युवा महोत्सव संगीत नाटक अकादमी आदि के अंर्तगत संगीत प्रतियोगिताएं और उत्सव आयोजित करती रहती है। जहां विभिन्न राज्यों के कलाकार अपनी कला प्रस्तुत करते है और परस्पर सिखते है।

संगीत सुरों का और तालों का खेल नहीं है यह दिलों को जोड़ने वाला एक शक्तिशाली माध्यम है। राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए संगीत की भूमिका को और अधिक व्यापक रूप से अपनाया जाना चाहिए।

प्रीति
बी.ए. द्वितीय वर्ष

ख्याल गायन शैली में ताल का महत्व

भारतीय शास्त्रीय शैली संगीत में ख्याल गायन शैली एक प्रमुख और प्रचलित शैली हैं, जो अपनी भाव-प्रवीणता, कल्पनाशीलता और रचनात्मक के लिए जानी जाती हैं। ख्याल गायन में स्वर, लय और भाव का संतुलित समन्वय होता हैं, जिसमें 'ताल' की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। ताल न केवल गायन को गति और दिशा प्रदान करता है, बल्कि वह गायक की कल्पनाशक्ति को एक संगठित ढांचा भी देता है।

ख्याल गायन की विशेषताएं और ताल की भूमिका:-

- ख्याल शब्द का अर्थ होता हैं ''विचार'' या ''कल्पना'' जो इस शैली के लक्षणों को दर्शाता हैं- जैसे आलाप, तान, बोलतान आदि की स्वतंत्र अभिव्यक्ति।
- ख्याल गायान के दो प्राकर हैं- बड़ा ख्याल और छोटा ख्याल बड़ा ख्याल धीमी लय में होता हैं और इसके विस्तार की अधिक संभावनाएँ होती हैं। छोटा ख्याल मध्यम या दुत लय में होता हैं।
- दोनों प्रकार के बंदिशों में ताल की आवश्यकता और उपयोग भिन्न होते हैं, लेकिन दोनो में ही ताल का महत्व अत्याधिक होता हैं।

ताल का ख्याल गायन में महत्व :-

लयबध्यता और संरचना ताल गायक को एक नियत लयात्मक दांचा प्रदान करता हैं वह गायक की गायन शैली को स्वर और शब्दों के साय तालमेल में लाकर प्रस्तुति को शास्त्रीय अनुशासन में रखता हैं।

आलाप और विंलबित गायन में ताल का स्थान बड़े ख्याल में प्राय: इन तालों का प्रयोग किया जाता हैं जैसे एकताल (12 मात्रा), तीनताल (16 मात्रा), झूमरा (14 मात्रा) आदि का प्रयोग होता है। गायक इसके आलाप, मींड़, गमक आदि का प्रयोग कर रचना को विस्तार देता हैं। यह विस्तार ताल के समयबद्ध दांचे में ही होता हैं। जिससे प्रस्तुति संतुलित रहती हैं।

तान और बोल–तान में ताल एक मापंढड़ की भाँति कार्य करता हैं। गायक अपनी कल्पनाशक्ति का प्रयोग करते हुए स्वर और शब्दों की रचनांए करता है, जो ताल में ही पूर्ण होती हैं। इस प्रकार ताल गायक की रचनात्मक को दिशा देती हैं।

सम (प्रथम मात्रा) का महत्वः–

ख्याल गायन में 'सम' (ताल की पहली मात्रा) अत्यंत महत्तवपूर्ण होता हैं। गायक अपने आलाप, तान, बोल आदि को इस तरह समाप्त करता है कि वह 'सम' पर आकर ठहर जाए, जिससे प्रस्तुति प्रभावी और शास्त्रीय अनुशासन के अनुरूप हो।

संगतकार (तबला या परवावज) के साथ सामंजस्यः–

गायक और तबला वादक के बीच ताल के माध्यम से संवाद होता हैं। जब तबला ताल में विविध लहरों। तिहाइयों और भरावों का प्रयोग करता है, तो गायक उस पर प्रतिक्रिया स्वरूप तानों या बोलों से उत्तर देता हैं। यह संवाद ताल के आधार पर ही सम्भव है।

ताल में रचनात्मक का प्रयोगः–

गायक ख्याल में ताल का उपयोग सिर्फ एक बंधन के रूप में नहीं करता, बल्कि वह ताल में लयकारी, और तिहाईयों का प्रयोग करके गायन को कलात्मकता प्रदान करता हैं। ताल की गति में परिवर्तन (मात्राओं का विभाजन, दुगुन, तिगुन, चौगुन आदि) गायन को अधिक प्रीाावशाली बनाता हैं।

ख्याल शैली में ताल एक रीढ़ की हड्डी के समान हैं। वह न केवल गायन को अनुशासन प्रदान करता है, बल्कि रचनात्मक, सौंदर्य और संवाद का आधार भी बनता हैं। ताल के बिना ख्याल गायन अधूरा और दिशादीन होता हैं। अतः कहा जा सकता है कि ख्याल गायन में ताल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण, अनिवार्य और जीवंत हैं।

पायल
बी.ए. द्वितीय वर्ष

शब्द संगीत का ही रूप

प्राचीन काल से ही संगीत का प्रयोग आध्यात्मिक रूप में ईश्वर प्राप्ति हेतु होता रहा हैं। इसी आध्यात्मिक संगीत की शैली में 'भजन' तथा 'शब्द' की रचना की जाती हैं। इनका प्रयोग प्रभु-भक्ति अथवा ईश्वर सतुति के मुख्य साधन के रूप में होता हैं।

शब्द की विशेषताएँ:

1. **आध्यात्मिकता से युक्त**- 'शब्द' का प्रयोग प्रभु की स्तुति व भक्ति में होता है, जो संगीत की एक आत्मिक शैली हैं।

2. **गुरू ग्रंथ साहिब में संग्रहित**- सबसे महत्वपूर्ण शब्द रचनाएँ गुरू ग्रंथ साहिब में संकलित हैं। इसमें गुरू नानक देव, गुरू अर्जुन देव, गुरू अमरदास, गुरू रामदास, आदि गुरूओं की रचनाएँ सम्मिालित हैं।

3. **अन्य संतों की वाणी भी सम्मिलित**- भाई मर्दाना, सतनामी संत, कबीर, रैदास, नामदेव, धन्ना, यीपा, शेख फरीद, जयदेव, रामानंद, सूरदास आदि की वाणियाँ भी शब्द रूप में गुरू ग्रंथ साहिब में शामिल हैं।

4. **गायन की परंपरा**- सिख समुदाय में शब्दों का गायन कीर्तन पद्धति के अंतगति सामूहिक रूप से किया जाता हैं। इसमें राग, ताल एवं संगीत के अन्य तत्वों का समावेश होता हैं।

5. **वाद्य यंत्रो का प्रयोग**- पहले रबाब, दिलरुबा, ताउस आदि का प्रयोग होता था; वर्तमान में तबला ढोलक, हारमोनियम आदि का उपयोग किया जाता हैं।

6. **उदाहरण**- एक शब्द रचना इस प्रकार दी गई हैं:

   देव गंधारी महला

   जगत में झूठ देख प्रीति

   अपने ही सुख सउ सभ लागे

   किया दशि किआ मीत ।।2 ।। रहाउ ।।

   'शब्द' संगीत का वह रूप है जो न केवल भक्ति की अनुभूति कराता है, बल्कि आत्मा को ईश्वर से जुड़ने का माध्यम भी हैं। यह गुरबाणी के रूप में सिख धर्म में अत्यंत पवित्र व लोकप्रिय है और उसका गायन कीर्तन के रूप में सामूहिक साधना का रूप ले चुका हैं।

रोकसी मैहला
बी.ए. द्वितीय वर्ष

संगीत में रोजगार की संभावनाएँ

संगीत में रोजगार की संभावनाएँ आज बहुत अधिक और विविध हो गई हैं। पहले संगीत को केवल शौक या कला के रूप में देखते थे, लेकिन अब यह एक बड़ा करियर विकल्प बन चुका है।

संगीत में रोजगार की प्रमुख संभावनाएँ:-

1. **गायन** (Singing)- शास्त्रीय, लोक, फिल्मी, पॉप, भजन, कत्वाली आदि में गायक के रूप में करियर।
2. **वादन** (Instrumental Music)- सितार, तबला, गिटार, पियानो, बांसुरी, ढोलक आदि वाद्ययंत्रों में विशेषज्ञ बनकर।
3. **संगीत शिक्षक** (Music Teacher)- स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय या निजी संस्थानों में पढ़ने का अवसर।
4. **संगीत निर्देशन** (Music Director/Composer)- फिल्मों, धारावाहिको, विज्ञापनों और एल्बम में संगीत देने का काम।
5. **रिकॉर्डिंग और सांउड इंजीनियरिंग**- म्यूजिक स्टूडियो, रेडियों और टीवी चैनलों पर कार्य।
6. **डबिंग और वॉयस आर्टिस्ट**- विज्ञापन, फिल्म, धारावाहिक और रेडियों में आवाज़ देने का अवसर।

7. **संगीत चिकित्सा** (Music Therapy)- अस्पतालों और संस्थानों में मानसिक तनाव अवसाद और अन्य बीमारियों के इलाज में संगीत का उपयोग।
8. **स्टेज परफॉर्मेंस और लाइव शो**- देश-विदेश में कार्यक्रम प्रस्तुत करके नाम और पैसा दोनों कमाना।
9. **यूटयूब और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म**- ऑनलाइन गाने, म्यूजिक वीडियो और टयूटोरियल बनाकर करियर और प्रसिद्धि।
10. **संगीत पत्रकारिता और लेखन**- संगीत पत्रिकाओं, ब्लॉग्स ओर चैनलों के लिए लिखना।

सेजल मैहला
बी.ए. तृतीय वर्ष

FESTIVALS

CELLS / CLUBS ACTIVITIES

CELLS / CLUBS ACTIVITIES

EK PED MAA KE NAAM

DEPARTMENTAL HIGHLIGHTS & FACULTY MILESTONES

English Department

1) Organised an Online Seminar on "Stress Management - Unlock your Inner peace" on 25 April, 2025
2) Organised a 'Paper Reading Contest' on the topic 'Is the World Heading towards 3rd World War' on 25 October 2024.
3) Completed an Add on Certificate Course on " Exploring Panchtantra" from 16.8.24 to 21.9.24.
4) Organised an Educational Trip to Kurukshetra on 04.04.25.
5) Organised Two Days on "Spoken English" from 10.3.2026 to 11.3-2026.
6) Organised Quotes Writing Competition on 26.02.2026.

History Department

1) History Department and counciling cell organised an extension lecture on the topic 'आधुनिक युग में गायत्री मंत्र का ऐतिहासिक महत्व' on 08th August, 2024.
2) History Department in collaboration/ under MoU with Babu Anant Ram Janta college, Kaul, Kaithal organized two days online National quiz competition on the occasion of Gandhi jayanti from 30 September to 1 October, 2024.
3) An oath ceremony on the Preamble of the Constitution was organised by the Department of History on 20th January, 2025.
4) An extension lecture on 'The life and contribution of Netaji Subhas Chandra Bose to the Indian National Movement was organized by the Department of History on 23rd January, 2025. Lecture Delivered by Dr. Atul Yadav, associate professor of history in Govt. PG college Ambala cantt.
5) A program for voter awareness and oath on Voter's Day on 25th January, 2025 was organized by History Department and Election Cell.
6) History Department and Political Science Department organised an extension lecture on "one Nation one election" on 24th March, 2025. (Lecture delivered by Anil Nagpal purv Nagar Parshad v ek rashtra ek chunav ke Rohtak vibhag ke sanyojak and Ajit chahal ek rashtra ek chunav ke kurukshetra vibhag ke sahsanyojak)
7) Three students of History Department (Monika Kumari, Bhavna Garg & Gayatri from B. A. 3rd year) participated in an online state level essay writing competition on 23rd March, 2025 organised by History Department, Indira Gandhi mahila Mahavidyalaya college, Kaithal.
8) PPT Competition on the occasion of Sardar Vallabh Bhai Petal Jayanti on 31st October, 2025 organised by History Department.
9) Awareness walk and Rally on the occasion of Veer Bal Divas on 26th December, 2025 organised by History Department.
10) Run for Swadeshi Program on the occasion of National Youth Day (Birth Anniversary of Swami Vivekananda) on 12th January 2026.
11) National Flag awareness campaign 2026 on 12th January, 2026 organised by History Department and Political Science Department.
12) Educational Trip on 24th February, 2026.

13) M.A. History Students participated in the three-day International Conference "Kurukshetra : Through the Ages" held from 08-10 April 2026, organized by Kurukshetra University in collaboration with Shrimad Bhagwad Gita Study Centre, ICHR New Delhi, and Vision Kurukshetra.

Political Science Department

1. PPT Presentation on New criminal laws of India on 29.06.2024
2. Screening of movie on the Birth Anniversary of Bharat Singh on 27.09.2024
3. Online Guest lecture on Constitutional day on 26.11.2024
4. Organize an Extension Lecture on One Nation one Election on 24.03.2028
5. Organizes quiz competition on 11.04.2025
6. Organised National Flag Awareness Programme on 22 January, 2026 celebrated to Veer Bal Diwas on 26 January, 2026

हिंदी विभाग

1. हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढाण्ड, डडवाना (कैथल) में राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 14 सितंबर, 2024 को करवाया गया ।
2. हिन्दी विभाग द्वारा कंप्यूटर विभाग की सहभागिता से 'भगवान परशुराम जयंती' के अवसर पर 29 अप्रैल, 2025 को दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।
3. चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढाण्ड, डडवाना (कैथल) में 'रंगमंच' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 10 मई, 2025 को करवाया गया।
4. ''गुरु तेग बहादुर जी'' की 350वीं जयंती के उपलक्ष्य में 11 नवम्बर, 2025 को सेमिनार का आयोजन किया गया।
5. 'महर्षि दयानंद सरस्वती जी' की जयंती के उपलक्ष्य में 12 फरवरी 2026 को निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
6. ''अंतराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस'' पर 21 फरवरी 2026 को सांस्कृति कार्यक्रम का आयोजन कियागया।
7. हिन्दी विभाग द्वारा 'रंगमंच' विषय पर 27 मार्च, 2026 को कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संस्कृत विभाग

1. संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत दिवस के उपलक्ष में चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढाण्ड कैथल में राज्य स्तरीय ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन 19 अगस्त, 2024 को किया गया।
2. संस्कृत विभाग द्वारा 12 नवम्बर, 2024 को संस्कृत छात्राओं के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र में शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया।
3. चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढाण्ड डडवाना कैथल में 30 घण्टे का योगा एवं संस्कृत में मेडिटेशन कोर्स 17 अगस्त, 2024 से 24 सितम्बर, 2024 तक करवाया।
4. चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढाण्ड कैथल में 21–22 मार्च, 2024 में Annual athlete meat आयोजित करवाने में विशेष भूमिका निभाई।

Economics Department

1. Organised a camp on Financial literacy in collaboration with Postal Authorities on 24 July, 2024
2. Conducted 30 hour Add-on certificate course in banking and financial services from 20 August, 2024 to 8 October 2024
3. An Educational visit to Shri Ram Rice General Mill on 30 August, 2024
4. A visit to Punjab National Bank, Dhand on 25 September, 2024
5. Organised Banks & Financial Institutions "logo" Competition on 1st October, 2024
6. A Six day workshop on "Employability skills workshop by naandi foundation in Association with mahindra pride from 14 October to 19 October, 2024
7. A Visit to Adani Agri Logistics, Silo at solumajra, Kaithal on 7 February, 2025
8. A Powerpoint presentation competition on topic "Various Issues in Indian Economy on 12th April, 2025.
9. An Extension lecture on "Financial literacy and cyber fraud" by Smart trainer, SEBI on 19 April, 2025
10. 6th Auguust, 2025 : Extension lecture on "Career option in Commerce and Economics" by Dr. Manoj Bhamboo, Principal Bhim Rao Ambedkar Govt. College, Kaithal.
11. 23rd August, 2025 : National Seminar on "Sustainable Development : Innovations, challenges and Pathways to a resilient future."
12. 20th September, 2025 Extension lecture on "Financial Literacy & Cyber Fraud" by SEBI Smart Trainer Mr. Vishavdeep Sharma (NCDEX)
13. 6th October, 2025 Extension lecture on "LIC-BIMA SAKHI" by Mr. Sunil Kumar, LIC Development Officer.
14. 19th February, 2026 : Educational visit to white hill, Agro Products Pvt. Ltd. Manufacturer and Exporter of Basmati Rice, Kurukshetra.
15. 23rd February, 2026 : Extension lecture on "AI & Cyber Security" by Mr. Jaspreet Singh, sr Engagement Associate at Bharat Cares.
16. 18th March, 2026 : Extension lecture on "Road Map to Success" by Prof. (Dr.) Meenakshi, Govt. College, Palwal.
17. 30th March, 2026 : Extension Lecture on "Save Invest, Grow : your Path to Financial Freedom" by Mr. D.K. Kathuria, Financial Education Trainer NCFE, Mumbai.

Department of Mathmatics & Physical Science Department

1. A speech competition was held on the theme- Ozone for Life in context of wold ozone 16th September, 2024.
2. Students participated in the Science Essay Writing Competition held at the District Level (B.R. Ambedkar Government college, Kaithal) and three students were selected for the state level on dated 25 October, 2024

3. A Certificate Course in Basic Mathematics for 30 hours was conducted from 17.09.2024 to 11.11.2024 for non mathematics background (graduate and postgraduate) students. Total 21 students successfully completed the course.
4. World Earth Day was celebrated by the Science Department on 22.04.2024 and in it. An essay writing competition was conducted
5. A Poster Making Competition was organised by Science department in the context of National Science Day on 27.7.2025.
6. An extension lecture was organised on the topic "rethinking plastic for sustainable tomorrow" delivered by. Prof: Sanjeev Arora, Deptt. of chemistry, KUK.
7. Organized Essay writing competition and Speech competition on 14 August, 2025 and 18 August, 2025 respectively to celebrate Indian Space Week.
8. A poster Making competition was conducted by mathematics dept. on the topic "Application by mathematics in daily life on 12.9.2025
9. Organised Poster making competition on 16 September, 2025 to celebrate World Ozone Day.
10. Organised Quiz competition on 15 October, 2025 to celebrate A.P.J.Abdul kalam Birth's Anniversary.
11. An extension lecture was organised on the topic "Indigenous Knowledge with Modern Concept" delivered by Dr. Neera Raghav, Deptt. of Chemistry, KUK.
12. A model making competition was organized by science department in the context of National Science Day.
13. An essay writing competition was organized by mathematics dept. on the topic mathematics and its applications on 3.11.2025

Commerce Department

1. An Educational visit to Shri Ram Rice General Mill on 30 August, 2024.
2. Students participated in State Level Business Fest organized by Ch. I.S.KMV Pundri Jyoti (B.A.III) got First prize in Poster making competition on dated 28 September, 2024
3. Conducted Six day workshop on "Employability skills by Naandi Foundation in Association with Mahindra Pride from 14 October, to 19 October, 2024
4. An Extension Lecture on "Portfolio Management" Resource Person Vishavdeep Sharma (SEBI) was conducted on 25 October 2025.
5. A Trip to Panorma and Jyotisar on 12 November, 2024
6. Visit to Adani Agri Logistics, Silo at Solumajra on 7 February, 2025
7. Power Point Presentation competition on 12 April, 2025
8. An Extension lecture on financial literacy and Cuber security by vishavdeep Sharma, Smart Trainer SEBI on 19 April 2025
9. 6th August 2025 : Extension lecture on career option in commerce and economics delivered by Dr. Manoj Kumar Bhamboo, Principal, B.R. Ambedkar, Govt. College Kaithal.

10. 23rd October, 2025 : National Seminar on 'Sustainable Development : Innovation, Challenge and Pathways to resilient future.
11. 20th September, 2025 : Extension Lecture on "Financial Literacy and Cyber Frauds delivered by Mr. Vishavdeep Sharma, Smart Training SEBI.
12. 19th February, 2026 : Educational visit to White Hill Agro Product Pvt. Ltd., Kurukshetra
13. 18th March, 2026 : Extension Lecture on "Roadmap to Success" delivered by Dr. Meenakshi, Govt. College, Palwal.
14. 30th March, 2026 : Extension Lecture on "Save Invest, Grow your Path to Financial Freedom" delivered by D.K. Kathuria, Financial Edcuation Trainer (NCFE).

Computer Department

1. Group Debate Competition was organized by the Computer Department which was held on 23rd August 2024.
2. Power Point Presentation Competition was organized by the Computer Department held on 26th October, 2024.
3. One Day Workshop for Power Presentation was organized by the Computer Department which was held on 18th March, 2025.
4. National Level Online Quiz Competition was organized by the Computer Department which was held on 26th April 2025to 28th April 2025.
5. Organised a "Digital Poster and Injographic Contest" on 10th February, 2026
6. Organised a one day workshop on "Advanced Excel on 25th February, 2026

Sports Department

1. Participated in a Volleyball Inter zone women championship 14/10/2024 Organised By Sports Department kurukshetra University kurukshetra
2. Three students of sports department (Kanika, Manju Seena.BA 2nd year) got 3rd position in a Teakwondo inter College championship on 26/10/2024 organised by kurukshetra University kurukshetra
3. 2nd position inter zone kho- kho women championship on 20/11/2024 organised by Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya College Pundri
4. Three students (Namrata, Seena, Anju, B.A. 2nd year) got 3rd position in inter College Karate championships on 21/11/24 Organised by Sports Department kurukshetra University. kurukshetra
5. Two students (Anju B.A. 2nd year Janvi Bsc 1st year) got 3rd position in inter College Judo championship on 26/11/2024 organised by kurukshetra University kurukshetra.

Home Science Department

1. Organised one day paper cutting workshop on 7th September 2024
2. Organised competition on National Nutritional Nonth on 30 September, 2024
3. Organised mehandi competition on 19th October, 2024
4. Organised Food Stalls on the occasion of "Basant Panchmi" on 24th January, 2026

Department of Library Science

1. On 29.11.24, a Library Book exhibition was organized in the library. A variety of informative and educational books was displayed for the benefit of student and staff.
2. On 23.04.25, world book day was celebrated in the library. The day highlighted the importance of books and reading habits among the students.
3. On 12.08.2025, Library's day was celebrated in the library. The day recognized the valuable role of library in promoting knowledge and reading culture.
4. On 13.08.25, a Library workshop was organized. The workshop aimed to enhance awareness about library resources and their effective use.

CELLS ACTIVITIES

Internal Quality Assurance Cell

1. Feb 18, 2025 : Organised DGHE approved one day multidisciplinary national seminar on Women Empowerment: Transforming Lives, Transforming Communities in collaboration with Women Cell.
2. April 25, 2025 : Orgainsed DGHE approved one day multidisciplinary online national seminar on Stress Management: Unlock Your Inner Peace in collaboration with English & Psychology Department.
3. August 08, 2025 : Orgainsed DGHE approved one day multidisciplinary online national seminar on Preserving India's Cultural Heritage in the Era of Globalization in collaboration with History and Political Science Department.
4. August 23, 2025 : Orgainsed DGHE approved one day multidisciplinary online national seminar on Sustainable Development: Innovations, Challenges and Pathways to a Resilient Future in collaboration with Commerce and Economics Department.
5. April 10, 2026 organised Extension Lecture on "Commercializing Innovation : The Role of IPR" delivered by Dr.(Prof.) Neera Raghav, Senior Professor, Department of Chemistry, Kurukshetra University, Kurukshetra.

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) :
युवाओं के लिए सेवा और संस्कार

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्त्वपूर्ण योजना है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में समाज सेवा की भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय एकता का विकास करना है। NSS का मुख्य आदर्श वाक्य है – "Not Me, But You" अर्थात् ''मैं नहीं, तुम'', जो निस्वार्थ सेवा और दूसरों को प्राथमिकता देने की प्रेरणा देता है।

NSS विद्यार्थियों को सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण, साक्षरता, स्वास्थ्य जागरूकता और नैतिक मूल्यों को अपनाने का अवसर प्रदान करता है। यह केवल एक गतिविधि नहीं बल्कि विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास का माध्यम है।

चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढाण्ड-डडवाना कैथल में एन एस एस की दो इकाइयां कार्यक्रत है। जो अपनी सक्रिय भूमिका से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है।

NSS गतिविधियाँ -

1. 18 से 25 जुलाई, 2024 - वन महोत्सव सप्ताह मनाया गया, जिसमें वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया गया।
2. 2 अगस्त, 2024-ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित हुआ, जिसमें नए स्वयं सेवकों को NSS की गतिविधियों व उद्देश्यों से अवगत कराया गया।
3. 9 से 15 अगस्त, 2024-राष्ट्रीय आत्म सम्मान सप्ताह के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस से जुड़ी विभिन्न गतिविधियाँ कराई गई।
4. 17 अगस्त, 2024 - सड़क सुरक्षा जागरुकता के तहत रैली निकाली गई, जिसमें आमजन को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया गया।
5. 20 अगस्त, 2024 - NSS का पंजीकरण महाविद्याल में संपन्न हुआ।
6. 14 सितम्बर, 2024- हिंदी दिवस पर भाषण और कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई।
7. 21 सितम्बर, 2024- एक दिवसीय NSS शिविर लगाया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने सेवा, अनुशासन और सहयोग की भावना को आत्मसात किया।
8. 24 सितंबर, 2024 को महाविद्यालय में NSS दिवस मनाया गया
9. 12 नवंबर, 2024 को कुरुक्षेत्र में एक दिवसीय भ्रमण करवाया गया
10. 21 नवंबर, 2024 को महाविद्यालय में नेशनल इंटीग्रेशन डे मनाया गया
11. 26 जनवरी, 2025 को महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस मनाया गया ।
12. 12 से 19 जनवरी, 2025 महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद जयंती सप्ताह मनाया गया।
13. 10 से 16 फरवरी, 2025 गांव सलेमपुर महदूद में सात दिवसीय एनएसएस शिविर लगाया गया।
14. 27 फरवरी, 2025 को महाविद्यालय में एक दिवसीय शिविर लगाया गया।
15. 21 मार्च, 2025 को महाविद्यालय में एक दिवसीय शिविर लगाया गया।
16. 14 अप्रैल, 2025 संविधान निर्माता डॉ० भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई।
17. 16 मई, 2025 ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष में रैली निकाली गई।
18. 9 जून, 2025 स्वयं सेवकों ने पौधारोपण और योग अभ्यास किया।
19. पेड़ लगाना और 11वां इंटरनेशनल योगा डे सेलिब्रेशन 21 जून 2025 कुल 80 छात्राओं ने भाग लिया।
20. पेड़ लगाने का अभियान (एक पेड़ एक जिंदगी) - 18 जुलाई 2025 कुल 50 छात्राओं ने भाग लिया।
21. तिरंगा रैली - 12 अगस्त 2025 कुल 70 छात्राओं ने भाग लिया।
22. महाविद्यालय की नई छात्राओं का NSS रजिस्ट्रेशन 18-19 अगस्त 2025 को इकाई 1/2 द्वारा किया गया।

23. मेजर ध्यान सिंह के सम्मान में नेशनल स्पोर्ट्स डे – 29 अगस्त 2025, कुल 60 छात्राओं ने भाग लिया।

24. ओरिएंटेशन 30 अगस्त 2025 कुल 100 छात्राओं ने भाग लिया।

25. हिंदी दिवस पर लघु नाटिका 13 सितंबर 2025 कुल 20 छात्राओं ने भाग लिया।

26. आत्मनिर्भरता और एकता के पक्ष में रैली – 15 सितम्बर 2025 कुल 60 छात्राओं ने भाग लिया।

27. NSS डे और एक दिन का कैंप – 24 सितंबर 2025 कुल 120 छात्राओं ने भाग लिया।

28. वन महोत्सव (एक पेड़ माँ के नाम) 29 सितंबर 2025 कुल छात्राओं ने भाग लिया।

29. एग्जीक्शून पर एग्जीबिशन देखने के लिए कुरुक्षेत्र की एजुकेशन ट्रिप (4 अक्तुबर, 2025)। कुल 40 छात्राओं ने भाग लिया।

30. रन फॉर यूनिटी (31 अक्तूबर, 2025) कुल 60 छात्राओं ने भाग लिया।

31. वंदे मातरम की 150वीं सालगिरह का जश्न (14 नवम्बर, 2025) कुल छात्राओं ने भाग लिया।

32. संविधान दिवस का जश्न (24–26 नवंबर, 2025) कुल 50 छात्राओं ने भाग लिया।

33. यूथ डे का जश्न (12 जनवरी 2026) स्वेदशी संकल्प दौड़ का आयोजन कुल 60 छात्राओं ने भाग लिया।

34. लोहड़ी का जश्न (13 जनवरी, 2026) कुल 100 छात्राओं ने भाग लिया।

35. नेशनल फ्लैग अवेयरनेस प्रोग्राम (22 जनवरी, 2026) कुल छात्राओं ने भाग लिया।

36. बसंत पंचमी सेलिब्रेशन (24 जनवरी, 2026) कुल 110 छात्राओं ने भाग लिया।

37. रिपब्लिक डे सेलिब्रेशन (26 जनवरी, 2026) कुल 100 छात्राओं ने भाग लिया।

38. साइबर सिक्योरिटी पर लेक्चर (27 जनवरी, 2026) कुल 65 छात्राओं ने भाग लिया।

39. अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस 21 फरवरी, 2026 को मनाया गया जिसमें 30 छात्राओं ने भाग लिया।

40. चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढाण्ड डडवाना कैथल (11 फरवरी, 2026) को एनएसएस इकाई 1/2 द्वारा एकदिवसीय कैम्प लगाया गया।

41. चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढाण्ड डडवाना कैथल में 25 फरवरी 2026 को एक दिवसीय कैंप लगाया गया।

इन सभी गतिविधियों के माध्यम से NSS स्वयं सेवकों ने सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय एकता और जनहित कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। इस प्रकार NSS विद्यार्थियों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन जीने की सही दिशा भी प्रदान करता है।

NCC National Cadet Corps

NCC unit of our college plays a remarkable role since its inception. Our college NCC unit comes under 10 Haryana BN NCC Kurukshetra, with 53 cadets. It started functioning in 2015. Various duties are assigned to NCC cadets to maintain discipline in the college. NCC cadets participated in various camps like National Integration Camp, (ATC) Annual training camp, Army attachment camp, YAMS camp, trekking camp and Pre RD camp. Cadets never miss to celebrate National days like Independence day, Republic day, NCC day, Army day etc. NCC cadets participated in rallies also to spread awareness in society about cleanliness campaign, Girl equality, National unity etc.

NCC ACTIVITIES:-

1) 18.7.2024 Organized "One Cadet One Tree Campaign" in college Campus..
2) 26.9.2024 Organized Poster Making and Slogan Writing Competition under the theme" Swachh Bharat Abhiyan".
3) 21.11.2024 One day Programme on Swachh Bharat Abhiyan organized in College campus.
4) 23.11.2024 Celebrated N.C.C Day with full enthusiasm.
5) 21-06-2025 : Celebrated International Yoga day.
6). 28-8-2025 : Fitness Run under "Making India a fit nation".
7). 7-08-2025 : Lecture organized on Jan Arogya Awareness.
8). 12-08-2025 : Rally held on Jan Arogya Awareness.
9) 15-8-2025 : Celebrated Independence day (Bike Rally on Har ghar tiranga yatra).
10). 10-9-2025 : Regular Visit of Commanding Officer in CISKMV DHAND.
11) 1-10-2025 : Best out of waste material competition.
12),11-10-2025: Lecture on utilization of wasteland for tree plantation.
13) 28-10-2025 - Donation drive (Donated old clothes and food items to brick kiln workers at pabnawa).
14) 24-11-2025 - Celebrated NCC Day.
15) 15-01-2026 - Celebrated Indian Army Day.
16) 26-01-2026 - Celebrated Republic Day.

Election Cell

1. On 12th August 2024 the Election Cell organized a Nukkad Natak to create awareness among students and the local community about the importance of voting and active participation in the democratic process.
2. A Poster Making Competition was held on 27th August 2024 with the aim of spreading awareness about free, fair, and ethical voting among students.
3. On 28th August 2024 an Essay Writing Competition was organized on the topic "Importance of Each Vote", encouraging students to express their views on democratic values and responsible citizenship.
4. On 29th August 2024, students took an Election Pledge to uphold democratic values and to participate responsibly in the electoral process.
5. On 18.09.2024 as per the directions of the ADC and under the guidance of Dr. Ankita Pawar, various voter awareness activities were successfully organized in the college to promote democratic values among students. The activities included Gidda, Ragini, Quiz Competition, and Rangoli Making, all based on the theme of "Election Awareness". Dr. Ankita Pawar actively motivated and guided the students to participate enthusiastically in these activities. Through cultural and creative expressions, students were sensitized about the importance of voting, ethical participation in elections, and

their role as responsible citizens. The programme was conducted in an effective and engaging manner, creating awareness about the electoral process among the young voters.

6. On 18th October 2024 an Election Awareness Programme was organized in our college as per the directions of ADC Ms. Ankita Pawar, who was personally present on the occasion.

   Voter awareness was promoted through Gidda, Ragini, Natak, and Rangoli and Ms. Ankita Pawar herself administered the voting pledge to all the students.

7. On 30th August 2024, the Election Cell conducted a Door-to-Door Campaign to spread awareness among the general public regarding voter registration and the significance of voting.

8. On 25th January 2025, the Deputy Commissioner honored the students for their outstanding performance:

   Three students secured Second Position in the Rangoli Competition.

   One student secured Third Position in the Essay Writing Competition.

Anti Ragging Cell

1. यूजीसी एवं उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा के निर्देशानुसार 12 से 18 अगस्त 2024 तक महाविद्यालय में एंटी रैगिंग सप्ताह मनाया गया।

2. यूजीसी एवं उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा के निर्देशानुसार 12 से 18 अगस्त 2025 तक चौ० ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढाण्ड डडवाना कैथल में एंटी रैगिंग सप्ताह मनाया गया ।

Yoga and Fitness Club

1. अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन 21/6/24 को किया गया।

2. योगा क्लब की ओर से 30 घंटे का short term course योगा एवं मेडिटेशन किया गया 17/24 से 24/10/24 तक।

3. 12 जनवरी से 12 फरवरी 25 तक हर घर परिवार सूर्य नमस्कार का आयोजन महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर किया गया।

4. 11वीं अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर 9 जुलाई, 2025 को महाविद्यालय में योग प्रशिक्षण किया गया जिसमें डॉ० संगीता शर्मा ने छात्राओं को योग प्रशिक्षण दिया

5. 29 अगस्त 2025 को महाविद्याल में खेलें व योगासन के महत्व के बारे में जागरुकता अभियान चलाया गया।

6. फिट इंडिया सप्ताह 2024 का आयोजन 28/11/24 से 4/12/24 तक किया गया जिसमे योगा व खेल कूद व स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम किए गए।

Anti Drug and Anti Tobbaco Cell

1. 13/08/2024= organised nukkad natak against harmful impact of drugs and alcohol.
2. 14/08/2024= Run against drug abuse
3. 19/11/2024= Organised nukkad natak to spread awareness about harmful impact of drugs
4. 25/06/2025=Organised Rally against drug abuse.
5. 12/08/2025= poster making competition and take pledge to avoid drugs in any form

Career Counselling, Entrepreneurship & Placement Cell

1. 22 students participated in a Job Fair organised by the district employment office, Kaithal on 28th May, 2025 at the govt. Industrial Training Institute (ITI), Kaithal.
2. A Placement Drive organised in collaboration with NIIT and Axis Bank on 30th May, 2025.
3. Organised various activities like Poster making competition, slogan writing competition and Idea Presentation Competition under the Udhimita Pakhwada (22nd August - 4th September 2025) on the occasion of world Entrepreneurship Day.
4. Students participate in a job fair organised by Government College, Karnal on 18th November 2025.
5. One Day Workshop on Migrant Awareness and Safe Overseas Employment in Collaboration with the Migrant information Awareness Centre (MIAC), Karnal on 2nd April, 2026.

Legal Cell Activities

1) 21.02.2025 An extension lecture by Mr.M.R.Miglani (advocate, civil court Kaithal)on RTI and (legal cell) Laws against domestic violence was held in college campus.
2) 20.8.2024 Two students participated in District level speech competition held at B.R Ambedkar Govt. College, Kaithal. In this competition Anchal B.A. 2nd secured 2nd position.
3) 8.11.2025 celebrated Legal services day. In which Lecture was organized to spread awareness about legal rights, duties and access to justice for all.
4) 27.01.2026 lecture on "Awareness of Cyber Crime".

Red Ribbon and Red Cross Cell

1. 7 October 2024 : A PowerPoint presentation competition was organised by Red Cross and Red Ribbon Cell on the topic "Challenges Faced by Women Today". 5 students participated.
2. 11 November 2024 : Red Cross training camp was held, 5 students participated.
3. 30 September 2024 : Poster making competition "Go Green, Plant a Tree" for Pinky Awareness was held.
4. 18 April-22 April 2025 : State level First Aid and Home Nursing training camp was held

at Dalhousie, 6 students participated.

5. 26 Feb to 2 March 2025 : Sea camp was held at Kurukshetra, 5 students participated.
6. 1 May 2025 : Red Cross Day, Red Cross and Red Ribbon Cell provided training to 117 children.

Activities of the Women Cell

1. 7 October 2024 : The Women Cell organized a PowerPoint presentation competition on "Challenges Faced by Women Today".
2. 24.8.2024 : A health checkup camp on cervical cancer and menstruation was held, conducted by the Women Cell.
3. 4 October 2024 : Dr. Vinay Gupta delivered a lecture on "Crime Against Women".
4. 20.12.2024 : The Women Cell sensitized students to take action against such crimes. SHO also informed about the track monitoring app.

Personal Achievements

Mrs. Anita Bhatia

Librarian

1. Participated in orientation Programme organized by Youth Red Cross K.U.K. held on 24 October 2024.
2. Research paper on the topic "The Role of Artificial intelligence in Environmental protection : Opportunities and Challenges with Special reference to India" was published in Vol.9 issue VIII, International Journal of Information Movement Dec 2024.
3. Presented a paper on the topic "Legal Rights and protection for women in India" at National Seminar organized by C.I.S. Kanya Mahavidyalaya, Dhand-Dadwana (Kaithal) on 18 February 2025.
4. Presented a paper on the topic "Stress Management Unlock your Inner Peace" in online National Seminar organized by C.I.S. Kanya Mahavidyalaya, Dhand-Dadwana (Kaithal) on 25th April 2025.
5. Presented a paper on the topic "Abstract for Natural Seminar on Preserving India's Cultural Heritage in the Era of Globalization" in online National Seminar organized by C.I.S. Kanya Mahavidyalaya, Dhand-Dadwana (Kaithal) on 8th August 2025.
6. Presented a paper on the topic "Climate Change : Mitigation and Adaptation" in online National Seminar Organized by C.I.S. Kanya Mahavidyalaya, Dhand-Dadwana (Kaithal) on 23 August 2025.
7. Participated in The Orientation Programme organized by Youth Red Cross, K.U.K. held on 2 September 2025.

Dr. Sunita Gupta

Associate Professor of Music (V)

1. Presented a paper on the topic" Impact of media on women empowerment" in an National Seminar organized by CISKMV Dhand Dadwana on Women Empowerment: Transforming lives, Transforming Communities in Feb 18, 2025
2. Presented a paper entitled "Impact of music therapy on stress levels" in an Online National level Seminar on "Stress Management : Unlock Yoir Inner Peace" organized by CISKMV Dhand Dadwana on 25 April, 2025
3. Presented a paper on the topic " Ethical practices in research mythology" in a National seminar held on 13 November 2024 on research methodology in social sciences organised by SNRL Jai Ram Girls College Lohar Majra, Kurukshetra.
4. Presented a paper on the topic "Social empowerment through Indian music and education: A Sustainable Development Perspective" on 25th March, 2025 in One Day National Seminar organised by Babu Anant Ram Janta College, Kaul.
5. Delivered an extension lecturer on women empowerment at Shri Kapil Muni Government College for Women Kalayat, Kaithal on 24 May 2025 focusing on education, self-reliance and confidence building among women students.

6. Paper Published book titled "Media as a Catalyst for Women's upliftment" by Shivraj Prakashan, Delhi with ISBN:978-81-991459-1-7 September 2025
7. Presented a paper on the topic ''वैश्विक युग में भारतीय शास्त्रीय कलाएं : संगीत के माध्यम से सांस्कृतिक अस्मिता की अभिव्यक्ति'' in a National seminar held on 8 August 2025 on preserving India's culture heritage in the era of globalisation organised by ciskmvdhand.
8. Presenting a paper on the topic "achieving the United Nations sustainable development goals through music: universal pathway to social, cultural and economic transformation" in a National seminar held on 23rd August 2025 on sustainable development innovation challenges and pathway to a resiliant future organised by CISKMV, Dhand.
9. Published a paper titled "Uttar Bhartiya aur dakshin Bhartiya Sangeet ka parsparik sambandh" in volume 17 number 1 June 2025 ISSN 0976-5085, Mumukshu journal of humanity General of Humanities: An international peer reviewed/ Refereed journal.
10. Written Chapter in Book titled "The significance of Raga in Indian music: A comprehensive study" Omega publication New Delhi (ISBN:978-93-94335-68-4)

Chapters in Edited Book

1. Published a paper entitled "Indian cultural Heritage as an their of creativity in The Signficance of Raga in Indian Music : A Comprehensive Study, Omega Publications, New Dehli, 2025, pp, 83-92, ISBN : 978-93-94335-68-4
2. Published a paper entitled "Women Empowerment Myth or Reality in Media as a Catalyst for women's Upliftment Shivraj Prakashan, Delhi, 2025, pp 66-75, ISBN 978-81-991459-1-7

Research Papers Published in Journals

1. Published a paper entitled "Uttar Bhartiya Dakshin Bhartiya Sangeet ka Parasparik Sambandh" in Mumuksnu Journal of Humanities, Vol. 17, Issue 1, June, 2025, pp. 130-133, ISSN 0976-5085.
2. Paper presented in One Day National Seminar "Ethical Practices in research methodolgy" in SNRL Jai Ram Girls College, Lohar Majra, Kurukshetra on 30th November, 2024.
3. Paper Presented in One Day National Seminar "Impact of Media on Women Empowerment" in CISKMV, Dhand on 18 Feb., 2025.
4. Paper Presented in One Day National Seminar "Impact of Music Therapy on Stress Level" in CISKMV, Dhand on 25 April, 2025.

Served as Resource Person

Extension lecture on "Women Empowerment" in "Shri Kapilmuni Govt. College for Women, Kalayat, Kaithal on 26 May, 2025.

Mrs. Anu Dhunna

Associate Professor of Economics

1. June 7, 2024 : Attended Virtual Meeting Regarding Centralized online Admissions.
2. August 12, 2024 : Participated in Intellectual Property Awareness Training Program

under National Intellectual Property Awareness Mission (NIPAM) organized by Intellectual Property office, India and KMV Pundri

3. January 12, 2025 : Attended workshop on "NEP : 2020 - भारतीय शिक्षा, संस्कार, मूल्य और आपके सुझाव'' to celebrate National Youth Day on Swami Vivekanand Jyanti organized by KUK
4. January 18, 2025 : Presented a paper Entitled "Relevance of startups in India" in National seminar on startups : opportunities and challenges in Indian Perspective organized by Govt. P. G. College, Ambala Cantt
5. February 18, 2025 : Presented a paper Entitled "Women Empowerment in India. A Review of the current status and Challenges" in National Seminar on "women Empowerment Transforming lives, Transforming Communities" organized by women cell, CISKMV Dhand.
6. March 18, 2025 : Attended workshop on "Preventing and Addressing Sexual Harassment in HEIS" organized by KUK.
7. March 20, 2025 : Presented a paper Entitled "Women Empowerment in the 21st Century in National seminar on "Role of women in Socio-Economic Development of India" organized by Guru Brahmanand Kanya Mahavidyalaya Anjanthali, Karnal.
8. April 25, 2025 : Presented a paper Entitled "Effective stress management strategies in the work Place" in National Seminar on "Stress Management. Unlock your Inner Peace Organized by CISKMV Dhand.
9. 8th August, 2025 : Presented a paper Entitled "Cultural Identify vs consumerism" in National Seminar on Preserving India's Cultural Heritage in the Era of Globalization" organised by CISKMV Dhand.
10. 23rd August, 2025 : Presented a paper Entitled "Corporate Social responsibility in India : Evolution Impact and Future Directions" in National Seminar on "Sustainable Development : Innovations, Challenges and Pathways to a resilient future" organised by CISKMV Dhand.
11. 8th October, 2025 : Attended NEP workshop on "Capacity Building and Mentoring NEP-2020" by DGHE & Haryana State Higher Education Council.
12. Paper : "Emerging Role of Human Resource Information systems in managing human Resources" in Book "Artificial Intelligence & Economic Development.
13. Written a chapter entitled "Entrepreneurship and small Business Sector" in a edited book on "Start ups management and Entrepreneurship."
14. 10th January, 2026 : Attended National Workshop on "Responsible use of AI protects privacy, trust and integrity in teaching, Learning and Research" by IT cell, DGHE.
15. 11th March, 2026 : Attended workshop on "Fostering Inclusive Campuses for Women : Role of ICCs" by Kurukshetra University.

Chapter in Edited Book

Chapter titled "Encounters for women Entrepreneurs in India" PP. 202-213 Published in Modern Trends in commerce Edited by Dr. Naib Singh & Dr. Shagun Ahuja. SGSH Publications, Published in 2024 with ISBN: 978-93-6631-329-0

Mrs. Saroj Bala

Associate Professor of Mathematics

1 Research paper on the topic 'The Role of Artificial Intelligence in Environmental Protection : Opportunities and Challenges-with special reference to India' was published in vol.9, issue VIII, International Journal of Information Movement, Dec.2024.

2 Presented a paper on the topic 'Role of Women in development of Science, Technology, Engineering and Mathematics (STEM) in India: Challenges and Government Initiatives' at National Seminar organised by C.I.S. Kanya Mahavidyalya, Dhand- Dadwana (Kaithal) on Women Empowerment :

3 Transforming lives, Transforming Communities, on Feb.18,2025.

4 Presented a paper entitled 'Stress Management in Women: Challenges and Solutions' at on-line National Seminar on Stress Management: Unlock your inner peace, organised by C.I.S. Kanya Mahavidyalya. Dhand-Dadwana(Kaithal), on April 25,2025.

5 Presented a paper on the topic 'Globalization and Indigenous Handicrafts' at on-line National Seminar on 'Preserving India's Cultural Heritage includes the era of Globalization' organised by C.I.S. Kanya Mahavidyalya, Dhand-Dadwana (Kaithal) on August 08,2025.

6 A research paper entitled 'Health, Nutrition and Well being for a Sustainable Future' was presented at on-line National Seminar on 'Sustainable Development : Innovation, Challenges and pathways to a resilient future' organised by C.I.S. Kanya Mahavidyalya, Dhand-Dadwana (Kaithal) on August 23,2025.

Dr. Meena Rani

Associate Professor of Commerce

Research Publications in Journals

1. Rani, Meena (2024). "A Study about the Financial Sector Reforms in India : Institutional & Legal Aspects." International Journal of Research and Analytical Reviews, Vol. 11, Issue 4 (Nov), pp. 1-7.
2. Rani, Meena (2025). "Impact of GST on Different Sector of Indian Economy." Indian Journal of Business Management and Technology, Vol. 12, Issue 1/2 (Jan-Jun), pp. 16-19.
3. Rani, Meena (2025). "Impact of GST on Indian Economy: With Special Reference to FMCG Products". Mumukshu Journal of Humanities, Vol. 17, No. 1, ISSN 0976-5085, pp. 36-41 (June).
4. Rani, Meena (2025). "Managing Challenges and Opportunities in Growth of MSMEs in India", Journal of Emerging Technologies and Innovative Research, Vol. 12, Issue 8 (Aug)."

Edited Book Chapter

1. Rani, Meena (2025). "Social Commerce: A New Frontier for Retailing".

   In Digital Transformation in Commerce (Edited Volume), pp. 64-72. ISBN: 978-93-6631-874-5 (Jan).

2. Rani, Meena (2025), "Role of education in Name's empowerment" in women empowerment my Thor reality (Edited Volume), PP. (39-45)

Presentations

1. Presented a paper on the topic women empowerment in an national seminar organized by Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya Dhand-Dandunna on women empowerment : transforming lives, transforming communities in feb 18, 2025.
2. Presented a paper on the topic ''भारतीय ज्ञान परंपरा में वाणिज्य की भूमिका : एक समीक्षा'' in an online one day national seminar on "Indian knowledge system : text and context" organized by Dyal Singh College Karnal on 25 feb, 2025.
3. Presented paper on the topic "Green finance and Sustainable economic growth" in on one day multi disciplinary national seminar on "Innovative Research Approaches for achieving sustainable development goals."

   Organized by Babu Annat Ram Janta College Kaul (Kaithal on 25 March, 2025)
4. Present a paper entitled "cultural Heritage In The Era Of Globalization" in an one day online multi disciplinary national seminar an" Preserving Inida's Cultural Heritage in the era of globalization" Organized by CISKMV Dhand-Dadwana on 8 August, 2025.
5. Presented a paper entitled "Sustainable Agriculture Development and food system" in an one-day online multi disciplinary national seminar on" sustainable development : "Innovation, challenges, and pathways to a Resilient future" organized by CISKMV Dhand-Dadwana on 23rd Aug, 2025.

Dr. Poonam

Assistant Professor of English

1. Published a Research Paper on " A Study of Nightingale Vocalization in Charlotte Smith's Poems in Vol - 15, Issue - 9 Sep, 2024 in Journal" International Research Journal of Management Sociology and Humanities ".
2. Presented a paper on the topic " The Role of Women's Education and Exploration of Vikas Sharma's "Medicine light in Twilight" in a National seminar held on 18 February 2025 on Women Empowerment: Encouraging live, Encouraging Communities" organised by Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand Dadwana, Kaithal.
3. Presented a paper in a National seminar on 31st January 2025 organised by Government College, Gharaunda on the topic "Analysis of the Novel, Ideas and Events by Vikas Sharma with reference to Post Truth.
4. Presented a paper in an International Seminar on 24th and 25th February, 2025 organised by Government College, Indri on " Leadership Principles in Gita: An Analysis of Decision Making".
5. Attended a Short term course on 28th 2020 Orientation and Sensitization programme organised by MMTTP, Kurukshetra from 21.07.25 to 30.07.25.
6. Presented a paper in an National Seminar organised by Ch Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand Dadwana, on the topic "Stress Management: Unlock your Inner Peace" held on 25.02.25.

7. Presented a paper in a National seminar held on 08.08.25 on the topic" Saving India's Regional Languages" organised by Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand Dadwana, Kaithal.
8. Presented a paper in a National seminar held on 23.08.25 organised by Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand Dadwana, Kaithal.
9. Published a paper in peer Reviewed Journal IJIM in December 2025 on "A Study of Anton Checkor : The Architect of Modern Short Fiction.

Mrs. Bhawna

Assistant Professor of Commerce

Written a Chapter entitled " Social Commerce : A New Frontier for Retailing in an Edited Book on "Digital Transformation in Commerce" with ISBN 978-93-6631-874-5 In first Edition January, 2025

1. Presented a paper on the topic" Strengthening Legal Rights and Protection of Women in India : Challenges and Strategies" in an National Seminar organized by CISKMV DHAND Dadwana on Women Empowerment: Transforming lives, Transforming Communities in Feb 18, 2025.
2. Presented a paper in an International Seminar on 24th and 25th February, 2025 organised by Government College, Indri on "Leadership Principles in Gita: An Analysis of Decision Making".
3. Presented a Paper entitled "Transformative Education & Research for Sustainability: Fostering a Culture of Sustainability" in an National level Seminar on "Innovative Research Approaches for Achieving Sustainable Development Goals" on March 25, 2025.
4. Presented a paper entitled "Time Management as a Stress Reduction Therapy" in an Online National level Seminar on "Stress Management : Unlock Yoir Inner Peace" organized by CISKMV DHAND DADWANA ON 25 April, 2025.
5. Attended a Short term course on 28th 2020 Orientation and Sensitization programme organised by MMTTP, Kurukshetra from 21.07.25 to 30.07.25.
6. Presented a paper entitled "Global Perspectives in Cultural Protection : Policies and laws fir safeguarding Heritage" in an Online National level Seminar on "Preserving India's Cultural Heritage in the Era of Globalization on Aug 08,2025
7. Presented a paper on the topic "Technology artificial intelligence and digital tools for sustainability" in an Online National seminar on "Sustainable Development : Innovations, Challenges and Pathways to a Resillient Future"organized by CISKMV DHAND DADWANA On 23 Aug, 2025.
8. Presented a paper titled "Immutable Transformational Shrimad Bhagwad Gita Widsom for Excellence in Management" in an International Conference organised by Kurukshetra Unversity, Kurukshetra on 24-26 November, 2025
9. Presented a paper titled "Digital Payments : Driving a Sustainable Economy in National Seminar organised by R.K.S.D. College, Kaithal on 20th March, 2026

Mrs. Varkha Khanchi

Assistant Professor (Economics Department)

1. Participated in the NEP 2020 Orientation and Sensitization Programme (MM-TTP), UGC, organized by KUK (15-07-2024 to 27-07-2024).
2. Participated in a one-week online FDP on "Gender Sensitization" from 03-02-2025 to 08-02-2025.
3. Attended a one-day National Conference on "India and IORA: Pathways Ahead" on 27-February, 2025.
4. Presented a paper titled on "Role of Women in Economic Development" in a one-day National Seminar on "Women Empowerment: Transforming Lives, Transforming Communities" on 18-Feb-2025.
5. Presented a paper titled on "Works Life Balance and Stress Management" in a one-day National Seminar on "Stress Management: Unlock Your Inner Peace" on 25-Apr-2025. Paper "Globalization and Indigenous Handicrafts: challenges and opportunities"
6. Presented a paper titled "Biodieversity conservation and ecoloyg restoration in one day online multidisciplinary National Seminar on 8 August, 2025.
7. Presented a paper in a one-day online national multidisciplinary seminar on " sustainable development: Innovation, challenges and pathways to a resilient future" on 23 August 2025.
8. Paper titled "E-commerce and IT's Impact on Indian Economy" published in International Journal of Information Movement, Volume IX, Issue XI (March 2025), a monthly multidisciplinary online journal by N.K. Publishing.

Mrs. Sonia

Assistant Professor of Political Science

1. Published a Research Paper titled "The United Nations High Seas Treaty and Its Implications for India: A Comprehensive Analysis" in the Asian Journal of Multidimensional Research (AJMR), a Double Blind Refereed and Peer-Reviewed International Journal, Vol. 13, Issue 10, October 2024, ISSN: 2278-4853, DOI: 10.5958/2278-4853.2024.00018.8.
2. Presented a paper in a One-Day Online Multidisciplinary National Seminar on "Preserving India's Cultural Heritage in the Era of Globalization" held on 8th August 2025, organised by the Department of History & Political Science under the aegis of IQAC, Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand-Dadwana, Kaithal.

   Paper Title: "Cinema & OTT Platforms as Vehicles of Cultural Transmission".
3. Presented a paper in a One-Day Online Multidisciplinary National Seminar on "Sustainable Development: Innovation, Challenges, and Pathways to a Resilient Future" held on 23rd August 2025, organised by the Department of Commerce & Economics under the aegis of IQAC, Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand-Dadwana, Kaithal.

   Paper Title: "Sustainable Development and Policy Framework for a Balanced Future".

4. Published a Research Paper as a Chapter in an Edited Book titled "Women Empowerment and Globalization: A Critical Analysis of Opportunities and Challenges" in the edited volume Women Empowerment: Myth or Reality, edited by Dr. Mamta Rani, published by Shivraj Prakashan, Delhi, First Edition: September 2025, ISBN: 978-81-991459-1-7.
5. "Indian Knowledge System and Sustainable Development : A Socio Political Perspective" Presented at the One Day Interdisciplinary National Seminar on Indian Knowledge System : In the Context of Literature, Society and Science organised by S.A. Jain (P.G.) College, Ambala City, Date : February 20, 2026.
6. "From Scarcity to Sovereignty : Analysing India's Ascent as a Global Leader in Agriculture and Food Security." Presented at the One day Interdisciplinary National Seminar on Insights from India @100 : Analyzing the Journey and Future Trajectories, organised by Department of Economics, RKSD College, Kaithal Date : February 27, 2026.
7. "Cinema & OTT Platform as Vehicles of Cultural Transmission." Presented at the One Day Online Multidisciplinary National Seminar on Preserving India's Cultural Heritage in the Era of Globalization, organised by Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand-Dadwana, Kaithal. Date : August 8, 2025.
8. "Sustainable Development and Policy Framework for a Balanced Future" Presented at the One Day Online Multidisciplinary National Seminar on Sustainable Development : Innovation, Challenges and Pathways to a Resilient Future, organised by Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand-Dadwana, Kaithal : Date August 23, 2025.

Chapter Edited Books

1. "Women Empowerment and Globalization : A Critical Analysis of Opportunities and Challenge." In Women Empowerment : Myth or Reality. Edited by Dr. Mamta Rani, Page - 152.

Dr. Kamlesh

Assistant Professor of Sanskrit

1. Attended two weeks Refresher course from 7/5/25 to 20/5/25 organised by UGC. M.M.T.T.C. KUK
2. Rabindra Bharat Partika UGC. Care International Patrika ISSN. No. 0937-0037 Impact Factor 6.4

   Topic : प्राच्य विधाओं में पर्यावरण संरक्षण की महत्ता वर्तमान समय में उसका प्रभाव

   8 July 2024 पृष्ठ संख्या 74

3. सरदार वल्लभभाई पटेल शासकीय महाविद्यालय देव तालाब जिला मऊगंज मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय वेबीनार में पेपर प्रकाशित पृष्ठ संख्या 83 संस्करण 2024

   विषय : व्यक्तित्व विकास में चरित्र निर्माण की भूमिका का समीक्षात्मक रूप

4. संस्कृत वाङमय में ज्ञान विज्ञान परम्परा

   पुस्तक में पेपर प्रकाशित ISBN-NO 9789391657970

आर्य पब्लिकेशन नई दिल्ली

पृष्ठ संख्या 23, संस्करण 2024

विषय : श्रीमद् भागवत गीता में निहित शांति शिक्षा एक उदाहरण

5. भारतीय संस्कृति के विविध आयाम पुस्तक में पेपर प्रकाशित

सप्त ऋषि पब्लिकेशन पृष्ठ संख्या 221 संस्करण 2025

विषय : भारतीय जीवन शैली में योग का महत्व आधुनिक समय में इसकी उपयोगिता

पेपर प्रस्तुति

9वे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कुरुक्षेत्र में विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र 9 से 7 दिसंबर 2024

विषय : श्रीमद् भागवत गीता में प्रकृति और पर्यावरण का सामंजस्य एक समीक्षात्मक अध्ययन

1. त्रिदिवसिया राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र संस्कृत विभाग

13/14/15 फरवरी राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी

विषय : वैदिक परिप्रेक्ष्य में स्वास्थ्य संबंधी समस्या का समाधान में आधुनिक समय में उपयोगिता

2. श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 26/7/24

विषय: आदि शकराचार्य का व्यक्तित्व और धार्मिक भावना वैज्ञानिकता

3. चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढाण्ड कैथल में ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी 8/2/25

विषय : डिजिटल युग में महिलाओं की भूमिका चुनौती और समाधान

4. चौ० ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढाण्ड कैथल में ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोंष्ठी 25/5/25

विषय: प्राकृतिक चिकित्सा में तनाव मुक्ति एक : समग्र दृष्टिकोण

5. बावू अनंत राम जनता कॉलेज कौल कैथल में राष्ट्रीय संगोष्ठी 28/4/25

विषय : वर्तमान युग में गीता की उपयोगिता एवं महत्व

6. बाबू अनंत राम जनता कॉलेज कौल में 25/3/25 को

राष्ट्रीय संगोष्ठी

विषय : विकास लक्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षा और अनुसंधान में नवाचार।

7. दयानंद महिला महाविद्यालय कुरुक्षेत्र में हरियाणा साहित्य संस्कृति अकादमी पंचकूला द्वारा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय है संगोष्ठी 4 मार्च 2025

विषय: युवा चरित्र निर्माण में वैदिक समाज की भूमिका एवं नई शिक्षा नीति में उसका उपयोग

विस्तार व्याख्यान

1. बाबू अनंत राम जनता कॉलेज कौल कैथल में मेटिवेशनल विस्तार व्याख्यान सात दिवसीय NSS कैंप 1/1/25

विषय : women empowerment and gender sensitisation.

Dr. Nishi Tuli

Associate Professor of Commerce

1. Paper entitled "Unleashing Potential : Opportunities and Growth Drivers for Entrepreneurship in India published in "Purva Mimaansa" Multidisciplinary peer reviewed Journal vol. 15, Sep 2024 ISSN 0976-02-37 PP. 79-85
2. Participated and presented a paper entitled " Empowering Women through Health and Hygiene for a Sustainable Future" in one day national seminar on "Women Empowerment: Transforming Lives, Transforming Community" organised by women Cell under the aegis of IQAC of Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand Dadwana, Kaithal on 18th February, 2025.
3. Participated in One Day workshop "Preventing and Addressing on Sexual Harassment in HEI'S" on march 18, 2025, Kurushetra University, Kurukshetra
4. Participated in national webinar on " Financial Education a Life Skill under NEP 2020", on March 20, 2025 organised by Hindu Kanya Mahavidyalaya Jind, Haryana in collaboration With Association of mutual finds in India.
5. Presented a paper entitled "Policy, Governance, and Legal Innovations, Transforming the Future of Sustainability" in one day multidisciplinary National Seminar on "Innovative Research Approaches for Achieving sustainable Development Goals" on March 25, 2025 organised by Babu Anant Ram Janta College, Kaul (Kaithal).
6. Participated and presented paper entitled "Inner Balance Through Mindfulness: A Modern Antidote to stress" in one day national seminar on "Stress management : Unlock your inner peace" on April 25, 2025 organised by Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand.
7. Participated and presented a paper entitled "Balanced Diet, Vitamin B, 12 and D Deficiencies and sustainable community well-being" in One Day Online National Seminar on "Sustainable Development : Innovation, Challenges and Pathways to Resilient Future" on August 23, 2025 organised by Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand.
8. Participated in One day capacity Building and mentioning Workshop on "National Education Policy - 2020" organised by DGHE October 8, 2025.
9. Participated One Day Workshop on "Foster in Inclusive Campuses for women : Role of ITC held at Kurukshetra University on March 11, 2025.

Dr. Manju

Assistant Professor of History

1. Paper entitled ''दक्षिण–पूर्वी पंजाब में कृषि के वाणिज्यिकरण पर विभिन्न विचार'' published in Radha Kamal Mukerjee : Chintan parampara, UGC care listed National pear reviewed journal of

social sciences, Samaj Vigyan Vikas Sansthan, Bareilly (Uttar Pradesh), ISSN : 0974-0074, PP. 181-186, July-December, 2024.

2. Completed the NEP 2020 orientation & sensititzation Programme (An Initiative for quality enhancement in teaching-learning & research) under Malaviya Mission Teacher Programme (MM-TTP) of University Grants Commission (UGC) organized by Kurukshertra from 15-07-2024 to 27-07-2024.
3. Participated a paper entitled ''वर्तमान वैश्विक पर्यावरण चुनौतियां और भगवान श्री कृष्ण के विचारों की प्रासंगिकता'' in 9th International Gita Conference 2024 on 'Shrimad Bhagwad Gita and Sustainable Ecosystem' from 5th to 7th December 2024 organised by KUK and Kurukshetra Development Board (KDB).
4. Participated and Presented a paper entitled ''भारत में महिला सशक्तिकरण : एक ऐतिहासिक अध्ययन'' in one day National Seminar on "Women Empowerment : Transforming lives, Transforming Community' organised by women cell (under the ages of IQAC) of Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand Dadwana Kaithal on 18th February, 2025.
5. Delivered an extension lecture on the ''मध्यकालीन हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत'' on 19.04.2025 at Jeevan Chanan Mahila Mahavidyalaya, Assandh, Karnal.
6. Participated & Presented a research paper entitled ''तनाव प्रबंधन रणनीतियां'' in one day online Multidisciplinary National Seminar on "Stress Management : Unlock Your Inner Peace" on 25th April, 2025 organised by (IQAC in collaboration with Department of English and psychology) Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand-Dadwana, Kaithal.
7. Completed two week Multidisciplinary refresher course on "Empowering Education through Al and Digital Technologies" under Malaviya Mission Teacher Training Programme (MM-TTP) of University Grants Commission (UGC), organised by MMTTC Central University of Jammu in collaboration with Department of computer science and Engineering, Central University of Jammu form 13th May to 26th May 2025 and obtained Grade A+.
8. Presented a paper on "Print Sanskriti se digital Sanskriti Tak : Mansik Swasthya per Aitihasik Prabhab" in One Day International Seminar organised by J.C. College of Education Assandh, Karnal on 16th February 2026.
9. Presented a paper on 'Sanskritik Virasat ke Sanrakshan Mein Yuvaon Ki Rachnatamak Bhumika' in One Day Interdisciplinary National Seminar organised by S.D. Mahila Mahavidyalaya Narwana (Jind) on 19 March, 2026.
10. Presented a paper on "Harsh ke Shasankaal mein kuruksheter : Aitiasik sanskritik AVN dharmik paripekhya mein ek vistrit adhyayan' in Three-days International Conference on "Kurukshetra : Through the Ages" held from 08-10 April 2026, organised by Kurukshetra University in collaboration with Shrimad Bhagavad Gita Study Centre, ICHR New Delhi, and Vision, Kurukshetra.

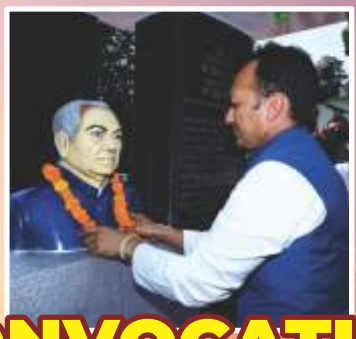

CONVOCATION

AI TRAININGS

ONE NATION ONE ELECTION

AWARDS/HONOURS

RETIREMENTS

ENCOMIUMS FROM OUR ALUMNI

Dr. Reena Gora,
Assitant Professor of Hindi
Ch. I.S.K.M.V Pundri

I did my graduation during 2001-2004 from C.I.S.K.M.V, Dhand. My college has always provided me great opportunities whereby I could show my talent, enhance my skills and knowledge. Since enrolling in my college, I have learnt a lot academically and through various experiences. Being in college has expanded my views and way I perceive the world.

I learnt a lot in my college which would help me throughout my life. All the teachers of my college are helpful, encouraging and nice. I have been in C.I.S.K.M.V Pundri, Kaithal working in Hindi Department as an Assistant Professor since 2013.

Shalu
Assistant Professor
DN College, Kurukshetra

चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढाण्ड (डडवाना) सतत् मूल्य आधारित, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। यह महाविद्यालय लंबे समय से स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अपनी एक वशिष्ठ पहचान बना चुका है।

कर्मठ, कर्तव्यनिष्ठा रूप से परियुक्त प्राध्यापिकायों का मार्गदर्शन छात्राओं की प्रतिभा को उत्कृष्ट स्तर प्रदान करता है। मैं इस महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करके अत्यंत गौरव का अनुभव करती हूं। यह महाविद्यालय भविष्य में इसी प्रकार गौरवपूर्ण ऊंचाइयों पर विचरण करता रहे, प्रभु से ऐसी मंगल कामना करती हूं।

Sarvjeet Kaur
Govt. Teacher

मैं सर्वजीत कौर सरकारी अध्यापिका कन्या महाविद्यालय बैच (1993 से 1998) आपको अपने पुराने कन्या महाविद्यालय ढाण्ड (डडवाना) की सैर करवा रही हूं। सन 1992 में गांव की छात्राओं को शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूर दूर जाना पड़ता था। कई छात्राओं का आगे पढ़ने का सपना अधूरा ही रह जाता था, तब उस समय चौधरी ईश्वर सिंह जी ने स्थानीय लोगों के सहयोग से ढाण्ड में कन्या महाविद्यालय का उद्घाटन किया। मैं आज शिक्षिका के पद पर कार्यरत हूं। जीवन की हर मुश्किल का सामना करने का जज्बा मेरी शिक्षिकाओं ने मेरे अंदर जगाया था वह आज 30 साल बीत जाने के बाद भी कायम है। इसी कन्या महाविद्यालय द्वारा दी गई शिक्षा के फलस्वरूप मुझे ब्लॉक, जिला और विभिन्न सोसाइटी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में और बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु बेस्ट टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

Dr. Anita
Assistant Professor
of Commerce
Ch. I.S.K.M.V Dhand

A very warm and delightful greetings to all! I wish to convey my heartfelt gratitude to the founder Ch. Ishwar Singh Ji with whose continuous and rigorous efforts this women college was established in 1993. As an alumnus, with immense pride and joy, I would like to pay my gratitude through this yearly magazine and would like to share my experience of my student life. For me, this college is a sacred place from where I completed my graduation in 2007 from commerce stream. Thinking and mentioning about my teachers and mentors who not only taught us but also guided us. They are highly intellectual and cooperative.

I have been serving in this college for the past fourteen years as an Assistant Professor of Commerce. I feel proud to be a part of this renowned institution.

Chand Rani
Teacher

मुझे अपने कॉलेज के दिन आज भी भुलाए नहीं भूलते मानो कल की ही बात थी। जब मै कॉलेज में पढ़ती थी तब मै एक टांग से असमर्थ थी फिर भी मैं पढ़ाई के साथ साथ खूब मस्ती करती थी संगीत से मेरा विशेष लगाव था। सुनीता मैडम से मुझे आगे बढ़ने की सबसे ज्यादा प्रेरणा मिलती थी सौभाग्य से मुझे जयपुर टूर पर जाने का मौका मिला जहां हमने खूब मस्ती की। कॉलेज के वो सुनहरे पल आज भी मेरी यादों में हैं।आज भी मै अपने कालेज ,अपनी प्राध्यापिकाओं और अपनी मस्ती को बहुत याद करती हूँ।आज मेरे दोनो टांगे खराब हो गई है लेकिन मैने हार नहीं मानी। आजकल मैं अपना कॉचिंग सेंटर चला रही हूं।आज मै जो कुछ भी हूँ सुनीता मैडम की प्रेरणा से ही हूँ।

Mamta
Teacher

मेरा नाम ममता है और मैंने 1995 कन्या महाविद्यालय डांड डडवाना में अपनी कॉलेज की शिक्षा शुरू की थी। मैं 11वीं से लेकर बीए फाइनल तक यही पढ़ी हूं और मेरा यहां पढ़ने का अनुभव बहुत ही अच्छा रहा। सबसे ज्यादा मैं संगीत से जुड़ी रही और संगीत की आचार्या सुनीता गुप्ता से जुड़ी रही जिन्होंने संगीत विषय में आगे बढ़ने में मदद की। इसलिए आज मैं क्षेत्र में संगीत की आचार्या के पद पर कार्यरत हूँ।

Anu
Teacher

चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढाण्ड डडवाना में मैंने अपने शिक्षा के 5 वर्ष पूरे किए (सन् 1996 से 2000)। मैंने मेरे महाविद्यालय को शैशवावस्था में देखा है। जो धीरे-धीरे अपनी उन्नति के पथ पर अग्रसर होता हुआ आज बुलंदियों के शिखर पर विराजमान है। इस दौरान मुझे अपनी सभी अध्यापिकाओं का असीम स्नेह एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मैं अपने महाविद्यालय एवं सभी अध्यापिकाओं की ताउम्र ऋणी रहूंगी।

Hardeep Kaur
Govt. Teacher

कन्या महाविद्यालय ढाण्ड डडवाना, कैथल ग्रामीण आंचल में बसा एक ऐसा शिक्षण संस्थान जिसमें बहुत सी छात्रा ग्रामीण परिवेश से आती है, उनके सपनों को एक नई उड़ान दी है। ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावक जहां अपनी बेटियों को सह-शिक्षा या सुदूर शिक्षा के लिए भेजने में परेशानी महसूस करते हैं, यह शिक्षण संस्थान छात्राओं को आने-जाने की सुविधा भी प्रदान करता है। गांव निगदू (करनाल) से मैंने अपना सफर कन्या महाविद्यालय में 1997 से शुरू किया तथा 2002 से बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की यहां की प्राचार्य श्रीमती बिमला परमार व अन्य प्राध्यापिकाएं, जो की बहुत ही प्रतिभाशाली हैं, अपने प्रयासों से निरंतर छात्राओं को कुछ बनने के लिए प्रेरित करती हैं। आज मैं एक सरकारी विद्यालय में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हूं और मैं इसके लिए कन्या महाविद्यालय की आभारी हूं। यहां के प्रांगण में पढ़ाने वाले शिक्षकों को मेरा कोटि-कोटि नमन।

Riya Arora
Batch - 2005-2008
Currently working as a Deputy Manager (Human Resources) at Energy Efficiency Services Limited (Govt. of India), New Delhi

As they say College is the temple of learning. I believe that C.I.S.Kanya Mahavidyalaya has been my temple of learning which has given me immense amount of knowledge and shown me correct path for my future endeavour. I joined the college in year 2005 for doing Graduation with Economics. The best thing I remember is the continuous support of all the faculty members who never said NO to any of my doubts, and it really made me much stronger in my academics performance. Apart from academics CISKMV is the best place to build you as a wholesome person with all the extra-curricular activities and events like National Service Scheme (NSS), College youth festival etc. The College has offered me great opportunities, all the faculty members and the administration put their best of efforts to bring out the best from the students. It's all their untiring efforts that the CISKMV family has grown many folds. I am forever grateful to all the CISKMV staff for giving me the best class education and environment.

Himanshi Sharma
Assistant Professor of English

I completed my graduation and post-graduation during 2020–2025 from C.I.S.K.M.V. Dhand. These years of college life were full of learning, growth, and valuable experiences. My college not only provided me with education but also helped me develop confidence, discipline, and respect for others. The memories of classes, group discussions, cultural activities, and time spent with friends will always remain special to me. College life has played an important role in shaping my future and personality. I am sincerely thankful to this institution and all my teachers for their support, guidance, and encouragement throughout my journey.

Kavita
GMS Rattangarh

I did Graduation from Ch. I.S.K.M.V Dhand- Dadwana (Kaithal) in 2002. All the teachers of this college are very hardworking. Because of their hard work, I am a teacher in G.M.S. Rattangarh (2378). I had the privilege of receiving the National Innovative Education Ratna Award cum National Educational Summit 2022. I thank all the teachers a lot for their able guidance.

Shilpa
Social Studies Teacher

I completed my graduation and post graduation in 2017-2023 from C.I.S.K.M.V. Dhand Dadwana. Today , I would like to express my heartfelt gratitude and admiration for our respected teachers. They are not just a person who teaches lessons from books, but a mentor who teaches us how to live, think, and grow as good human beings. I am very grateful that I was a part of this college. Their patience, kindness, and dedication make them truly special. No matter how many times we make mistakes, they always guide us with a smile and encourage us to try again. They believe in us even when we doubt ourselves, and that gives us the confidence to achieve our goals.

Thank you for your endless support, care, and guidance. Thankyou so much C.I.S.K.M.V thankyou for inspiring me to believe in myself.

Sneha
Assistant Professor
in commerce

I completed my Post Graduation from C.I.S.K.M.V. Dhand in 2023. Currently, I am working as an Assistant Professor in the Commerce Department at Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya. My college life has been a perfect blend of education and enjoyment. It provided me with knowledge, skills, and unforgettable memories. During this journey, I learned the value of time, hard work, discipline, and friendship. College life helped me become an independent and responsible individual and prepared me to face the real world with confidence. The experiences and lessons I gained during my time at C.I.S.K.M.V. Dhand will always remain close to my heart. I am truly grateful to all the staff members of CISKMV for their constant support, proper guidance, and encouragement throughout my academic journey.

Rashmi
PGT Teacher

I Rashmi, completed my Post Graduation from Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidalya in 2022. I got a chance to write about my college life experience. College life is one of the most remarkable time of individual life. College life exposes us to new environment where we have to learn new things and face new challenges by ourselves. That is the beauty of our college that every teacher who teaches here is very supportive and treats students like her own children. With the help of their guidance I cracked UGC NET exam in 1st attempt. I want to say, "TO THE WORLD THEY ARE JUST TEACHERS, BUT FOR THEIR STUDENTS THEY ARE HEROES OF THEIR LIVES". Our college environment is very conducive for girls. Our college makes me feel that how our little efforts can make a big difference in society. Now I am good leader and teach as a PGT teacher just because of my teachers, staff members and principal mam who always appreciate us to do our best.

Komal Mehla
Assistant Professor
of English

I did my graduation and post graduation in 2018-2023 from C.I.S.K.M.V. Dhand . These 5 years of my College life is not just about studies, it is about becoming a better person. It teaches me how to think, speak, and act wisely. In college, we meet different people and learn to respect different ideas. We enjoy freedom but also learn responsibility. The memories of laughter, group studies, and celebrations stay with us forever. College life is a strong foundation for our future success. It is truly a wonderful and unforgettable time. I am truly thankful to this college who supports me and give me the opportunity to enhance myself.

Shivani Sharma
Axis Bank, Pipli

I did my graduation and post graduation from CISKMV DHAND DADWANA in 2018-2023. I learn so many things in this college.The teachers guide us like mentors and always support us. The environment of the college is friendly and encouraging. We learn discipline, teamwork, and confidence here. Our college not only focuses on studies but also on sports and cultural activities. It helps us to become better human beings. I feel proud to be a part of this wonderful college. It was a great experience to be a part of CISKMV college.

Ritu
Assistant Professor
of English

I completed my post-graduation in English from Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya during the session 2024–2025. My journey at the college was filled with learning, motivation, and valuable experiences that helped me grow both academically and personally. The constant support and guidance of my teachers inspired me to achieve my goals and strengthen my interest in literature and teaching. Apart from academics, the college environment taught me discipline, teamwork, and the importance of lifelong learning. The memories of lectures, academic activities, and moments spent with classmates will always remain special to me.

I sincerely thank all my respected teachers and mentors for their encouragement, support, and guidance throughout my educational journey.

Garima Bharti
UCO Bank,
Kurukshetra

I would like to express my deepest gratitude to Ch. Ishwar Singh Kanya Mahavidyalaya, Dhand, its visionary Principal, and all my respected professors who laid the foundation of my success. My heartfelt thanks to Bhawna Ma'am for teaching me that logic and emotion can coexist, and to Nishi Ma'am for helping me discover my purpose and polishing my communication skills. The friendly yet impactful teaching style of Bhawna Ma'am and Meena Ma'am made them truly unforgettable.

Because of your faith in me, I never gave up. I began my banking career at HDFC Bank as Assistant Manager, then served as Deputy Manager at YES Bank. Today, I proudly work as Cluster Manager at UCO Bank, moving steadily towards my next promotion. Whenever I doubt myself, I remember your words. Whatever I am today is because of your guidance. Thank you for teaching me to dream big and work harder.

Our Alumni

FAREWELL/FRESHER PARTY

TOURS & TRIPS

NOOR-E-DIN

INAUGURATION OF CONFERENCE ROOM

TEACHER'S DAY CELEBRATION

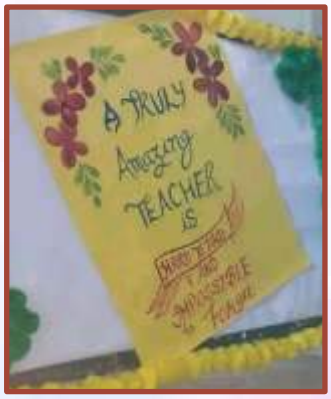

RICE

Sainsons

CH. ISHWAR SINGH KANYA MAHAVIDYALAYA

GPS Map Camera

Release of RASIKA

NEWS ARCHIVE

चौ. ईश्वर सिंह की पुण्यतिथि पर कन्या महाविद्यालय में हवन कर किया कॉन्फ्रेंस हॉल का उद्घाटन

एन.एस.एस. छात्राओं ने महाविद्यालय प्रांगण को किया साफ

'एक राष्ट्र एक चुनाव' से चुनावी खर्चों में कमी, प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि व नीतिगत निरंतरता में होगा सुधार: अनिल नागपाल

छात्राओं ने शिक्षा एवं साक्षरता पर कविता के माध्यम से विचार रखे

10 हरियाणा बटालियन एन.सी.सी. प्रथम वर्ष में 18 छात्रों का हुआ चयन

विद्यार्थी स्वयं मतदान करने के साथ परिजनों व आसपास के लोगों को करें जागरूक: अंकिता पुवार

विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर चौधरी ईश्वर सिंह महाविद्यालय में प्रतियोगिता का आयोजन

'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं प्रदर्श

मेहंदी प्रतियोगिता में महक प्रथम

चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय में एन.एस.एस. 1 दिवसीय शिविर आयोजित

एन.एस.एस. स्वयंसेविकाओं ने अनपढ़ महिलाओं को हस्ताक्षर करना सिखाया

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के माध्यम से गो ग्रीन, प्लांट ट्रीज अभियान को मिली नई ऊर्जा

चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढांड डडवाना में हुआ विदाई पार्टी का आयोजन

विद्यार्थी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें: शर्मा

डीएवी स्कूल में मनाई गई त्यागमूर्ति महात्मा हंसराज की जयंती

एन.एस.एस. छात्राओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का करवाता है अहसास: डॉ. संगीता शर्मा

शिविर में एनएसएस के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला

'एक पेड़ मां के नाम' मुहिम के अंतर्गत महाविद्यालय प्रांगण में किया पौधारोपण

शिक्षक समाज के निर्माता और उनका योगदान अतुलनीयः डॉ. संगीता शर्मा

ढांड (जगमार्ग न्यूज)। चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढांड डडवाना, कैथल में शिक्षक दिवस के अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों की भूमिका और योगदान को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. संगीता शर्मा ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माता है और उनका योगदान अतुलनीय है। शिक्षक दिवस हमें शिक्षकों के प्रति हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाता है। हमें अपने शिक्षकों का सम्मान

राज्य स्तरीय सांस्कृतिक महोत्सव में ज्योति रंगोली में द्वितीय तो मुस्कान गायन में रही तृतीय

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मिलन व अंजलि की टीम प्रथम

साइबर सुरक्षित भारत विषय पर छात्राओं को विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी

'पूर्व छात्र मिलन समारोह से यादें होती हैं ताजा'

चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयो

सेमिनार में हरियाणा, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार से 210 प्रतिभागियों ने लिया भाग

सांसद जिंदल ने छात्राओं को उपाधियां दीं

चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय ढांड में दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन

राष्ट्रीय ध्वज जागरूकता अभियान-2026 के अंतर्गत महाविद्यालय में करवाया कार्यक्रम

■ छात्राओं को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के सम्मान, गरिमा, नियमों, संवैधानिक एवं ऐतिहासिक महत्व बारे दी जानकारी

चौ. ईश्वर सिंह कन्या कॉलेज में व्याख्यान आयोजित

चौ. ईश्वर सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं हवन आयोजित

चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय में विशेष खाना बनाने की प्रतियोगिता आयोजित

विश्व पुस्तक दिवस ज्ञान, प्रेरणा और साहित्य का उत्सव : डॉ. संगीता शर्मा

स्ट्रेस मैनेजमेंट विषय पर व्याख्यान आयोजित

NEWS ARCHIVE

प्रत्येक युवती को अपनी सुरक्षा के प्रति सजग व सक्षम बनना चाहिए : रेखा देवी

बीमा सखी योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में अहम: सुनील कुमार

चौ. ईश्वर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके पदचिन्हों पर चलने का लिया संकल्प

सांसद ने महाविद्यालय की बेटियों के कौशल विकास के लिए की पहल : चौ. तेजवीर सिंह

महिलाओं के खिलाफ अपराध विषय पर व्याख्यान आयोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महिला सशक्तिकरण: जीवन और समुदायों में बदलाव' पर की चर्चा

प्रतियोगिता में छात्राओं ने पौष्टिक आहार बनाए

चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय में विशेष खाना बनाने की प्रतियोगिता आयोजित

चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय में आयोजित प्रतिभा खोज कार्यक्रम में 150 विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय में 30 घंटे का सर्टिफिकेट कोर्स संपन्न

चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय में 7 दिवसीय एन.एस.एस. शिविर उत्साह के साथ हुआ संपन्न

छात्राओं ने साईकिल रैली निकाल स्वच्छता अभियान के लिए ग्रामीणों को किया जागरूक

भारतीय संविधान की निर्माण प्रक्रिया व महत्ता से करवाया अवगत

इंटर कॉलेज जूडो चैंपियनशिप में विजेता छात्राएं सम्मानित

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दिखाया खेल कौशल

खेलकूद प्रतियोगिता के परिणाम

छात्राओं ने भेदभाव, अज्ञानता व अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का दिया संदेश

सूचना का अधिकार हमारे लोकतंत्र की आधारशिला : एम.आर. मिगलानी

NEWS ARCHIVE

पौधारोपण भविष्य की पीढ़ी के लिए जीवनदायिनी विरासत : अशोक गुर्जर

सांसद ने दीक्षांत समारोह में छात्राओं को प्रदान की उपाधियां

छात्राओं और अध्यापिकाओं ने अकादमिक सत्रों, व्याख्यानों व विचार-विमर्श कार्यक्रमों में लिया भाग

फ्रैशर्स पार्टी में अंजू को मिला मिस फ्रैशर का खिताब

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भावना, लखी व अंजलि की टीम रही प्रथम

छात्राओं ने पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर लिखे निबंध, खुशी रही प्रथम

देश की तरक्की के लिए हमें अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता : डॉ. संगीता शर्मा

चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय में रंगमंच कार्यशाला का सफल आयोजन

छात्राओं ने संस्कृत नाट्य, क्लासिकल डांस व क्विज प्रतियोगिता में पाया द्वितीय स्थान

नए विचारों व आविष्कारों को सुरक्षित कर व्यावसायिक उपयोग में लाना आवश्यकः डॉ. नीरा राघव

प्लास्टिक हमारे पर्यावरण के लिए एक गंभीर खतरा : डॉ. संगीता शर्मा

संतुलित आहार शारीरिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यकः डॉ. संगीता शर्मा

विद्यार्थियों ने कुरुक्षेत्र का किया शैक्षणिक भ्रमण

मां ही जीवन का प्रथम गुरुः डॉ. संगीता

छात्राओं ने साइकिल रैली निकालकर स्वच्छता अभियान के लिए ग्रामीणों को किया जागरूक

प्लास्टिक का अत्यधिक प्रयोग वातावरण को कर रहा प्रभावितः प्रो. अरोड़ा

चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय की 2 छात्राओं ने यू.जी.सी.-नैट परीक्षा की उत्तीर्ण

निर्जला एकादशी के अवसर पर लगाई छबील

NOOR
Photographer & Reporter

- A photograph is the pause button of life — and Noor knows exactly when to press it.
- Photography is not just about taking pictures. It's about preserving the spirit of an institution.
- Noor's reporting reflects the truth, dignity, and pride of our college.
- Rasika salutes Noor for his dedication in documenting our journey with sincerity and grace. May his lens continue to shine light on the talent and values of CISKMV, Dhand.

Magazine Committee

Ms. Varkha Khanchi
Department of Economics

Ms. Bhawna
Department of Commerce

Dr. Kamlesh
Department of Sanskrit

Editorial Board

Patron: Dr. Sangeeta Sharma (Principal)
Editor-in-Chief: Ms. Varkha Khanchi
Co-Editor: Ms. Bhawna

Sitting (L to R) - Ms. Sukhwinder (Hindi Section), Dr. Kamlesh (Sanskrit Section), Mrs. Saroj Bala (Science Section), Ms. Varkha Khanchi (Editor-in-Chief), Dr. Sangeeta Sharma (Principal), Ms. Bhawna (Co-Editor), Dr. Sunita Gupta (Music Section), Dr. Nishi Tuli (Commerce Section), Dr. Poonam (English Section)

Standing (L to R) - Students Editors : Shaina (Hindi Section), Priya (Sanskrit Section), Janvi (Science Section), Aanchal (Music Section), Somal (Commerce Section), Aparna (English Section)

चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय

दाण्ड-डडवाना (कैथल)

01746-295095, 93506-01845 www.ciskmvdhand.com ciskmvdhand@gmail.com